हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

यह हैं सबसे अधिक 56 सवाल लगाने वाले

- चरणदास महंत
- पुन्नूलाल मोहले
- धरमलाल कौशिक
- विद्यावती सिदार
- उमेश पटेल
- अटल श्रीवास्तव
- सुशांत शुक्ला
- दिलीप लहरिया
- राघवेंद्र सिंह
- व्यास कश्यप
- रामकुमार यादव
- शेषराज हरवंश
- बालेश्वर साहू
- द्वारिकाधीश यादव
- अनुज शर्मा

शेष पेज 6 पर

बजट सत्र का रिपोर्ट कार्ड:

रेणुका, नीलकंठ, अमर, भैयालाल, विक्रम, ईश्वर और भूलन सबसे कम पूछने वालों में

29 दिग्गजों ने दागे 56-56 सवाल, अजय बने 'फायर'
सात विधायक ऐसे जिन्होंने पूछे शून्य से छह सवाल

सुरेन्द्र शुक्ला ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो चुकी है। सत्र के दौरान विधायकों ने अपने क्षेत्र और जनहित के मुद्दों पर कई सवाल लगाए। विधानसभा सचिवालय द्वारा विधायकों के सत्र के दौरान लगाए गए सवालों का लेखा जोखा जारी किया है। कांग्रेस और भाजपा के 29 विधायकों ने अधिकतम 56 सवालों लगाए। कम सवाल लगाने वालों में सदस्यों में भैयालाल राजवाड़े ने 2, रेणुका सिंह और नीलकंठ टेकाम ने 4-4, विक्रम उसेंड़ी और भूलन सिंह मरावी ने 5-5, अमर अग्रवाल ने एक भी नहीं और ईश्वर साहू ने 6 सवाल लगाए। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सवाल तो 41 लगाए

शेष पेज 6 पर

भूपेश आक्रामक अधिक, सवाल कम

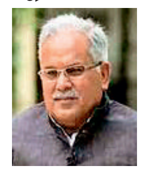

सत्र के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विपक्ष की ओर से काफी आक्रामक रहे हालांकि उन्होंने 41 सवाल लगाए पर वे हर विधायक के जनहित के सावल पर पूरक सवाल कर अपनी उपस्थिति का अहसास मंत्रियों को कराया।वहीं अनिला भेंडिया, कविता प्राण लहरे, संदीप साहू, विक्रम मंडावी ने 53-53 सवाल लग।

शेष पेज 6 पर

कम प्रश्न पूछने वाले विधायक

- भैयालाल राजवाड़े ने - 2
- रेणुका सिंह - 4
- नीलकंठ टेकाम - 4
- विक्रम उसेंड़ी - 5
- भूलन सिंह मरावी - 5
- ईश्वर साहू ने - 6
- अमर अग्रवाल -0

अधिकतम 56 ही पूछ सकते थे : *बजट सत्र के दौरान 14 बैठकों में प्रश्नकाल हुआ, इस दौरान एक विधायक के 4 सवाल एक दिन में लिया जाना था। उसके हिसाब से एक सदस्य पूरे सत्र*

शेष पेज 6 पर

क्षेत्र के जरूरी मामले पर लगाए सवाल-उसेंडी

भाजपा सदस्य विक्रम उसेंडी ने कम सवाल लगाए जाने के सवाल पर कहा कि विधानसभा में क्षेत्र से संबंधित जरूरी मामलों को उठाया गया। क्षेत्र में सड़क की समस्या को प्रमुखता से उठाया। अधिक सवाल इस लिए नहीं लगाया। स्थानीय प्रशासन के माध्यम से अन्य मामलों पर लगातार ध्यान दिलाते हैं। अन्य विधायकों ने कहा कि कई सवाल लगे थे पर स्वीकृत नहीं हुए कुछ सवालों को ही लिया गया। कुछ वरिष्ठ सदस्यों ने इस पर टिप्पणी करने से इंकार किया।

लोग मानते हैं कि राजस्व विभाग भ्रष्ट है, हम इस धारणा को बदलने का प्रयास कर रहे हैं

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के साथ हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की बेबाक बातचीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बलौदाबाजार

खास खबर

शहर के जिला ऑडिटोरियम में शनिवार को हरिभूमि एवं आईएनएच ग्रुप के जिला संवाद कार्यक्रम में प्रदेश की राजनीति, विकास और प्रशासनिक सुधारों को लेकर खास चर्चा हुई। कार्यक्रम में प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा आमने-सामने हुए। दोनों के बीच बेबाक सवाल-जवाब हुए। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने अपने राजनीतिक सफर, सरकार की नीतियों, विपक्ष पर आरोपों और जिले के विकास कार्यों को लेकर खुलकर अपनी बातें रखीं। प्रस्तुत है जिला संवाद के प्रमुख अंशः-

शेष पेज 6 पर

- **प्रश्न** - आप जिस जगह पर है, वहां पर जिले के वरिष्ठ नेता शैलेशजी, सुरेंद्र शर्माजी और आपके शिवरतनजी यहां तक नहीं पहुंच पाए, जो दशकों से राजनीति में आप यहां तक कैसे पहुंच गए।
- **उत्तर**- 2023 के चुनाव में पार्टी नेता द्वारा मुझे अवसर दिया गया। हमारे कार्यकर्ताओं, पार्टी के नेताओं और जनता ने भाजपा पर विश्वास-भरोसा किया। मुझे इस क्षेत्र से प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। आज मैं जो कुछ भी हूं, पार्टी नेतृत्व के आशीर्वाद से हूं। मैं एक छोटे से गांव का रहने वाला हूं। राजनीति में मंजा हुआ भी नहीं, राजनीति में मेरा कम समय रहा। मैं एक समाज सेवक के रूप में काम करता रहा हूं। धर्म संस्कृति संस्कार से जुड़ा हूं। मुझे यह कहने संकोच नहीं है कि जिले के कद्दावर नेता जो कई बार नेतृत्व किए और संगठन में अनुभवी है, शिवरतन शर्मा और गौरीशंकर अग्रवाल जी से काफी सीखने को मिलता है। आज मैं यहां हूं, उनका आशीर्वाद है, प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व का आशीर्वाद है कि हम जैसे कार्यकर्ता को मौका मिला। मैं मानता हूं कि आज भी कार्यकर्ता हूं और आने वाले समय में भी कार्यकर्ता रहूंगा।

मछली पकड़ने पहुंचे, फूलों की फोटो डाली... और बेनकाब हो गई अफीम की खेती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तमनार

हरिभूमि फॉलोअप

शुक्रवार को आमाघाट गांव में उजागर हुई अफीम खेती का राज धीरे-धीरे खुलने लगा है। दिवाली के बाद अफीम की खेती करने झारखंड से दो लोग इमानवेल भेंगरा और सीप्रियन भेंगरा पहुंचे थे। याने चार महीने पहले ही यहां आए थे। अभी गिरफ्तार किए गए आरोपी मार्शल सांगा के दोनों रिश्तेदार थे। मार्शल बाहर था, लेकिन फोन करके उनको बिना किराए अपने ससुराल में रहने का मकान दिलवाया था। मायके में उसकी पत्नी सुषमा खलखो रहती है। वह शादी के दो महीने बाद ही झारखंड से आमाघाट लौट आई थी। तब से अब तक वहां रह रही है। मार्शल हमेशा बाहर रहता है, कभी ओड़िशा तो कभी कर्नाटक बताता है। ससुराल के लोग भी वास्तविक रुप से वह कहां रहता है और क्या काम करता है, नहीं जानते। इतना जरुर बताते हैं कि वह काफी पढ़ा लिखा है, रेलवे में ठेकेदार के साथ पटरी बिछाने का काम करता है। हालांकि गांव वाले ओड़िशा

शेष पेज 6 पर

- सोशल मीडिया से हुआ अफीम की खेती का खुलासा
- जब अफीम खेती की सुगबुगाहट हुई तो चुपके से दोनों निकल गए घर से
- पुलिस को मिला तकिए के नीचे आधार कार्ड और साढ़े 4 हजार रुपए

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%)	₹106433/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	₹129990/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	₹141896/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

ANAND Jewels
Pandri, Raipur

Agriculture & Industrial *Needs*

We need lot of **BLUE** to remain **GREEN.**

SAVE THE WATER

विश्व जल दिवस

विश्व जल दिवस का इतिहास

पूरे विश्व के लोगों द्वारा हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1993 में संयुक्त राष्ट्र की सामान्य सभा के द्वारा इस दिन को एक वार्षिक कार्यक्रम के रुप में मनाने का निर्णय किया गया। लोगों के बीच जल का महत्व, आवश्यकता और संरक्षण के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिये हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस के रुप में मनाने के लिये इस अभियान की घोषणा की गयी थी। इसे पहली बार वर्ष 1992 में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की अनुसूची 21 में आधिकारिक रुप से जोड़ा गया था और पूरे दिन के लिये अपने नल के गलत उपयोग को रोकने के द्वारा जल संरक्षण में उनकी सहायता प्राप्त करने के साथ ही प्रोत्साहित करने के लिये वर्ष 1993 से इस उत्सव को मनाना शुरू किया।

विश्व जल दिवस कैसे मनाया जाता है

पर्यावरण, स्वास्थ्य, कृषि और व्यापार सहित जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में जल के महत्व की ओर लोगों की जागरुकता बढ़ाने के लिये पूरे विश्व भर में विश्व जल दिवस मनाया जाता है। इसे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम और क्रियाकलापों के आयोजनों के द्वारा मनाया जाता है जैसे दृश्य कला, जल के मंचीय और संगीतात्मक उत्सव, स्थानीय तालाब, झील, नदी और जलाशय की सैर, जल प्रबंधन और सुरक्षा के ऊपर स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परिचर्चा, टीवी और रेडियो चैनल या इंटरनेट के माध्यम से संदेश फैलाना, स्वच्छ जल और संरक्षण उपाय के महत्व पर आधारित शिक्षण कार्यक्रम, प्रतियोगिता तथा ढ़ेर सारी गतिविधियाँ। नीले रंग की जल की बूँद की आकृति विश्व जल दिवस उत्सव का मुख्य चिन्ह है।

Contact for ad
9340808313

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

राजनांदगांव में 6 मशीनें, तीन खराब, बिलासपुर में वही हाल

रायपुर ही नहीं, बिलासपुर, भिलाई, जगदलपुर समेत प्रदेशभर में सीवर सफाई का सिस्टम खराब, आबादी के लिहाज से मशीनें कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

रायपुर के रामकृष्ण अस्पताल में सीवरेज की सफाई में तीन व्यक्तियों की मौत ने नई बहस छेड़ दी है। अधिकतर जिलों में आबादी के लिहाज से मशीनें नहीं हैं। रायपुर में करीब 15 लाख की आबादी में 13 सीवर सक्शन मशीन हैं। आवश्यकता होने पर कई दिन बाद उपलब्ध हो पाती हैं। ऐसा ही हाल बाकी जिलों में है। राजनांदगांव ▶▶|शेष पेज 6 पर

नगर पंचायतों में कई मशीनें ही नहीं, कई जगह खराब

राजनांदगांव में 3 मशीन बीते कई महीनों से खराब

राजनांदगांव के 51 वार्ड वाले नगर निगम में लगभग हर घर शौचालय का निर्माण किया गया है। यहां प्रतिमाह लगभग 20-25 परिवारों में सेप्टिक टैंक की सफाई होती है। इसके लिए नगर निगम के पास कुल 6 सीवर सकर मशीन हैं। लेकिन वर्तमान में यहां केवल तीन मशीन चालू हालत में हैं और तीन मशीन बीते कई महीनो से खराब पड़ी हुई हैं, जिसका उपयोग नहीं हो रहा है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

धमतरी के निकायों में संसाधनों की भारी कमी

धमतरी। जिले के नगरीय निकायों में संसाधनों की स्थिति चिंताजनक है। कुरूद नगर पालिका में एक फायर ब्रिगेड और एक सीवर सक्शन मशीन (वैक्यूम अपरेटस) उपलब्ध है, लेकिन बढ़ती आबादी को देखते हुए अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता है। जबकि 4 लाख की आबादी और 40 वार्डों वाले धमतरी शहर में 4 सीवर सकर मशीनें हैं, जिन्हें निगम पर्याप्त बता रहा है। इसी तरह 4 फायर ब्रिगेड उपलब्ध हैं।

600 करोड़ का प्रोजेक्ट अधूरा फिर भी तीन करोड़ की मशीन खरीद ली

बिलासपुर में सीवरेज का काम अधूरा होने के बावजूद नगर निगम ने सवा करोड़ रुपए की सक्शन मशीन खरीद ली है। अब यह मशीन नालियों की सफाई में काम आ रही है। इसके साथ ही अमृत मिशन योजना के बजट से नगर निगम को 4 सक्शन कम जेट मशीन मिली है। इसके जरिए पाइप में ब्लाकेज होने पर उसे हटाया जा रहा है। इसमें से दो मशीनें खराब हैं। इन मशीनों की लागत एक करोड़ 30 लाख रुपए है। हालांकि शहर की प्रमुख ज्वाली नाला और दूसरी बड़ी नालियों की सफाई में मजदूरों को ▶▶|शेष पेज 6 पर

निगम के पास पर्याप्त मशीनें

सीवरेज के साथ ही दूसरी नालियों की सफाई के लिए निगम के पास सुपर सकर मशीन है। इसमें सीवर लाइन में 10 से 15 फीट गहराई में जाकर सफाई करने के लिए ग्रेविंड एंड राडिंग मशीन भी है। इससे कर्मचारियों को सीवर लाइन के अंदर नहीं जाना पड़ता है। पहले जहरीली गैस, अंधेरा, बदबू और गंदगी की वजह से उन्हें सफाई करने में काफी परेशानी होती थी।

- प्रकाश कुमार सर्वे, निगम आयुक्त

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

इंडियन नेवी को मिलेगा माडर्न युद्धपोत तारागिरी

नई दिल्ली। इंडियन नेवी 3 अप्रैल को नए स्टेल्थ फ्रिगेट तारागिरी को कमीशन करने जा रही है। यह समारोह विशाखापत्तनम में आयोजित होगा, जिसकी अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। तारागिरी प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनने वाला चौथा उन्नत युद्धपोत है, यह 'मेक इन इंडिया' पहल और भारत के स्वदेशी शिपयार्ड की आधुनिक इंजीनियरिंग क्षमता का शानदार उदाहरण है।

हरियाणा सरकार ने कंट्रोल में लिया अल-फलाह यूनिवर्सिटी

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए फरीदाबाद में मौजूद अल-फलाह यूनिवर्सिटी का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया है। ये फैसला विश्वविद्यालय में पाई गई गंभीर अनियमितताओं और चल रही जांच के बाद लिया गया है। सरकार ने सीनियर आईएएस ऑफिसर अमित कुमार अग्रवाल को यूनिवर्सिटी का प्रशासक नियुक्त किया है, जो अब इसके एडिमिनिस्ट्रेटर और फाइनेंशियल मामलों की देखरेख करेंगे।

अमेरिका-इजरायल ने की जबरदस्त बमबारी, रेडियोएक्टिव रिसाव की खबर नहीं

महाजंग की आग और भड़की, ईरान के नतांज परमाणु केंद्र पर बड़ा हमला

मिडिल ईस्ट में तनाव एक बार फिर चरम पर है। जारी युद्ध का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान के सबसे सुरक्षित और संवेदनशील माने जाने वाले नतांज परमाणु केंद्र पर अमेरिका-इजरायल ने शनिवार को भीषण हमला किया है, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। हालांकि अब तक किसी भी तरह के रेडियोधर्मी पदार्थ (रेडिएशन) के रिसाव की पुष्टि नहीं हुई है। इधर, ईरान ने भी हिंद महासागर में स्थित अमेरिका और ब्रिटेन के रणनीतिक सैन्य बेस 'डिएगो गार्सिया' पर दो मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

एजेंसी ▶▶| तेलअवीव-तेहरान

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के 22वें दिन अमेरिका-इजराइल ने बड़ा अटैक करते हुए ईरान के परमाणु केंद्र को निशाना बनाया। ईरानी मीडिया ने हमले की पुष्टि की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस हमले में अभी तक किसी भी तरह का रेडियोएक्टिव (खतरनाक परमाणु) रिसाव नहीं हुआ है। यानी, परमाणु कचरा फैलने जैसा जो सबसे बड़ा डर था, वह फिलहाल टल गया है। इस इलाके के आसपास रहने वाले लोगों को कोई खतरा नहीं है। इजराइल और अमेरिका ने इससे पहले 2 मार्च को भी इस प्लांट पर हमला किया ▶▶|शेष पेज 6 पर

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 22वां दिन

युद्ध के बीच मोदी ने की ईरानी राष्ट्रपति से बात

युद्ध के बीच शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति डॉ.मसूद पेजेश्कियन से टेलीफोन पर ईद और नवरोज़ की शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा की है। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि ऐसी कार्यवाई क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालती है।

हिंद महासागर में अमेरिका ब्रिटेन के बेस पर ईरानी अटैक

ईरान ने शनिवार को हिंद महासागर में स्थित अमेरिका और ब्रिटेन के रणनीतिक सैन्य बेस 'डिएगो गार्सिया' पर दो मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। इस हमले के तुरंत बाद दुबई में भी एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव होने और जोरदार धमाकों की आवाज सुनाई दी। हिंद महासागर में युद्ध का ये विस्तार 4 मार्च को अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी युद्धपोत 'आईआरआईएस देना' को डुबाने के बाद हुआ है, जिसमें 85 से अधिक लोग मारे गए थे। वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्लूएसजे) की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी क्षेत्र से लगभग 4,000 किलोमीटर दूर स्थित इस ठिकाने पर ये अब तक का सबसे बड़ा और दुर्लभ हमला है।

पंजाब में बड़ा सियासी भूचाल

अफसर ने मंत्री का नाम लेकर किया सुसाइड, लिया गया इस्तीफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चंडीगढ़

पंजाब की राजनीति में बड़ा सियासी भूचाल आ गया है। एक अफसर ने परिवहन मंत्री के कथित दबाव से त्रस्त होकर सुसाइड कर लिया है। इस पर त्वरित एक्शन लेते हुए परिवहन मंत्री का इस्तीफा ले लिया गया है। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के परिवहन मंत्री लालजीत भुल्लर का नाम लेकर सरकारी एजेंसी, वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के अमृतसर में तैनात डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (डीएम) गगनदीप सिंह रंधावा ने हाल में जहर खाकर जान दे ▶▶|शेष पेज 6 पर

ये है मामला

वरिष्ठ अकाली नेता बिक्रम मजीठिया और अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत औजला ने कहा- फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) ने मंत्री भुल्लर के इलाके में अनाज की स्टोरेज के लिए वेयरहाउस बनाया था। वेयरहाउस कॉर्पोरेशन इसकी नोडल एजेंसी थी। मंत्री लालजीत भुल्लर ने अपने पिता सुखदेव सिंह भुल्लर के नाम पर टेंडर अप्लाई किया। आरोप है कि जब पॉलिसी के हिसाब से मंत्री के पिता को टेंडर नहीं मिला तो उन्होंने घर बुलाकर डीएम गगनदीप सिंह रंधावा से मारपीट की।

सीएम साय ने किया सरगुजा ओलंपिक का शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को नवरात्रि के पावन बेला में मां महामाया की धरा से सरगुजा जिले के अंबिकापुर स्थित पीजी कॉलेज ग्राउंड में सरगुजा ओलंपिक का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, पिछले दो वर्षों से बस्तर ओलंपिक का आयोजन हो रहा है और आज सरगुजा अंचल के साथियों को ओलंपिक के जरिए अपनी हुनर दिखाने का अवसर मिला है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

नवरात्रि में ही खुलते हैं : 200 साल पुरानी मंदर माई मंदिर की अनोखी परंपरा

यशवंत साहू ▶▶| धमतरी

खास खबर

शहर के मराठापारा स्थित मंदर माई मंदिर अपनी अद्भुत और रहस्यमयी परंपरा के कारण श्रद्धालुओं के बीच विशेष आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां देवी-देवताओं के विग्रह पूरे वर्ष झांपी (टोकरी) में विश्राम करते हैं और केवल नवरात्र ▶▶|शेष पेज 6 पर

परंपरा में समाहित है आदिवासी आस्था

क्वांर नवरात्रि की पंचमी तिथि को चकमक पत्थर से जोत प्रज्वलित करने की परंपरा आज भी जीवंत है। विजयादशमी के बाद देव विग्रहों को पुनः विश्राम के लिए झांपी में रखा जाता है, जहां वे अगले नवरात्र तक विराजमान रहते हैं। इस प्रकार वर्ष में केवल दो बार ही भक्तों को दर्शन का ▶▶|शेष पेज 6 पर

देशभर से पहुंचते हैं श्रद्धालु

मंदर माई मंदिर में नवरात्र के दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। छत्तीसगढ़ के अलावा महाराष्ट्र, मुंबई, ओडिशा, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश से भी भक्त यहां जोत जलाने और मनोकामना पूर्ण करने की आस्था लेकर आते हैं।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की मिली सजा

बड़ा एक्शन, बीजद ने अपने 6 विधायकों को किया सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भुवनेश्वर

ओडिशा की राजनीति में शनिवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। बीजू जनता दल (बीजद) ने 21 मार्च को अपने 6 विधायकों को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित कर दिया। इसका कारण राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग और अन्य दल-विरोधी गतिविधियां बताई जा रही है। पूर्व सीएम नवीन पटनायक की अध्यक्षता ▶▶|शेष पेज 6 पर

4 में से एक सीट ही जीत सकी थी बीजद

निलंबित विधायकों में चक्रमणि कन्हार (बालीगुड़ा), नबकिशोर मलिक (जयदेव), सौविक बिस्वाल सुभासिनी जेना (बस्ता), रामकांत भुईं (तिरतोल) और देवी रंजन त्रिपाठी (बांकी) शामिल हैं। ओडिशा में 16 मार्च को राज्यसभा की चार सीटों के लिए चुनाव हुए थे। भाजपा ने दो, बीजेडी ने एक सीट जीती थी। एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय को मिली थी। बीजेडी के आठ विधायकों पर क्रॉस वोटिंग का संदेह जताया गया था, लेकिन छह पर कार्रवाई हुई है।

अमेरिका-इजराइल वर्सेज ईरान युद्ध ने दुनिया जहान को ऊर्जा के खतरे में डाल दिया है। ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने से खाड़ी मुल्कों को जो जबर्दस्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, उसको सिर्फ स्थायी तौर पर युद्ध विराम के माध्यम से ही रोका जा सकता है। भारत अपनी आवश्यकता की लिक्विड नेचुरल गैस का आयात कतर से करता रहा है। कतर और यूएई से आने वाली लिक्विड नेचुरल गैस का कार्गो हार्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। भारत के एलएनजी आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरकर आता है। खाड़ी देशों में छिड़ने वाला संघर्ष न केवल कच्चे तेल की कीमतों में आग लगा रहा है, अपितु यह उर्वरक संकट के माध्यम से भारत जैसे कृषि प्रधान देशों के रसोई घर तक अपनी तपिश पहुंचा रहा है, जिससे भविष्य में अनाज की पैदावार और उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे दुनिया के तीन सबसे बड़े कृषि प्रधान देश अपनी मिट्टी की उत्पादकता को जीवित रखने के लिए भारी मात्रा में खाड़ी क्षेत्र से नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का आयात करते हैं। पश्चिम एशिया में जारी इस जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इसके परिणामों को भुगतना पड़ेगा। तेल और गैस आयात पर अत्यधिक निर्भरता को देखते हुए हमें न केवल तेल के भंडार बढ़ाने होंगे, बल्कि नए रास्ते तलाशने की दिशा में प्रयास और तेज करने होंगे। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

युद्ध से खतरनाक होंगे इसके परिणाम

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

अमेरिका और इज़राइल द्वारा 28 फरवरी को संयुक्त रूप से ईरान पर आक्रमण का अंजाम दिया गया। इस विनाशकारी युद्ध ने ईरान द्वारा इजराइली शहरों और पश्चिम एशिया के इलाके में विद्यमान अमेरिका सैन्य ठिकानों पर ड्रोनों और मिसाइलों द्वारा आक्रमण अंजाम देकर भयंकर प्रतिउत्तर प्रदान किया गया। ईरान द्वारा खाड़ी मुल्कों में अमेरिका के निकट सहयोगी मुल्कों के तेल और गैस के प्लांट्स को भी अपनी मिसाइलों से निशाना बनाया। बादशाही राजकाज वाले खाड़ी मुल्कों को यह अंदाजा भी नहीं था कि उनको ऐसे भीषण विध्वंसक युद्ध में उलझा दिया जाएगा। अमेरिका द्वारा खाड़ी देशों के बादशाही मुल्कों को सैन्य हिफाजत का आश्वासन ईरान द्वारा तहस-नहस कर दिया गया। आखिरकार अब खाड़ी मुल्कों के पास क्या विकल्प बच गया है? यही कि युद्ध जितनी जल्दी खत्म हो जाएगा, उनका नुकसान उतना ही कम रहेगा।

> **आक्रामक मिसाइलों के विध्वंसकारी प्रहारों से पहले से ही कमजोर हो चुकी दुनिया जहान की ऊर्जा हिफाजत और अधिक गंभीर खतरे में चली गई है। कतर, बहरीन, सऊदी अरब आदि खाड़ी मुल्कों मुल्कों पर ईरान की मिसाइलें कहर बनकर टूट पड़ी है। तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल लगातार देखा जा रहा है। क्रूड ऑयल के विपरीत भारत के पास लिक्विड नेचुरल गैस का कोई भी स्ट्रैटेजिक भंडार नहीं है। पश्चिम एशिया में जारी जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इस जंग के परिणामों को भुगतना पड़ेगा।**

खाड़ी मुल्कों को आर्थिक हानि

होर्मुज स्ट्रेट बंद हो जाने से खाड़ी मुल्कों को जो जबर्दस्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है उसको सिर्फ स्थाई तौर पर युद्ध विराम के माध्यम से ही रोका जा सकता है। खाड़ी देशों के बादशाही मुल्क अपना भूगोल परिवर्तित नहीं कर सकते, उनको 9 करोड़ आबादी वाले एक विशाल पड़ोसी देश ईरान के साथ सह-अस्तित्व का रास्ता निकालना ही होगा ! अन्यथा अमेरिका उनकी सैन्य हिफाजत नहीं कर सकता, यह विकट स्थिति वर्तमान युद्ध से सिद्ध हो चुकी है। हालांकि अमेरिका से दूर चले जाना बादशाही खाड़ी मुल्कों के लिए कदापि आसान नहीं होगा, क्योंकि अनेक सैन्य संधियां कम से कम 20 वर्ष की अवधि की होती है। खाड़ी मुल्कों के बड़े-बड़े क्रूड तेल और गैस उत्पादक इलाकों और भंडारों पर निरंतर अंजाम दिए जा रहे हैं। आक्रामक मिसाइलों के विध्वंसकारी प्रहारों से पहले से ही कमजोर हो चुकी दुनिया जहान की ऊर्जा हिफाजत और अधिक गंभीर खतरे में चली गई है। कतर, बहरीन, सऊदी अरब आदि खाड़ी मुल्कों मुल्कों पर ईरान की मिसाइलें कहर बनकर टूट पड़ी हैं। तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल लगातार देखा जा रहा है।

क्रूड तेल, गैस की कीमतें बढ़ी

युद्ध प्रारंभ होने से पहले एशिया में शुरुआती ट्रेड में क्रूड तेल की कीमतें केवल 70 डॉलर प्रति बैरल थी। युद्ध के निरंतर जारी रहते किसी को ज्ञात नहीं है कि क्रूड तेल और गैस की कीमतें कहां जाकर रुकेंगी। विश्व की सबसे बड़ी नेचुरल गैस फील्ड में से एक है ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड।

ईरान की साउथ पार्स फील्ड पर इजरायल ने जोरदार आक्रमण अंजाम दिया। इसके तत्पश्चात ईरान ने कतर के पास रस लाफान की नेचुरल गैस फील्ड (एलएनजी) पर मिसाइल आक्रमण का अंजाम दिया। इन विध्वंसकारी आक्रमणों के तत्पश्चात तो गैस और तेल की कीमत में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। रास लाफान में अंजाम दिए गए ईरानी मिसाइल आक्रमण के बाद अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया कि इजराइल भविष्य में ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर आक्रमण अंजाम नहीं देगा। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने यह चेतावनी भी दे दी कि अगर भविष्य में ईरान ने दोबारा कतर के रास लाफान पर आक्रमण अंजाम दिया तो अमेरिका ईरान के समस्त ऊर्जा ढांचे को तहस-नहस करके रख देगा।

तेल व्यापार हुआ बाधित

उल्लेखनीय है कि ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर अंजाम दिए गए आक्रमण के जवाब में ईरान ने सऊदी अरब, यूएई और कतर के तेल क्षेत्रों पर आक्रमण अंजाम देने की चेतावनी पहले से जारी कर दी थी। अमेरिका-इजराइल विरुद्ध ईरान युद्ध के कारण समस्त पश्चिम एशिया के हालात बहुत अधिक विध्वंसक हो गए हैं। होर्मुज स्ट्रेट के बंद कर दिए जाने से इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाला दुनिया का 22 प्रतिशत तेल व्यापार जबरदस्त तौर से बाधित हो गया है। उल्लेखनीय है कि भारत सहित दक्षिण एशिया के समस्त देश तेल और गैस की आपूर्ति के लिए होर्मुज स्टेट और खाड़ी देशों पर अत्याधिक तौर से निर्भर रहे हैं। कतर की रास लाफान पर अंजाम दिए गए भयानक आक्रमण से भारत की नेचुरल गैस आपूर्ति पर जबरदस्त असर पड़ने वाला है। कतर द्वारा लिक्विड नेचुरल गैस (एलएनजी) फील्ड को विकसित करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया गया। ईरान द्वारा अंजाम दिए गए भीषण आक्रमण के बाद कतर का रास लाफान प्लांट बंद हो गया है। इसके करण यूरोप और दक्षिण एशिया में नेचुरल गैस की कीमतें बहुत बढ़ गई है। हालांकि कतर का एलएनजी उत्पादन एशिया के ही मुल्कों को सप्लाई किया जाता है। उल्लेखनीय है कि यह इलाका सबसे बड़े नेचुरल गैस फील्ड में एक है, जहां पर 51 ट्रिलियन क्यूबिक मीटर नेचुरल गैस का विशाल भंडार है। इस संपूर्ण क्षेत्र को ईरान और कतर दोनों समान रूप से साझा करते हैं। ईरान के आधिपत्य वाले नेचुरल गैस फील्ड को साउथ पार्स फील्ड कहा जाता है और कतर की तरफ वाले फील्ड को उत्तरी फील्ड कहा जाता है। ईरान दुनिया के पटल पर ऐसा चौथ मुल्क है जो कि अमेरिका, चीन और रूस के पश्चात गैस का सबसे बड़ा उपभोक्ता मुल्क है, साउथ पार्स फील्ड से अपनी जरूरत का तकरीबन अस्सी फ़ीसदी गैस प्रयोग करता है।

भारत पर जंग का पड़ेगा असर

ईरान ने भी लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन का एक शक्तिशाली ढांचा बनाने की कोशिश अंजाम दी थी, लेकिन परमाणु कार्यक्रम के कारण आयाद किए गए वैश्विक प्रतिबंधों के कारण उसे बहुत अधिक सफलता नहीं मिल पाई है। भारत अपनी आवश्यकता की लिक्विड नेचुरल गैस का आयात कतर से करता रहा है। कतर और यूएई से आने वाली लिक्विड नेचुरल गैस का कार्गो हार्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। भारत के एलएनजी आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरकर आता है। विनाशकारी युद्ध के बाद भी कतर के गैस प्रोसेसिंग प्लांट को दोबारा शुरू करने में तकरीबन दो हफ्ते से अधिक लग जाएंगे। क्रूड ऑयल के विपरीत भारत के पास लिक्विड नेचुरल गैस का कोई भी स्ट्रैटेजिक भंडार नहीं है। महंगी लिक्विड नेचुरल गैस भारत नहीं खरीद सकता है। पश्चिम एशिया में जारी जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इस जंग के परिणामों को भुगतना पड़ेगा।

उर्वरकों पर खतरा यानी रोटी पर संकट

संकट

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध केवल सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि यह उस 'खाद्य युद्ध' की प्रस्तावना है जो खेतों की उर्वरता और वैश्विक पेट की भूख को सीधे प्रभावित कर सकती है। दरअसल युद्ध अपने साथ केवल प्रत्यक्ष विनाश, रक्तपात और विस्थापन ही नहीं लाता, बल्कि यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की उन सूक्ष्म धमनियों को भी बाधित करता है, जिनसे दुनिया की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा संचालित होती है। खाड़ी देशों में छिड़ने वाला संघर्ष न केवल कच्चे तेल की कीमतों में आग लगा रहा है, अपितु यह उर्वरक संकट के माध्यम से भारत जैसे कृषि प्रधान देशों के रसोई घर तक अपनी तपिश पहुंचा रहा है, जिससे भविष्य में अनाज की पैदावार और उपलब्धता पर प्रभावित हो सकती है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे दुनिया के तीन सबसे बड़े कृषि प्रधान देश अपनी मिट्टी की उत्पादकता को जीवित रखने के लिए भारी मात्रा में खाड़ी क्षेत्र से नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का आयात करते हैं। भारत के संदर्भ में यह निर्भरता रणनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील और जोखिम भरी है। भारत अपनी यूरिया की कुल खपत का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा सीधे आयात करता है, जिसमें ओमान, सऊदी अरब और कतर जैसे देशों की भूमिका अहम है। यदि ईरान और खाड़ी देशों में जारी तनाव लंबा चलता है या पूर्ण युद्ध में बदलता है, तो यह भारत की 'खाद सुरक्षा' के लिए चिंतनीय होगा। वर्तमान स्थिति में सबसे पहली और घातक बाधा 'लॉजिस्टिक्स' और समुद्री परिवहन के मोर्चे पर आ रही है। दुनिया का लगभग एक-तिहाई समुद्री व्यापार होर्मुज जलडमरूमध्य के एक संकरे और तनावग्रस्त मार्ग से गुजरता है।

> **भारत अपनी यूरिया की कुल खपत का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा सीधे आयात करता है। यदि ईरान और खाड़ी देशों में जारी तनाव लंबा चलता है या पूर्ण युद्ध में बदलता है, तो यह भारत की 'खाद सुरक्षा' के लिए चिंतनीय होगा।**

यदि यह जलमार्ग युद्ध के कारण अवरुद्ध होता है, तो उर्वरकों से लदे जहाज या तो बंदरगाहों पर फंस जाएंगे या उन्हें 'केप ऑफ गुड होप' (अफ्रीका) का चक्कर लगाकर हजारों मील लंबा रास्ता तय करना होगा। इससे परिवहन इतना महंगा हो जाएगा कि बंदरगाह पर उतरने वाली खाद की बोरी की कीमत किसान की पहुंच से बाहर हो जाएगी। उर्वरक संकट का दूसरा गहरा और तकनीकी संबंध 'प्राकृतिक गैस' की कीमतों से जुड़ा है। खाड़ी में युद्ध का अर्थ है वैश्विक गैस पाइपलाइनों और एलएनजी आपूर्ति में भारी व्यवधान। जब गैस की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ेंगी, तो भारत के घरेलू उर्वरक संयंत्रों की उत्पादन लागत भी अनियंत्रित रूप से बढ़ जाएगी। इसके साथ ही, चीन और ब्राजील जैसे देशों से मिलने वाली वैश्विक प्रतिस्पर्धा इस संकट को और गहरा कर देगी। यदि फसल सीजन के दौरान उर्वरक की समय पर आपूर्ति नहीं हुई, तो इसके परिणाम भयावह हो सकते हैं।

खाद की कमी का सीधा अर्थ है प्रति एकड़ पैदावार में 25 से 40 प्रतिशत तक की गिरावट। उत्पादन कम होने का अर्थ होगा बाजार में अनाज की कमी, जमाखोरी और उसके परिणामस्वरूप बेतहाशा खाद्य मुद्रास्फीति। इसके अतिरिक्त, सरकार पर 'उर्वरक सब्सिडी' का बोझ इतना बढ़ जाएगा कि वह देश के बुनियादी ढांचे और विकास कार्यों के बजट में कटौती करने पर मजबूर हो जाएगी। इस संभावित त्रासदी से बचने के लिए भारत को अब केवल 'प्रतिक्रियात्मक' नहीं बल्कि 'निवारक' रणनीति पर काम करना होगा। हम अब मोरक्को, जॉर्डन, रूस और कनाडा जैसे देशों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते कर रहे हैं ताकि खाड़ी क्षेत्र पर हमारी शत-प्रतिशत निर्भरता न रहे।

साथ ही, 'पीएम-प्रणाम' जैसी योजनाओं के माध्यम से वैकल्पिक उर्वरकों और नैनो यूरिया को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो तरल रूप में होने के कारण कम मात्रा में अधिक प्रभावी होते हैं और जिन्हें भंडारित करना आसान है। भारत को अपनी 'सल्फर कोटेड यूरिया' जैसी तकनीकों को और विस्तार देना होगा ताकि मिट्टी की सेहत भी बनी रहे और आयात पर बोझ भी कम हो। खाड़ी देशों का यह संभावित युद्ध केवल मिसाइलों और टैंकों का मुकाबला नहीं है, बल्कि यह करोड़ों किसानों के हल और आम आदमी की थाली पर होने वाला प्रहार है। आवश्यकता है कि भारत अपनी 'खाद्य संप्रभुता' को सुरक्षित करने के लिए उर्वरक के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को युद्ध स्तर पर गति दे।

वैश्विक संकट और कांग्रेस की सस्ती राजनीति

विचार

पंकज झा

देशद्रोह केवल वही नहीं होता जहां सीधे तौर पर देश से गद्दारी की जाय, देशद्रोह वह भी होता है जहां कोई राजनीतिक दल अपने देश की विदेश नीति के विरुद्ध ही गाल बजाना शुरू कर दे, विदेशों में जा-जा कर अपनी ही चुनी हुई सरकार के विरुद्ध प्रोपगंडा करे, अपनी ही सरकार को निराधार ही सरेंडर, कम्प्रोमाइज्ड आदि बताये। ऐसा ही देशद्रोह लगातार कांग्रेस सांसद और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कर रहे हैं। कांग्रेस के अन्य नेता भी उन्हीं के रास्ते पर चलते हुए स्वयं को प्रासंगिक बनाए रखने में देश की सुरक्षा और शान्ति को दांव पर लगाने से नहीं चूकते। कठिन वैश्विक परिस्थिति, भीषण युद्ध की स्थिति में भी जो देश के पक्ष में खड़ा नहीं रहे, जो जनता को भड़काने के हर जतन में लगे रहे, जो लगातार झूठ और फरेब परोसता रहे विशेषकर ऐसे समय में, उसे न केवल देशद्रोही अपितु लोकद्रोही भी कहना चाहिए। कांग्रेस रसोई गैस और पेट्रोलियम आदि के मामले में यही करती नजर आ रही है। कांग्रेस की हर संभव कोशिश यही है कि किसी न किसी तरह जनता में अनरेस्ट फैले। उसके बाद ये अराजकता फैलाएं और फिर अपनी रोटी सेंक सकें। बाहरी कोशिश के बतौर तो लगातार वे कर ही रहे हैं, देश के भीतर भी भय फैलाना अब कांग्रेस ने अपनी अघोषित नीति के तहत शुरू कर दिया है। कांग्रेस महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लगातार गैस संकट का दुष्प्रचार करने, किंतु विफल रहने के बाद सोशल मीडिया पर जनमत संग्रह कराना शुरू किया। मानो वे कांग्रेस के जमाने के पीएम हों और गैस संकट तब का जम्मू-कश्मीर। उन्हें लगा कि अपने लोगों द्वारा वे यह सबित करने में सफल हो जायेंगे कि देश में त्राहिमाम बचा है। पर हजारों लोगों ने स्वतः स्फूर्त ढंग से उनके पोस्ट पर उन्हें बताया कि आपूर्ति सुचारू है और सबको समय से मिल जा रहा है। जाहिर है, कांग्रेस की ऐसी हर हरकत उसके वोट बैंक में एक-दो प्रतिशत की सेंध तो लगा ही देता है। ऐसा कुछ भी करने से इनका उल्लू सीधा नहीं हो पा रहा है, यह तय है। फिर भी इनकी ऐसी हरकत जारी है। विदेशी परिस्थितियों को भी साम्प्रदायिक रंग देते रहने की कोशिश समेत ऐसे तमाम कृत्यों से कांग्रेस देश को कमजोर करने या दिखाने की कोशिश लगातर कर रही है। इसमें बुरी तरह विफल होते रहने के बावजूद उसके अस्तित्व के लिए शायद यही एकमात्र विकल्प है कि वह झूठ फैलाते रहे। कांग्रेस के पूरे प्रोपगंडा का हेतु यही है कि वह आपूर्ति में कमी का रोना रोये ताकि लोग डर कर अधिक से अधिक पैनिक बुकिंग करें ताकि सिस्टम फेल हो सके। जाहिर है अत्यधिक आसामान्य मांग पैदा होने पर संकट खड़ा होता ही है, कांग्रेस इसी कोशिश में लगी है जिसका शिकार वास्तविक जरूरतमंद हो सकते हैं, दुखद यह है कि कांग्रेस को कभी उसकी परवाह रही भी नहीं है। आज जहां तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश में स्थिति सामान्य है, वहीं याद कीजिए खाड़ी युद्ध का दौर। भारत में तब कांग्रेस की सरकार थी और आपूर्ति श्रृंखला लगभग चौपट हो गयी थी। अभी से लगभग चौथाई से कम तब पेट्रो पदार्थों की मांग थी (1990 में लगभग 58 मिलियन टन – 2025 में लगभग 250 मिलियन टन), क्योंकि न तो इतने अधिक रसोई गैस कनेक्शन थे, न ही इतनी सारी गाड़ियां ही थी। फिर भी देश भर में हाहाकार मचा हुआ था। कई-कई किलोमीटर लम्बी कतार लग रही थी तब पेट्रो पदार्थों के लिए। तब अपेक्षाकृत अल्प चुनौतियों के बावजूद अपने कुप्रबंधन और भ्रष्ट व्यवस्था के कारण ऐसा लड़खड़ायी थी कांग्रेस सरकार जिसकी बुरी यादें आजतक ताजा है। नौबत यहां तक आ गयी थी कि अपमानजनक ढंग से कांग्रेस (और उसकी समर्थित) सरकार को भारत का 67 टन सोना बकायदा फिजिकल रूप में देश के बाहर गिरवी रखने भेजना पड़ा था। और वह फिजिकल सोना कांग्रेस ला नहीं पायी फिर देश वापस। फिर भी तब का विपक्ष संयत रहा था और देश की विदेश नीति के साथ खड़ा रहा, भले घरेलू मामलों में कांग्रेस की नाक में दम किए रहा था। इसके इतर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में सन 2024 में ब्रिटेन से 100 टन सोना लाकर अपने स्वर्ण भण्डार को मजबूत किया। आज जिस तरह सोने के भाव आसमान पर हैं, ऐसे में आप ऐतिहासिक सौ टन सोना के आने के निर्णय की कल्पना कीजिये। कोई भी गर्व करना चाहेगा अपनी सरकार पर। कांग्रेस का ऐसा ही गैर जिम्मेदाराना रवैया कोरोना जैसी मानव सभ्यता के ज्ञात इतिहास की सबसे बड़ी महामारी के समय भी देखने को मिला था। उस अकल्पनीय संकट के समय भी भारत में आपूर्ति श्रृंखला न केवल चमत्कारिक रूप से सुचारू रहा था बल्कि मोदीजी की सरकार ने अपने अनाज का गोदाम जनता के लिए खोल दिया था, जो आज तक जारी है। मोदीजी की सरकार ने उस 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' को अब स्थायी ही कर दिया है और आज देश के 81.35 करोड़ लोग निःशुल्क पेट भर अनाज अपनी सरकार से अपने ही घर में पा रहे हैं।

बढ़ाना ही होगा इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन

चुनौती

उमेश चतुर्वेदी

राजनीतिक समीक्षक

ईरान पर अमेरिकी और इजराइली कार्रवाई के बाद पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया को कई तरह की परेशानियों और रुकावटों का सामना करना पड़ रहा है। अगर खाड़ी संकट जल्द नहीं थमा तो पहले से ही करीब अस्सी अरब डॉलर सालाना खर्च करने वाले भारत की ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। पेट्रोलियम कारोबार पर निगाह रखने वाले वैश्विक संस्थानों को आशंका है कि अगर ईरान-इजराइल-अमेरिका युद्ध लंबा खिंचा और इससे कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल दस डॉलर की भी बढ़ोत्तरी हुई तो भारत का पेट्रोलियम आयात खर्च पंद्रह हजार करोड़ डॉलर सालाना बढ़ सकता है।

पेट्रोलियम आयात पर होने वाली इस बढ़ोतरी के चलते भारत पर नए सिरे से आर्थिक दबाव बढ़ेगा। ऐसे में जरूरी है कि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर नए सिरे से विचार करे और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश की दिशा में न सिर्फ आगे बढ़े, बल्कि शोध और विकास पर भी जोर लगाए। खाड़ी संकट के बाद सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को इस दिशा में सोचने को मजबूर किया है। तमाम देश वैचारिक स्तर पर पेट्रोलियम पदार्थों के विकल्पों की खोज में जुटने लगे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर दुनिया का बढ़ता ध्यान इसी बदलती सोच का प्रतीक है। चीन ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने पर पिछले कुछ वर्षों में इतना जोर दिया है कि वहां एक तरह से इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति ही आ गई है। भारत ने साल 2030 तक कुल वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी तीस प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। ईरान संकट के पहले से ही इलेक्ट्रिक वाहनों के चलन को बढ़ावा देने की सरकारी कोशिशों से सालाना पेट्रोलियम आयात में करीब 25 हजार करोड़ की बचत होने लगी है। जिस तरह पेट्रोलियम उत्पादक खाड़ी के क्षेत्र में हालात बदल रहे हैं, उससे देश को पेट्रोलियम के विकल्प ढूंढने की दिशा में तेजी लाने और इस सिलसिले में शोध और विकास को भी गति देने की जरूरत बढ़ी है। ऐसा किए बिना देश के लिए पेट्रोल और डीजल के आयात के लिए

> **मार्च 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत में रोजाना करीब 87 करोड़ लीटर पेट्रोल की खपत होती है। जबकि देश में इसका उत्पादन महज 9.65 करोड़ लीटर ही होता है।**

विदेशी मुद्रा के भारी खर्च पर लगाम लगाना आसान होगा। भारत के संदर्भ में देखें, तो रसोई गैस के मोर्चे में देश ने पिछले दस वर्षों में बड़ी क्रांति को देखा है। देश के रसोई घरों में पीएनजी यानी पाइप्ड नेचुरल गैस और एलपीजी यानी लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की खपत बढ़ी है। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, देश में प्राकृतिक गैस की रोजाना खपत करीब 189 मिलियन घन मीटर है, लेकिन घरेलू उत्पादन महज 97.5 मिलियन घन मीटर रोजाना ही है। करीब साठ फीसद गैस बाहर से आयात करनी पड़ती है। देश में करीब 33 लाख एलपीजी कनेक्शन हैं। इनमें दस लाख 33 हजार कनेक्शन प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत दिए गए हैं। इन कनेक्शनों पर सालाना 312 लाख टन गैस खर्च होती है। इस गैस का साठ फीसद हिस्सा आयात किया जाता है। जाहिर है कि देश का बड़ा गैस खर्च भी आयात पर ही निर्भर है। आंकड़ों के अनुसार देश की ऊर्जा स्रोत के रूप में सबसे ज्यादा खपत डीजल की है, जो कुल पेट्रोलियम खर्च का करीब करीब 38.5 फीसद है। इसके बाद पेट्रोल का नंबर आता है, जिसकी कुल ऊर्जा स्रोत के खपत में करीब 18 प्रतिशत की भागीदारी है, जबकि तीसरे नंबर पर करीब चौदह फीसद हिस्सेदारी के साथ प्राकृतिक गैस है। भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय के मार्च 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार देश में रोजाना करीब 87 करोड़ लीटर पेट्रोल की खपत होती है। जबकि देश में इसका उत्पादन महज 9.65 करोड़ लीटर ही होता है। देश की कुल पेट्रोलियम खपत का करीब 87 फीसद हिस्सा आयात करना पड़ता है। कुल एलपीजी खर्च का 60 फीसद हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है। भारत में पारंपरिक रूप से लकड़ी के चूल्हे पर खाना पकाने का चलन रहा है। इसके लिए जलावन पारंपरिक तौर पर फसलों के साथ ही पेड़ों और जंगलों से मिलता रहा है। उन्हें बाद में स्वास्थ्य के लिए खराब माना जाने लगा। अब बदले हालात में जरूरी है कि पारंपरिक चूल्हों को विकसित करके उनकी ओर भी लौटा जाए। इसके लिए ऐसे उन्नत चूल्हे बनाए जाएं, जिससे धुआं कम से कम निकले और उनसे ऊर्जा ज्यादा मिले। समुद्री लहरों के जरिए भी बिजली बनाने पर शोध हो रहा है, इस दिशा में भी तेजी लाई जानी चाहिए। तभी जाकर हम आने वाले दिनों में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का ज्यादा इस्तेमाल कर सकेंगे, तब हम आयात के भारी-भरकम खर्च से बचेंगे।

ईरान युद्ध से सबक लेकर आत्मनिर्भर बने भारत

दृष्टिकोण

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम एशिया में भड़की जंग ने दुनिया को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां हर अगला दिन एक नए खतरे का संकेत दे रहा है। यह सिर्फ दो देशों के बीच का टकराव नहीं रहा, बल्कि पूरी वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को सीधे निशाने पर ले आया है। देखा जाये तो इजराइल ने जब ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, तो यह सीधा उस नस पर वार था जिससे पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति चलती है। जवाब में ईरान ने भी देर नहीं की और कतर के रास लफान गैस केंद्र को निशाना बना दिया। यह वही केंद्र है जो दुनिया की कुल गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा संभालता है। यानी अब जंग सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया की रसोई और उद्योगों तक पहुंच चुकी है। तेल बाजार में हाहाकार मच गया।

कीमतें अचानक उछलकर एक सौ बीस डॉलर के करीब पहुंच गईं। यह सिर्फ आर्थिक उतार-चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस डर का इजहार था कि फारस की खाड़ी अब बारूद का ढेर बन चुकी है, जहां से किसी भी वक्त पूरी दुनिया प्रभावित हो सकती है। बता दें, भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है। यह आपूर्ति मुख्यत खाड़ी देशों से ही होती है। इस आयात का ज्यादातर हिस्सा केवल एक अस्थिर क्षेत्र यानी पश्चिम एशिया से आता है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में किसी भी रुकावट को नीति निर्माताओं और तेल कंपनियों के लिए तत्काल चिंता का विषय बना देता है। फिर भी, भारत के ऊर्जा योजनाकारों का तर्क है कि 1970 दशक के खाड़ी संकटों की तुलना में आज देश ऐसी बाधाओं से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। पिछले कुछ वर्षों में भारत किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए जानबूझकर अपनी कच्चे तेल की स्रोत रणनीति में विविधता लाया है। सबसे बड़ा बदलाव रूस से आयात में वृद्धि है, जो यूक्रेन संघर्ष के बाद से भारत का सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। साथ ही, भारतीय रिफाइनरियों ने अमेरिका, ब्राजील, मैक्सिको और पश्चिम अफ्रीका के उत्पादकों से तेल की खरीद बढ़ा दी है। ये सभी देश मिलकर अब भारत के कच्चे तेल की कुल मात्रा का लगभग आधा हिस्सा पूरा करते हैं, जिससे खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति धीमी होने पर रिफाइनरियों को आपूर्ति को संतुलित करने की सुविधा मिलती है।

हालांकि, भारत के लिए खाड़ी क्षेत्र भविष्य के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे

> **इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं।**

तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं। इन देशों से आने वाला तेल जामनगर, वडीनार और पारादीप जैसे भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचने से पहले होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। ऐसे में इस जलमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार संतुलन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। साफ है, वर्तमान की इन अल्पकालिक चुनौतियों के बीच, यह संकट आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता कम करने की आवश्यकता को मजबूती से रेखांकित करता है। भारत बढ़ती ऊर्जा मांग के बीच तेल आयात पर निर्भरता कम करने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। इथेनॉल मिश्रण, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और 500 गीगावाट नॉन-फॉसिल क्षमता लक्ष्य से देश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। लेकिन प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों के बीच हमने जीवाश्म ईंधन के घरेलू उत्पादन को कम महत्त्व दिया है। जबकि अगले दो दशकों में जीवाश्म ईंधन काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है क्योंकि यह वह समय है, जब भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का अधिकतम लाभ उठाना होगा। होर्मुज स्ट्रेट में आपूर्ति बाधित होने पर हमें वैकल्पिक स्रोतों की आवश्यकता होगी। पश्चिम एशिया पर निर्भरता हमारे लिए केवल अस्थायी विकल्प है। हमें तेल और गैस के घरेलू अन्वेषण और उत्पादन में तेजी लानी चाहिए। हमें खाना पकाने के लिए उपयुक्त चूल्हों का उपयोग करते हुए एथनॉल के इस्तेमाल में भी तेजी लानी चाहिए। दरअसल, इस जंग ने पूरी दुनिया को यह बताया कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया। यह संकट सिर्फ पेट्रोल या गैस की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा। इसका असर हर घर, हर उद्योग और हर देश पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, आपूर्ति टूटेगी और अर्थव्यवस्थाएं हिल जाएंगी। अब सवाल यही है कि क्या इस आग को बुझाने का कोई रास्ता बचा है। सच यह है कि इस समय केवल अमेरिका ही ऐसा देश है जिसके पास दोनों पक्षों को रोकने की ताकत है। लेकिन क्या ट्रंप ऐसा करना चाहते हैं, यह सबसे बड़ा सवाल है।

बहरहाल, ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध का नतीजा चाहे जो भी निकले, मगर एक बात तो तय है कि भारत को अब अपनी ऊर्जा निर्भरताओं पर नए सिरे से गंभीरता से विचार करना होगा। ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध इस बात की तरफ स्पष्ट इशारा है कि ऊर्जा पर आत्मनिर्भरता देश के लिए कितनी जरूरी हो गई है। ईंधन की किल्लत रक्षा क्षेत्र में एक सीमित झटके से भी कहीं अधिक राजनीति को प्रभावित कर सकती है। तेल और गैस आयात पर अत्यधिक निर्भरता को देखते हुए हमें न केवल तेल के भंडार बढ़ाने होंगे, बल्कि नए रास्ते तलाशने की दिशा में प्रयास और तेज करने होंगे।

केरल में कांग्रेस ने सांसदों को नहीं दिया विधानसभा का टिकट

एजेंसी ▶▶| कोच्चि

केरल चुनावों के लिए 37 उम्मीदवारों की दूसरी और फाइनल लिस्ट जारी कर कांग्रेस ने ये साफ कर दिया कि इन चुनावों में किसी भी सांसद को टिकिट नहीं दिया जाएगा, सीटों के बंटवारे को लेकर हंगामे और सांसदों की मांगों के बीच कांग्रेस ने 37 उम्मीदवारों की सूची में लोकसभा के किसी सदस्यों को टिकट नहीं मिला है। कांग्रेस सांसद के सुधाकरण कन्नूर सीट से टिकट मांग रहे थे वहां टी ओ मोहनन को उतारा गया है जबकि कोन्नी से टिकिट मांगने वाले एमपी अडूर प्रकाश को भी निराशा हाथ लगी वहां पार्टी ने प्रोफेसर सतीश कोच्चरम्बील को जगह दी है।

अधिकांश विधायकों को रखा बरकरार

कांग्रेस पार्टी ने अंबलपुझा, तलिपरम्बु, पय्यनूर और ओट्टपालम में उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, जहां सीपीएम के विद्रोही नेता जी सुधाकरन, टी के गोविंदन, वी कुन्हीकृष्णन और पीके ससी मैदान में हैं। कांग्रेस ने त्रिपुनिथरा और पेरुंबावूर को छोड़कर अपने अधिकांश मौजूदा विधायकों को बरकरार रखा है। केरल विधानसभा के 140 सदस्यों में से पार्टी 92 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि तीन निर्वाचन क्षेत्रों में वह उन बागी नेताओं को समर्थन देगी जिन्होंने सीपीएम से बगावत की है।

पूर्व भाजपा नेता को भी टिकट

कांग्रेस ने त्रिपुनिथरा में के बाबू के स्थान पर दीपक जाय को टिकट दिया गया है। कुट्टनाड से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की धमकी देने वाले साजी जोसेफ को पूंजार से टिकट दिया गया है। युवा कांग्रेस नेता अबिन वर्गी अरनमुला से भाजपा के कुम्मनम राजशेखरन के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। वहीं नेमम से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव चन्द्रशेखर के सामने पार्टी ने अपने युवा चेहरे और अरुविकरा से पूर्व एमएलए केएस सबरीनाथन को मैदान में उतारा है। कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व भाजपा नेता संदीप वारियर को भी कासरगोड के त्रिकारिपुर से टिकट दिया गया है।

केरल : भाजपा ने 11 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की

भाजपा ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए 11 उम्मीदवारों की अपनी तीसरी सूची शनिवार को जारी की। पार्टी ने तिरुवनंतपुरम से करमना जयन को उम्मीदवार बनाया है। सूची के अनुसार, पुथुपल्ली से रवीन्द्रनाथ वकत्थानम को, चवरा से के आर राजेश को, चद्यामंगलम से आर एस अरुण राज को और पीरुमाडे सीट से वी रतीश चुनाव मैदान में उतरेंगे। विवेक गोपन को अरुविक्करा सीट, टी एन सुरेश को कोवलम और एस राजशेखरन नायर को नेय्याट्टिनकारा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने मावेलिक्करा सीट से अजिमोन, चिरायिनकीझु से बी एस अनूप और अदूर सीट से पंडालम प्रतापन को उम्मीदवार बनाया है।

तमिलनाडु

चुनाव से पहले साथ आए शशिकला और रामदास सभी सीटों पर साथ लड़ने की तैयारी, फार्मूला तय

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले हलचल तेज हो गई है। एक नई राजनीतिक साझेदारी की चर्चा जोर पकड़ रही है, जिसने राज्य की सियासत को और दिलचस्प बना दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की करीबी सहयोगी वीके शशिकला ने हाल ही में अपनी नई पार्टी ऑल इंडिया पुराची थलाइवर मक्कल मुनेत्र कषगम बनाई है। शशिकला ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अन्य समान विचारधारा वाले दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। वीके शशिकला की नई पार्टी और पीएमके संस्थापक एस रामदास की मुलाकात ने नए गठबंधन के संकेत दिए हैं। दोनों नेता साथ मिलकर 234 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। इस संभावित गठबंधन से राज्य की सियासत में हलचल बढ़ गई है और माना जा रहा है कि यह आने वाले चुनाव में बड़ा असर डाल सकता है।

पिता और बेटे के साथ राजनीतिक मतभेद

इस बीच, रामदास के बेटे अनबुमणि रामदास ने अलग राजनीतिक रास्ता अपनाते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होकर अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम के साथ समझौता किया है। इस वजह से पिता और बेटे के बीच राजनीतिक मतभेद की भी चर्चा हो रही है। हालांकि तमिलनाडु में मुख्य मुकाबला फिलहाल द्रविड़ मुनेत्र कषगम के नेतृत्व वाले गठबंधन और एनडीए के बीच माना जा रहा है एनडीए में एआईएडीएमके के साथ भारतीय जनता पार्टी और पीएमके जैसे दल शामिल हैं।

टीएमसी ने जारी की पहली लिस्ट

असम

असम। विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल भी काफी तेज हो गई है। बता दें कि असम में टीएमसी का सीधा मुकाबला भाजपा और कांग्रेस से होगा। इस बीच अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए 17 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। इस लिस्ट में कुल 17 केंडिडेट्स के नाम हैं।

टीएमसी के इन प्रत्याशियों के नाम का ऐलान

टीएमसी की ओर से जारी प्रत्याशियों की लिस्ट में बाओखुंगरी से दांगी नार्जरी, बिलासीपारा से मोमिनूर इस्लाम, जलेश्वर से आरिफ अख्तर अहमद, अभयपुरी से कौशिक रंजन दास, बजली से कल्याणी कलिता, चमरिया से दालू अहमद, बोको चायगांव से भोगलाल राभा, पालास्बरी से बिकास नाथ योगी, बरखेत्री से अमिरुल इस्लाम, गोरेश्वर से रंजन चौहान, मंगलादाई से हरे कृष्णा डेका, धेमाजी से नरेंद्र कुमार पॉ, दिग्बोई से जितेन नाग, माकुम से दिलीप मोरन, उधारबोंद से तापस दास, काटीगोरा से फजलूर रहमान लश्कर और सोनाई सीट से शाहजहां लश्कर का नाम है।

गोगोई बोले- असम कांग्रेस 100 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी

असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई कहते हैं, असम में छह विपक्षी पार्टियों का गठबंधन है - कांग्रेस, असम जातीय परिषद, रायजोर दल, सीपीआई (एम), सीपीआई (एमएल) और ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस। असम कांग्रेस 100 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। हमें उम्मीद है कि भाजपा विरोधी वोट नहीं बंटेंगे और हम हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली सरकार को हटा देंगे।

असम में कांग्रेस ने रायजोर दल के लिए 11 सीटें छोड़ीं

असम में कांग्रेस ने अपने गठबंधन सहयोगी राइजर दल के लिए 11 सीटें छोड़ी हैं। कांग्रेस ने अपने गठबंधन का विस्तार किया है और असम विधानसभा चुनावों के लिए राइजर दल के साथ हाथ मिलाया है। असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई और राइजर दल के नेता अखिल गोगोई ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की। कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में असम जातीय परिषद, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) और ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस भी शामिल हैं।

पुडुचेरी

एनडीए में सीट शेयरिंग का तय हुआ फार्मूला, 10 सीटों पर लड़ेगी भाजपा

पुडुचेरी। केंद्र शासित प्रदेश पुडिचेरी की 30 सीट के लिए एनडीए में सीट शेयरिंग का काम पूरा हो गया है। पुडुचेरी में एनडीए का नेतृत्व करने वाली एआईएनआरसी कांग्रेस 16 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि भारतीय जनता पार्टी 10 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। एआईएडीएमके को 2 सीट और लक्ष्य जननायगा कक्षी को 2 सीट दी गई हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में प्रमुख दल ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस और भाजपा हैं। साथ ही एआईएडीएमके और लक्ष्य जननायगा कक्षी एक साथ मिलकर एनडीए के तहत चुनाव लड़ रही हैं।

एआईएनआरसी के नेता एन. रंगासामी मुख्यमंत्री हैं। एनडीए का मुख्य आधार एआईएनआरसी कांग्रेस है। जो कि गठबंधन का सबसे बड़ा दल है।

पुडुचेरी में हैं 30 विधानसभा सीट

केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की विधानसभा में कुल 30 निर्वाचित सीटें हैं। इनमें से 5 सीटें अनुसूचित जाति (SC) के लिए आरक्षित हैं। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा 3 सदस्य नामांकित किए जाते हैं, जिससे विधानसभा की कुल ताकत 33 हो जाती है। विधानसभा में बहुमत के लिए कम से कम 16-17 सीटों की जरूरत पड़ती है।

पश्चिम बंगाल

ममता बोलीं- मोदी खुद ही सबसे बड़े घुसपैठिया, आपका मतदान अधिकार नहीं छीनने देंगे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार सुबह ईद के मौके पर एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण की आलोचना की। मुख्यमंत्री ने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि इस पूरी प्रक्रिया के पीछे असली दिमाग उन्हीं का है। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, मैं भाजपा या प्रधानमंत्री को कभी भी आपके मतदान के अधिकार छीनने नहीं दूंगी। वे अक्सर कुछ लोगों को घुसपैठिया बताते हैं। खुद वह सबसे बड़े घुसपैठिया हैं। सऊदी अरब की यात्रा के दौरान हाथ मिलाते समय या दुबई की यात्रा के दौरान गले मिलते समय वे हिंदू-मुस्लिम मुद्दों को क्यों भूल जाते हैं? लेकिन जब भी वह देश लौटते हैं, तो मतदाता सूची से कुछ लोगों के नाम हटाने के बारे में सोचते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में संशोधन प्रक्रिया के दौरान कई नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इस बुराई के खिलाफ मेरी लड़ाई जारी है। नामों को अंधाधुंध हटाने के इस मामले को लेकर मैंने सुप्रीम कोर्ट तक का रुख किया है। मतदाता सूची से नामों को अंधाधुंध हटाने के खिलाफ मेरी लड़ाई जारी रहेगी।

'प. बंगाल का हिंदू पीड़ित' सुवेंदु अधिकारी ने लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंदू पीड़ित हैं। यहां हिंदू समाज और साधु-संतों के ऊपर हमले होते हैं। उन्होंने सरकार और पुलिस पर दूसरे पक्ष के लोगों को संरक्षण देने के भी आरोप लगाए। सुवेंदु अधिकारी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हम हिंदू हैं और सनातन धर्म के अनुयायी हैं। जो लोग हिंदुओं के हितों के लिए काम करेंगे, वही भविष्य में बंगाल पर राज करेंगे। यहां हिंदुओं की हालत अच्छी नहीं है। उन पर अत्याचार हो रहा है। हिंदू समाज की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन वह ऐसा नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, /"बंगाल का हिंदू पीड़ित है। बंगाल की मुख्यमंत्री एक हिंदू होने के नाते भी दूसरे धर्मों के लोगों को संरक्षण देने का काम कर रही हैं। वे तुष्टिकरण की राजनीति करती हैं।

विपक्ष में बैठने की तैयारी करें ममता बनर्जी : महतो

पुरुलिया। पश्चिम बंगाल से भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने टीएमसी के घोषणा पत्र पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को अब सत्ता की नहीं, विपक्ष में बैठने की तैयारी करनी चाहिए। सांसद महतो ने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणा पत्र नहीं बना सकतीं। लेकिन, पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार में सब कुछ संभव है, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को समझना चाहिए कि चुनाव परिणाम के बाद उन्हें विपक्षी खेमे में बैठना है। जनता 15 साल इनके धोखे में रही है, अब जनता टीएमसी सरकार को आगे बर्दाश्त नहीं कर सकती है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव हम लोग जीतने वाले हैं और प्रदेश में अगली सरकार भाजपा बनाने वाली है। भाजपा की सरकार बनाने के लिए बंगाल की जनता आशीर्वाद देने के लिए भी तैयार है। इस बार जनता धोखा खाने वाली नहीं है। जनता ने तय कर लिया है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी को खत्म कर देना है।

फरसे वाले बाबा की मौत पर हंगामा, सेना ने संभाला मोर्चा

मथुरा में हुआ जमकर बवाल

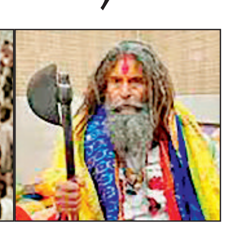

एजेंसी ▶▶| मथुरा

उत्तर प्रदेश के कान्हा की नगरी मथुरा में शनिवार को उस वक्त युद्ध जैसे हालात बन गए, जब विख्यात गो-सेवक बाबा चंद्रशेखर उर्फ 'फरसा वाले बाबा' की मौत की खबर फैली।

आक्रोशित ग्रामीणों और गो-सेवकों की भीड़ ने दिल्ली-आगरा हाईवे पर कब्जा कर लिया और पुलिस पर जमकर पथराव किया। स्थिति इतनी बेकाबू हो गई कि पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े और अंततः सेना की टुकड़ी को मोर्चा संभालना पड़ा। इस मामले का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीएम ने घटना के लिए जिम्मेदार अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। उनकी मौत के बाद उनके कुछ समर्थकों और अन्य लोगों ने उनके शव को लेकर हाईवे जाम कर दिया है। एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है।

कंटेनर से कुचलने का आरोप, पुलिस ने कहा- कोहरे से घटना

आरोप लगाया जा रहा है कि गोतस्करों ने उन्हें कंटेनर से कुचल दिया है, जिसमें उनकी मौत हो गई है। इस घटना को लेकर आगरा रेंज के डीआईजी शैलेश पांडे ने बताया कि तड़के सुबह बरसाना थाना क्षेत्र के रहने वाले बाबा ने कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर मवेशियों की तस्करी के शक में एक ट्रक को रोक लिया था। उस समय घना कोहरा था और पीछे से आ रहे एक दूसरे ट्रक ने रुके हुए ट्रक में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में फरसे वाले बाबा घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई है। गुस्साए लोगों ने सड़क उतर कर दिल्ली-आगरा हाईवे को जामकर जमकर बवाल काटा है।

रील एडिक्शन

हेल्थ-लाइफ के लिए हार्मफुल

सोशल मीडिया पर रील्स की भरमार मौजूद रहती है। हर उम्र के लोग इसकी लत के शिकार हो रहे हैं। इससे उनके शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ रहा है। इससे बचने के लिए घर-बाहर अनुशासित रहते हुए कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है। आप सभी के लिए बहुत जरूरी सलाह।

{ कवर स्टोरी / रजनी अरोड़ा }

वर्तमान डिजिटल युग में वर्चुअल दुनिया की लत, नई महामारी के रूप में तेजी से उभर रही है। जिसके विभिन्न प्लेटफॉर्मों के मोहपाश में अमूमन हम सभी बंधे हुए हैं। जेन-जी कहलाने वाली युवा पीढ़ी तो रियल वर्ल्ड के बजाय आर्टिफिशियल रील वर्ल्ड में घूम रही है। सोशल मीडिया पर वायरल होने, ख्याति पाने, फॉलोअर्स बढ़ने और पैसा कमाने की मंशा से रोज कंटेंट क्रिएट करने या फन रील्स बनाने की रैट रेस में शामिल हैं। इसके चलते न सिर्फ अभद्र आचरण, बल्कि अमर्यादित भाषा-डांस का भी सहारा लेते हैं। यही नहीं कई बार खुद अपनी और दूसरों की जान भी खतरे में डालने से गुरेज नहीं करते हैं। इसी वजह से आए दिन सोशल मीडिया को लेकर कई दुखद खबरें सुर्खियों में रहती हैं। ऐसे में डिजिटल एडिक्शन से बचने के लिए प्रभावी कदम उठाने जरूरी हैं।

बर्बाद होता है कीमती समय गौर करें तो अधिकांश सोशल मीडिया रील्स में कोई तर्क, तथ्य नहीं होता है। स्वस्थ और मर्यादित मनोरंजन भी नहीं होता। लेकिन इनकी लत ऐसी है कि लाखों-करोड़ों लोगों का कीमती वक्त रील्स देखने में गुजर जाता है। असल में टेक्नीक बेस्ड सोशल मीडिया कंपनियों का एल्गोरिदम, व्यूअर्स को खुद से जोड़े रखने के लिए पसंद के मुताबिक रील्स एक के बाद एक दिखाता रहता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में इंस्टाग्राम के लगभग 240 करोड़ यूजर्स हैं, जिनमें से तकरीबन 50 करोड़ भारत में हैं। जो रोजाना तकरीबन 1 करोड़ 76 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं और 350 करोड़ रील्स दूसरों से शेयर करते हैं। टिकटॉक पर तो यह आंकड़ा 10 गुना ज्यादा है यानी रोजाना 19 करोड़ 78 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं। वहीं मेटा के हिसाब से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर रोज तकरीबन 20 हजार करोड़ रील्स देखी जाती हैं।

क्या होता है असर: बहुत ज्यादा रील्स देखने से हमारे ब्रेन में डोपामाइन का विस्फोट होता है। यह एक न्यूरोट्रांसमीटर है, जो हमारी हैप्पीनेस के लिए जिम्मेदार है और यह रिवार्ड सिस्टम की तरह काम करता है। लाइक्स, ज्यादा से ज्यादा व्यूअर, फॉलोअर और सब्सक्राइबर मिलने से डोपामाइन बढ़ जाता है। यह और ज्यादा रील्स देखने के लिए मजबूर करता है। वहीं आपकी पोस्ट पर अगर ज्यादा लाइक्स या अच्छे कमेंट्स नहीं मिलते, तो हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं, खुद को दूसरे से कमतर समझने लगते हैं और नेगेटिविटी का शिकार हो जाते हैं।

रिश्तों से बढ़ रही दूरी: रील बनाने के जुनून ने युवाओं की सोच और जीवनशैली पर गहरा असर डाला है। रील्स न बनाने वाले को आजकल पुराने जमाने या जेन एक्स की सोच वाला माना जाता है। ऐसे लोग वास्तविक जीवन में सार्थक बातचीत और अनुभवों को साझा करने के बजाय सोशल मीडिया में लगे रहते हैं। जिसके चलते वे अपने रिश्ते-नातों, अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ रहे हैं। सामाजिक अलगाव, तनावपूर्ण रिश्ते और वास्तविक दुनिया में सामाजिक मेलजोल में कमी आ रही है।

बढ़ रही हैं शारीरिक समस्याएं: खेलने या फिजिकल एक्टिविटी करने के बजाय घर की चारदीवारी में मोबाइल या टैब पर घंटों बैठे रहते हैं। आउटडोर गेम्स खेलने से दूर होते जा रहे हैं। गतिहीन जीवनशैली की वजह से मोटापा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो रही हैं। आंखों में तकलीफ होती है, ड्राई आई विजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गलत पोश्चर में काम करने से गर्दन और पीठ में दर्द की शिकायत रहती है। स्क्रीन से निकलने वाली ब्ल्यू रेज से नींद में खलल पड़ सकता है, नींद की क्वालिटी प्रभावित होती है।

ऐसे छूटेगी रील एडिक्शन: सोशल मीडिया की लत, उसके नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए एक सुरक्षित और अधिक सकारात्मक ऑनलाइन वातावरण को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

स्क्रीन टाइम सीमित रखें: जानें कि आप अपने डिवाइस का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं और इससे आप क्या हासिल करना चाहते हैं? मैच्योर माइंड से दिन में टाइम लिमिट निर्धारित करें। दृढ़ संकल्प लें कि सोशल मीडिया का उपयोग कम से कम करना है। दिनचर्या नियत करें, जिसमें सोशल मीडिया के लिए नियत समय या एकाध घंटा निर्धारित करें। खुद के लिए समय निकालें। सभी फैमिली मेंबर्स खुद से कमिट करें कि उन्हें कुछ मिनट या अधिकतम आधे घंटे स्क्रीन देखना है।

डिजिटल लिट्रेसी है जरूरी: पैरेंट्स के लिए डिजिटल दुनिया की उपयोगिता, डिजिटल-स्पेस, इंटरनेट की अच्छाइयों, बुराइयों को जानना जरूरी है। ध्यान रखना चाहिए कि बच्चे किसी गेमिंग या गेंबलिंग एप का हिस्सा न बन रहे हों। बच्चों में रियल लाइफ के रिश्तों और रील लाइफ की आभासी दुनिया और सही-गलत में अंतर करने की समझ विकसित करनी चाहिए। डिजिटल गैजेट्स टाइम पास या गेम खेलने के बनिस्पत बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोग में लाना सिखाना चाहिए।

इसके अलावा पैरेंट्स की जिम्मेदारी बच्चों को सिर्फ अच्छी सुख-सुविधाएं देना ही नहीं हैं, अनुशासन, कानून का सम्मान और जिम्मेदारी सिखाना भी है। बच्चों को यह समझाना भी है कि सोशल मीडिया पर हिट होने के लिए अपनी या किसी दूसरे की जिंदगी को खतरे में न डालें।

स्कूलों में हो डिजिटल एजुकेशन: फिजिकल एजुकेशन की तरह डिजिटल एजुकेशन भी कंपल्सरी होनी चाहिए। बच्चों को सोशल मीडिया की लत के नुकसान हैं, इनको देखने में खराब होते टाइम के बारे में समझाया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में डिजिटल सिटिजनशिप प्रोग्राम की शुरुआत करनी चाहिए। जिसमें छात्रों को ऑनलाइन सुरक्षा, नैतिकता और सकारात्मक डिजिटल फुटप्रिंट बनाए रखने के महत्व के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। बच्चों को जिम्मेदार सोशल मीडिया के उपयोग और ऑनलाइन शिष्टाचार पर मार्गदर्शन के साथ-साथ अनुचित सामग्री साझा करने के परिणामों के बारे में जानकारी देनी चाहिए।

माइंडफुल प्रैक्टिस है जरूरी: उन ट्रिगर्स से अवगत रहें, जो रील के अत्यधिक उपयोग का कारण बनते हैं। डिजिटल गैजेट्स का समझदारी से उपयोग करें। ताकि प्रोडक्टिव रहें और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखें।

करें सेल्फ कंट्रोल एक्सरसाइज: अपना फोन अपने से 15 फीट दूर चार्ज करें और संभव हो तो आप जिस रूम में हों, वहां चार्ज न करें। यह डिस्टेंस आपको फोन से अलग काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। फोन में फालतू के एप्स खासकर सोशल मीडिया का नोटिफिकेशन बंद कर दें। घर में कुछ जगह नियत करें जहां फोन का इस्तेमाल नहीं करना है जैसे खाना खाते समय, काम के समय या पढ़ते समय।

दूसरी एक्टिविटीज में हों शामिल: पैरेंट्स को बच्चों का रोल मॉडल बनना चाहिए। सोशल मीडिया पर निर्भरता कम करने के लिए ऑफलाइन शौक विकसित करने चाहिए और फिजिकली एक्टिव रहना चाहिए। खासकर बच्चे को फिजिकल एक्टिविटीज करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्पोर्ट्स से वो हार-जीत की भावना तो सीखता ही है, शारीरिक, मानसिक तौर पर फिट रहता है।

नींद को महत्व दें: सोने का समय निर्धारित करें और सोने से करीब एक घंटा पहले स्क्रीन से दूर रहें। ब्ल्यू लाइट फिल्टर का इस्तेमाल करें। खासकर रात को स्क्रीन पर ब्ल्यू लाइट फिल्टर लगाएं। ताकि नींद न आने की समस्या से बचाव हो सके।

लें मदद: लत पर काबू पाने के लिए मार्गदर्शन और मदद के लिए दोस्तों, परिवार या मनोचिकित्सक से संपर्क करें। *

(फोर्टिस एस्कॉर्ट हार्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली में साइकोलॉजिस्ट डॉ. भावना बर्मी से बातचीत पर आधारित)

मनोरोगों के हो रहे शिकार

आज के दौर में युवाओं के मन में दूसरों से पीछे न रह जाएं, आउटडेटेड न दिखें, टेकसेवी न कहे जाने की मानसिकता के चलते सोशल मीडिया पर फोटो या रील्स डालने का पियर प्रेशर रहता है। इसकी वजह से कई तरह की समस्याएं आती हैं। ध्यान में कमी, रील्स देखने से ध्यान और एकाग्रता में कमी होना, जरूरी काम या रचनात्मक गतिविधियों में ध्यान न लगा पाना, काल्पनिकता में जीना, दूसरों से तुलना करना और खुद को कमतर मानना, आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याएं देखी जा रही हैं। हॉर्वर्ड मेडिकल स्कूल की रिसर्च के मुताबिक सोशल मीडिया पर रील्स देखने या बनाने की लत को वैज्ञानिक मास साइकोजेनिक इलनेस कहा जा रहा है। रील्स उन्हें मनोरोगी बनाने का कारण रही है। किसी से अपने मन की बात शेयर नहीं कर पाते हैं, जिसकी वजह से उनमें स्ट्रेस, एंजाइटी, आक्रोश, गुस्सा बहुत बढ़ रहा है। नाकाम होने पर कई बार अपने को संभाल नहीं पाते और डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं।

इस बात में संदेह नहीं कि एआई तकनीक में कई तरह कमाल की क्षमताएं मौजूद हैं। जहां कुछ लोग इसका मिसयूज कर रहे हैं। वहीं बहुत से लोग इसे पॉजिटिव तरीके से यूज करके नाम कमा रहे हैं, अपने जीवन को नई दिशा दे रहे हैं। जरूरत है एआई के संयमित और सही तरीके से उपयोग करने की।

एआई का पॉजिटिव यूज कर सकता है कमाल

{ टेक्नोलाइफ / डॉ. मोनिका शर्मा }

आमतौर पर एआई के गलत इस्तेमाल के समाचार आते हैं। इसकी गलत सलाहों की भी खूब चर्चा होती है। हम सदा से सुनते आए हैं कि किसी भी वस्तु या सेवा की अच्छाई या उसके उपयोग के परिणाम इस बात से तय होते हैं कि उसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है? उसके उपयोग की मंशा क्या है? इस मोर्चे पर एआई के सही इस्तेमाल को लेकर एक टेक प्रोफेशनल हसन ने प्रेरणादायी उदाहरण सामने रखा है। हसन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की अपनी पोस्ट में बताया कि उन्होंने सिर्फ तीन महीनों में 27 किलो वजन कम कर लिया। ध्यान देने वाली बात है कि अपनी इस फिटनेस यात्रा में हसन ने चैट जीपीटी के सात प्रॉम्प्ट्स को यूज किया। जिम, सप्लीमेंट्स, पर्सनल ट्रेनर और बिना किसी महंगे फिटनेस एप के एआई की सहायता से एक सधा हुआ प्लान तैयार कर इस फिटनेस गोल को उन्होंने हासिल किया।

सकारात्मक हो इरादा: असल में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल का इरादा पॉजिटिविटी लिए हो तो परिणाम भी सकारात्मक मिलते हैं। इस मोर्चे पर यूजर्स का अनुशासन और आत्म नियमन तकनीक के मिली सुविधाओं का सार्थक इस्तेमाल करने के लिए आवश्यक है। चैट जीपीटी जैसे टूल्स मोटिवेट भी कर सकते हैं और मनोबल भी तोड़ सकते हैं। सब कुछ इस बात पर निर्भर है कि टेक्निकल सहूलियत का उपयोग कितने सधेपन से हो रहा है? कैसी जानकारियां मांगी जा रही हैं? किन विषयों पर सलाह ली जा रही है?

प्रश्न सही तो उत्तर सही: जैसा प्रश्न वैसा ही जवाब। यह बात वर्चुअल या असल सलाहों के मामले में अकसर लागू होती है। तकनीकी टूल्स के मामले में सबसे अहम यही है कि आप उनसे क्या पूछ रहे हैं? टेक प्रोफेशनल के मामले में यह बात गहराई से समझने योग्य है। सबसे पहले उन्होंने अपना वजन, उम्र, हाइट और टार्गेट डालकर चैट जीपीटी से अपने शरीर का एनालिसिस करवाया। साथ ही 12 हफ्तों का ऐसा फिटनेस और डाइट प्लान मांगा, जिसमें जिम जाने की जरूरत न पड़े। अपने रुटीन को ध्यान रखते हुए बहुत व्यावहारिक लक्ष्य रखे। खाने के लिए हाई प्रोटीन, फिक्स कैलोरी वाला साप्ताहिक प्लान का चार्ट बनाकर उसे फॉलो किया।

इस पहल पर एआई ने उन्हें डेली स्नैक्स की लिस्ट दी। इतना ही ओवरईटिंग रोकने के लिए खुद से बात करने वाले छोटे-छोटे मैसेज भी बनाए। कुल मिलाकर देखा जाए तो एआई ने जिम, महंगे खाने और भारी-भरकम रुटीन के बजाय एक ऐसी जीवनशैली का प्रारूप दिया, जिसके हिसाब से चलना मुश्किल न हो। आम जिंदगी में भी देखने में आता है कि वजन कम करना हो या कोई दूसरा लक्ष्य पाना, मुश्किल रुटीन को शुरू करने वाले लोग उसे बहुत दिन तक फॉलो नहीं कर पाते। यह वाकया बताता है कि पहले खुद अपनी एक चेकलिस्ट बनाकर तकनीकी टूल्स से मदद लेना बेहतर है। इससे मिलने वाली सही और टिकाऊ योजना न केवल लंबी चलती है बल्कि सफल भी होती है।

यूजर्स का अनुशासन अहम: एआई के इस्तेमाल में यूजर्स का अनुशासन सबसे अहम है। इन दिनों 'रेस्पोंसिबल एआई' शब्द भी चर्चा में है। इस शब्द का अर्थ उन नैतिक सिद्धांतों और शासन के नियमों से जुड़ा है, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई टेक्नोलॉजीज का विकास और उपयोग इस तरह से किया जाए, जिससे समाज को लाभ हो। इनके इस्तेमाल से नुकसान कम हो। समझना कठिन नहीं यूजर्स का अनुशासन ही उपयोग को सार्थक बना सकता है। इन दिनों जब एआई के कुछ टूल्स का गलत इस्तेमाल कुछ लोग करते हैं। वहीं बहुत से लोग तकनीक के माध्यम से अपने पुरखों की तस्वीरों को नया रूप भी दे रहे हैं। अपने आइडियाज सुंदर सकारात्मक संदेश देने वाले वीडियो में ढाल रहे हैं। एआई के उपकरण दिव्यांगों की सहायता करते हैं। सिरी और एलेक्सा जैसे वर्चुअल असिस्टेंट रोजमर्रा के कई कामों को आसान बनाते हैं। कनाडा के युवा उद्यमी तुआन ले का उदाहरण भी इस मामले में एक मिसाल ही है। बिना किसी कॉलेज डिग्री या प्रोफेशनल कोर्स यूट्यूब से स्किल सीखने की जिद ने तुआन को एक कामयाब उद्यमी बना दिया। वीडियो एडिटिंग से करियर की शुरुआत करने वाले इस युवा ने यह स्किल पूरी तरह यूट्यूब से सीखी। फिर छोटे कारोबारियों के लिए बहुत कम फीस लेकर वीडियो बनाए।

कोविड काल में काम पर असर भी पड़ा पर फिर क्लाइंट बढ़ते गए। तुआन ने धीरे-धीरे अपने काम को 12 करोड़ रुपए के बिजनेस में बदल दिया। हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी 'स्किल द नेशन एआई चैलेंज' कार्यक्रम में कहा कि 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्वभर की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को नया आकार दे रही है। यह हमारे सीखने, काम करने, आधुनिक सेवाओं तक पहुंचने और मानवता की सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना करने के तरीकों को बदल रही है।'

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत जैसे युवा राष्ट्र के लिए एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि सकारात्मक बदलाव का बहुत बड़ा अवसर है। *

{ कविता / विक्रम सिंह }

आंखों की रोशनी

बस इतनी सी हसरत थी
कि बेटा पढ़-लिख जाए,
अपनी तनख्वाह से
घर का राशन ले आए।
दफ्तर जाने को
एक छोटा सा स्कूटर हो,
और बच्चों की फीस
समय पर भर पाए।
ख्वाब बस इतना था
कि शहर में उसका एक घर हो,
जिसके एक कोने में
बूढ़े बाप का छोटा सा कमरा हो।
मगर अब उसके पास
बड़ा फ्लैट, बड़ी गाड़ी है,
घर में खाना नहीं पकता
सब कुछ ऑर्डर पर आता है
पर उस आलीशान घर में
मेरा कमरा कहीं खो जाता है,
गाड़ियों के तेल के लिए पैसे हैं
पर मेरी दवा अकसर छूट जाती है
मेरी आंखों की रोशनी
धीरे-धीरे बुझ रही है,
बेटे की तरक्की
अंधेरे में उलझ रही है।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविता में विचार

हाल में हेमंत देवलेकर का तीसरा कविता संग्रह 'प्रूफ रीडर' छपकर आया है। संग्रह में संकलित अधिकांश छोटी-छोटी कविताओं में हेमंत गहन विचारों के बीज रोपते दिखते हैं। दुनिया भर में इंसानी जीवन के समक्ष मौजूद संकटों पर दृष्टि डालते हुए कवि कहीं विचलित दिखते हैं तो कहीं छोटा-सा कोई भरोसा उनके भीतर उम्मीद की लौ भी प्रज्वलित कर देता है। 'एक नदी जिंदा चुन दी गई है/उसी का सन्नाटा है दीवार पर।' (रेत की हवस)। 'दुनिया कोरस में विलापती है/अब किसी का भरोसा नहीं रहा।' (भरोसा) जैसी पंक्तियां और 'लोरी', 'नई भूख' जैसी अनेक कविताएं हर संवेदनशील व्यक्ति को उद्वेलित करने में सक्षम हैं। *

पुस्तक: प्रूफ रीडर, **लेखक:** हेमंत देवलेकर, **मूल्य:** 250 रुपए
प्रकाशक: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

सम्मान

हाल में ही साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की लोकप्रिय कथाकार ममता कालिया की संस्मरणात्मक पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने की घोषणा की है। ममता जी के अब तक के रचनात्मक लेखन और इस पुस्तक की विशिष्टताओं को रेखांकित कर रहे हैं **पल्लव।**

ममता कालिया को जीते जी इलाहाबाद के लिए मिलेगा साहित्य अकादेमी सम्मान

साहित्य प्रेमियों को जिस खबर का पिछले कई वर्षों से इंतजार था, वह आ गई। साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की प्रसिद्ध कथाकार ममता कालिया को यह पुरस्कार देने की घोषणा की है। उनकी संस्मरण पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को अकादेमी का यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। हालांकि इससे पूर्व उनके उपन्यास 'दुक्खम सुक्खम', लंबी कहानी 'दौड़', शहरनामे की किताब 'कितने शहरों में कितनी बार' और 'बोलने वाली औरत' कहानी संग्रह को भी साहित्य जगत में काफी प्रतिष्ठा मिल चुकी है।

ममता जी के लेखन का सिलसिला 1963 से प्रारंभ हुआ था और तब से उनका साहित्य सृजन निरंतर जारी है। उनके लेखन की मुख्य विशेषता यह है कि वे भारतीय मध्यवर्ग के सामान्य जनजीवन को अत्यंत कुशलता से अपने लेखन में चित्रित करती हैं। वे किसी विचारधारा या वाद से आक्रांत होकर नहीं लिखतीं बल्कि खांटी जीवनानुभवों को प्रगतिशील दृष्टि से लेखन में जगह देती हैं। आश्चर्य नहीं कि उनकी दो पुस्तकों के शीर्षक 'थोड़ा-सा प्रगतिशील' और 'खांटी घरेलू औरत' उनके लेखन की प्रतिज्ञाओं को भी दर्शाते हैं। पेशे से उच्च शिक्षा में अंग्रेजी की शिक्षक रहीं ममता जी को दिल्ली, मुंबई और इलाहाबाद में काम करने के अनुभव हैं। वे वर्धा के महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की अंग्रेजी पत्रिका 'हिंदी' की संपादक रहीं और कोलकाता की भारतीय भाषा परिषद की अध्यक्ष भी रहीं। विपुल मात्रा में लेखन करने वालीं ममता जी के गद्य को सदैव रोचकता, हार्दिकता और तरलता के लिए भी प्रशंसा मिली।

उनकी जिस कृति को अकादेमी ने पुरस्कार के लिए चुना है, वह संस्मरण की किताब है। ममता जी इससे पहले 'कितने शहरों में कितनी बार', 'अंदाज-ए-बयां उर्फ रवि कथा', 'कल परसों के बरसों', 'सफर में हमसफर' जैसी किताबें भी लिख चुकी हैं, जो कथेतर विधाओं की ही कृतियां हैं। कथेतर यानी कथा जैसी वे गद्य विधाएं, जो कथा तो नहीं हैं लेकिन कथा जैसा आस्वाद देती हैं। इनमें से 'कितने शहरों में कितनी बार' को विशेष रूप से आलोचनात्मक सराहना मिली, जो पहले 'तद्भव' पत्रिका में

धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुई और जिसने एक तरह से नई विधा का सूत्रपात किया। यह विधा है- शहरनामा। ऐसा नहीं है कि इसमें वे स्मृतियों की पुनर्रचना नहीं कर रही थीं बल्कि कोई चाहे तो इसे भी संस्मरण की ही कृति मान सकता है लेकिन यहां ममता जी का जोर उस शहर के चरित्र को ध्यान में रखकर अपने अनुभव लिखने पर रहा। 'जीते जी इलाहाबाद' इस रचना श्रृंखला की उच्चतम परिणति है, जहां इलाहाबाद (प्रयागराज) जैसे सांस्कृतिक शहर के चरित्र को लिखते हुए इसके भीतर वे अपने और अपने प्रियजनों के व्यक्तित्व की तलाश भी करती हैं। हिंदी में इस तरह की कृतियां बहुत अधिक नहीं मिलतीं और नई शताब्दी में साहित्य की विधाओं में आ रहे बदलावों तथा अंर्तक्रियाओं का भी श्रेष्ठ उदाहरण ममता जी का कथेतर लेखन बन गया है। पाठकों में कथेतर के आकर्षण का मुख्य कारण है जीवन यथार्थ की अंतरंग प्रस्तुति और उसमें कथा जैसी सूत्रबद्धता या पठनीयता। हिंदी गद्य के इतिहास में संस्मरण, रेखाचित्र और जीवनियां पुरानी विधाएं हैं लेकिन नई शताब्दी में इनका चोला पूरी तरह बदला हुआ नजर आता है। अब यहां अश्रु विगलित श्रद्धांजलियां नहीं होतीं और न पुरखों का अतिरिक्त महिमामंडन।

पिछली शताब्दी के अंतिम दशक में जिन कृतियों के साथ कथेतर साहित्य के नए दौर का आगमन हुआ, उनमें रवींद्र कालिया की संस्मरण पुस्तक 'गालिब छुटी शराब,' काशीनाथ सिंह की 'याद हो कि न याद हो', दूधनाथ सिंह की 'लौट आ, ओ धार' तथा कांतिकुमार जैन की 'लौट कर आना नहीं होगा' अग्रगण्य हैं। ध्यान देना चाहिए कि संस्मरणों के साथ हिंदी साहित्य में आत्म उद्घाटन का नया दौर भी शुरू हुआ, जो आगे यात्रा आख्यानों, आत्मकथाओं, डायरियों, रेखाचित्रों, शहरनामों और जीवनियों के साथ बढ़ता गया। ममता कालिया के संस्मरण, शहरनामे और रेखाचित्र कथेतर विधाओं की शक्ति और संभावनाओं को दर्शाते हैं। उनके रेखाचित्रों की किताब 'कल परसों के बरसों' में इलाहाबाद के अनेक साहित्यकारों के व्यक्ति चित्र आए हैं।

ममता जी का जन्म 2 नवंबर 1940 को वृंदावन में हुआ। उनके पिता विद्याभूषण अग्रवाल आकाशवाणी में थे और उनके चाचा भारतभूषण अग्रवाल जाने माने कवि-लेखक। उनकी प्रारंभिक और उच्च शिक्षा दिल्ली, मुंबई, पुणे, नागपुर और इंदौर जैसे अलग-अलग शहरों में हुई। उन्हें अनेक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें व्यास सम्मान, साहित्य भूषण सम्मान, यशपाल स्मृति सम्मान, महादेवी स्मृति पुरस्कार, राममनोहर लोहिया सम्मान, कमलेश्वर स्मृति सम्मान, सावित्री बाई फुले स्मृति सम्मान, लमही सम्मान आदि प्रमुख हैं। उन्होंने हिंदी के यशस्वी कथाकार और संपादक रवींद्र कालिया से विवाह किया, जो पूरी तरह मसिजीवी थे। संघर्षों से भरा ममता जी और रवींद्र जी का जीवन इन दोनों के कथेतर साहित्य का आधार भी है। साहित्य अकादेमी का यह पुरस्कार उनके लेखन के महत्त्व की प्रतिष्ठा ही नहीं है अपितु नई शताब्दी में आ रहे बदलावों के मध्य कथेतर विधाओं के महत्व की भी उद्घोषणा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि ममता जी की किताब के बहाने कथेतर विधाओं पर नए ढंग से चर्चा शुरू होगी और जीवन यथार्थ के उद्घाटन के लिए इनके सामर्थ्य को देखा-सराहा जाएगा। *

(लेखक दिल्ली के प्रसिद्ध हिंदू कॉलेज में सह आचार्य हैं)

सूने मकान में धावा कैश-सिलेंडर किए पार

रायपुर। टिकरापारा थाने में पेशे से एक मजदूर ने अज्ञात चोरों के खिलाफ सूने मकान का ताला तोड़कर नकदी, जेवर, गैस सिलेंडर सहित 10 हजार रुपए के सामान चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। भैरव नगर निवासी नंदकुमार सेन ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। भैरव ने पुलिस को बताया कि वह 12 दिन पूर्व 8 मार्च को अपनी पत्नी के साथ रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने टाटीबंध गया था। 14 मार्च की रात करीब 9 बजे जब वे वापस घर लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। चोर घर के अंदर प्रवेश कर कैश, जेवर, सिलेंडर चोरी कर ले गए थे।

स्कूलों में अब मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन केंद्र, उपलब्ध कराने होंगे जैव अपघटनीय सैनिटरी पैड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने अपने सभी संबद्ध स्कूलों को छात्राओं के मासिक धर्म स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अहम निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का उद्देश्य स्कूलों में सुरक्षित, स्वच्छ और जागरूक माहौल तैयार करना है, ताकि लड़कियां बिना झिझक अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। बोर्ड ने स्कूलों में मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन (एमएचएम) केंद्र स्थापित करने, जैव अपघटनीय सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराने और स्वच्छता से जुड़ी सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया है। यह पहल छात्राओं के स्वास्थ्य, गरिमा और आत्मविश्वास को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। सीबीएसई ने स्कूलों से कहा है कि वो छात्राओं के लिए मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन (एमएचएम) केंद्र स्थापित करें। इन केंद्रों के जरिए लड़कियों को जरूरी जानकारी, सहायता और स्वच्छता से जुड़ी सुविधाएं मिल सकेंगी। इसका मकसद है कि छात्राएं इस विषय पर खुलकर बात कर सकें और किसी तरह की असुविधा का सामना न करें। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि स्कूलों में जैव अपघटनीय सैनिटरी नैपकिन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, इस्तेमाल किए गए नैपकिन के सुरक्षित निपटान की व्यवस्था भी होनी चाहिए, ताकि स्वच्छता बनी रहे और पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे।

बगैर झिझक लड़कियां जारी रख सकें पढ़ाई, इसलिए प्रयोग

स्वास्थ्य और जागरूकता

निर्देशों में यह भी कहा गया है कि स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग, सुरक्षित और साफ शौचालय और स्नान सुविधाएं उपलब्ध हों। इससे छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो और वे सहज महसूस करें। सीबीएसई ने स्कूलों को निर्देश दिया है कि वो छात्राओं के लिए मासिक धर्म स्वास्थ्य और यौन शिक्षा से जुड़े ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित करें। इसके साथ ही लैंगिक संवेदनशीलता पर भी चर्चा करने को कहा गया है, ताकि स्कूलों में एक सहयोगी और सम्मानजनक माहौल तैयार हो सके। यह सभी निर्देश सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जारी किए गए हैं। कोर्ट ने स्कूलों में मासिक धर्म स्वच्छता और छात्राओं की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश तय किए थे, जिनका पालन करना अब जरूरी है।

निरीक्षण की व्यवस्था

बोर्ड ने यह भी कहा है कि जिला शिक्षा अधिकारी समय-समय पर स्कूलों का निरीक्षण करेंगे। स्कूलों को इन निरीक्षणों में सहयोग करना होगा, ताकि सभी दिशानिर्देशों का सही तरीके से पालन हो सके। फरवरी 2026 में सीबीएसई ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी निर्देश जारी किए थे। स्कूलों को शिक्षकों और स्टाफ के लिए साल में कम से कम दो बार प्रशिक्षण आयोजित करने को कहा गया है। इसके अलावा स्वास्थ्य गतिविधियों और प्रशिक्षण का रिकॉर्ड रखने और वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

पाकिस्तान के रास्ते पंजाब से लेकर छत्तीसगढ़ तक फैला है मादक पदार्थ तस्करी का जाल

एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स क्राइम एवं पुलिस की टीम ने पंजाब से चार हार्डकोर तस्करों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

धान के कटोरा छत्तीसगढ़ को हेरोइन, अफीम, कोकीन जैसे घातक किस्म के मादक पदार्थों का कटोरा बनाने की फिराक में पंजाब सहित अन्य राज्य के ड्रग माफिया सुनियोजित तरीके से साजिश कर रहे हैं। इसी कड़ी में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, क्राइम ब्रांच तथा पुलिस की टीम ने पंजाब के चार हार्डकोर तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिन ड्रग तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, उनके खिलाफ रायपुर के अलग-अलग थानों में एनडीपीएस के प्रकरण दर्ज हैं। एक तस्कर के कब्जे से पुलिस ने इटालियन मेड सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल के साथ एक जिंदा कारतूस जब्त किया है। कमिश्नरेट पुलिस ने पंजाब, तरन तारण निवासी कवलजीत सिंह पन्नू, पंजाब, मोगा निवासी तरसेम सिंह उर्फ साजन, विक्की सिंह और पंजाब, फिरोजपुर निवासी जनक राज को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 12 ग्राम के करीब हेरोइन जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों के चार अन्य साथियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

कंवलजीत का नेटवर्क पाकिस्तान के तस्करों से

पूर्व में गिरफ़्तार किए गए रूपिंदर उर्फ पाब्लो गैंग के सदस्यों की जांच के दौरान सामने आया कि कवलजीत सिंग पन्नू इस तस्करी श्रृंखला में 'टियर-1' अर्थात सर्वोच्च स्तर का ड्रग सप्लायर था, वह पाकिस्तान से सटे पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय तस्करी नेटवर्क से सीधे हेरोइन की खरीदी करता था। इस प्रकार वह आपूर्ति श्रृंखला की सबसे ऊपरी कड़ी के रूप में कार्य करते हुए रूपिंदर जैसे वितरकों को हेरोइन उपलब्ध कराता था, जो आगे रायपुर तथा अन्य शहरों में माल पहुंचाते थे। कंवलजीत को पंजाब पुलिस पूर्व में कई बार ड्रग तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर चुकी है।

कुरियर और ट्रक से तस्करी

पुलिस जांच में तस्करों द्वारा अलग-अलग तरीके से ड्रग तस्करी करने की जानकारी पुलिस को मिली है। पुलिस के अनुसार तरसेम सिंह और विक्की कुरियर के माध्यम से रायपुर ड्रग भेजने की व्यवस्था करते थे। कुरियर में सामान के बीच तस्कर ड्रग को इस सलीके से पैक करके रखते थे कि किसी को पार्सल में ड्रग होने का शक न हो। एक अन्य तस्कर जनक राज ट्रक चालकों के माध्यम से ड्रग सप्लाई करता था, जो वैध सामान की आड़ में हेरोइन तथा अन्य मादक पदार्थ छिपाकर लाते थे। इस तरह नेटवर्क बेहद संगठित और तकनीकी रूप से सतर्क तरीके से काम कर रहा था।

तस्करों की टॉप कड़ी तक ऐसे पहुंची पुलिस

ड्रग तस्करी के रैकेट को तोड़ने पुलिस ने कई चरणों में अभियान चलाया। पहले पुलिस ने स्थानीय तस्करों पर शिकंजा कसा। गिरफ्तार तस्करों के माध्यम से पुलिस ने सप्लायरों की जानकारी जुटाई। तकनीकी जांच से तस्करों के इंटर स्टेट कनेक्शन ट्रेस किए गए। इसके बाद पुलिस ने पंजाब पहुंचकर पंजाब पुलिस की मदद से मुख्य सप्लायरों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की।

गिरफ्तार तस्करों का देश के कई राज्यों में नेटवर्क

ड्रग तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने पंजाब के जिन चार ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है, उनका नेटवर्क देश के कई राज्यों के ड्रग तस्करों के साथ है। पुलिस ड्रग तस्करों की रिमांड हासिल कर उनसे पूछताछ करेगी। पुलिस को जो जानकारी मिली है, ड्रग तस्करों का नेटवर्क पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, दिल्ली से लेकर महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश तक फैला हुआ है। गिरफ्तार तस्कर ने महाराष्ट्र के ड्रग तस्करों के माध्यम से रायपुर में नेटवर्क खड़ा किया था।

जिला अस्पताल में मिल रही निशुल्क डायलिसिस की सुविधा

रायपुर। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के तहत निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा जिला अस्पताल पंडरी में दी जा रही है। जीवन धारा योजना के तहत एस्काग संजीवनी प्राइवेट लिमिटेड को इसकी जिम्मेदारी दी गई है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

द.पू. मध्य रेलवे का स्क्रैप ई-नीलामी कार्यक्रम

माह मार्च -2026 में होने वाले स्क्रैप ई-नीलामी का अतिरिक्त दिनांक

GSD/ Raipur	27.03.2026

उप सामग्री सामग्री प्रबंधक-I
सीपीआर/10/AM/771 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्रम सं.(1) ई-निविदा संख्याः सीपीएम-इंजी-जीएसयु-बीएसपी-17-25-26, दिनांकः 17.03.2026

कार्यः दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत ब्रजराजनगर (बीआरजेएन) स्टेशन पर 6 मीटर चौड़े एफओबी का निर्माण। निविदा मूल्य (रू): 9,41,30,907.09/-, अमानत राशि (रू) 6,20,700.00/-, कार्य पूर्णता की अवधिः 12 माह। निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः दिनांक 09.04.2026 से, निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः दिनांक 23.04.2026 के 15:30 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in. वेबसाइट पर उपलब्ध है, उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

उप मुख्य अभियंता गतिशक्ति
सीपीआर/10/770 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

निविदा सूचना के लिये शुद्धि पत्र क्रमांक-1

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा सूचना संख्याः डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-05 -26-27 और डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-06-26-27 जिसकी खुलने की तिथि 07.04.2026 में निम्न संशोधन किया जाता है।

क्र.1: निविदा संख्याः DRM-ENGG-BSP-T-05-26-27, विवरण- अमानत राशिः पूर्व में प्रकाशित किया गया है- रू. 3,90,900.00/-, अब पढ़ा जाये- रू. 9,63,500.00/-.

क्र.2: निविदा संख्याः DRM-ENGG-BSP-T-06-26-27, विवरण- अमानत राशिः पूर्व में प्रकाशित किया गया है- रू. 3,23,800.00/-, अब पढ़ा जाये- रू. 6,95,100.00/-.

अन्य सभी शर्तें पूर्ववत रहेगी। उपरोक्त निविदा सूचना में शुद्धि को एसईसीआर की वेबसाईट पर देखा जा सकता है। एस.ई.सी.आर. वेबसाइट का पता- www.secr.indianrailways.gov.in.

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/773 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

निविदा सूचना के लिये शुद्धि पत्र क्रमांक-1

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा सूचना संख्या डीआरएम-इंजि.- बीएसपी-टी-01-26-27 तथा डीआरएम-इंजि.- बीएसपी-टी-04-26-27 जिसकी खुलने की तिथी 02-04-2026 है, में निम्न संशोधन किया जाता है

क्र.1 निविदा सूचना संख्या : डीआरएम-इंजि.-बीएसपी-टी-01-26-27
विवरण :अमानत राशी : प्रकाशित किया गया है : रु. 3,14,000.00/- अब पढा जाये : रु. 6,55,900.00/-

क्र.2 निविदा सूचना संख्या : डीआरएम-इंजि.-बीएसपी-टी-04-26-27
विवरण :अमानत राशी : प्रकाशित किया गया है : रु. 5,23,100.00/- अब पढा जाये : रु. 14,92,400.00/-

अन्य शर्ते पूर्ववत रहेंगी. उपरोक्त निविदा सूचना में शुद्धी को एसईसीआर की वेबसाईट पर देखा जा सकता है. एसईसीआर वेबसाईट का पता: www.secr.indianrailways.gov.in.

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)/BSP,
सीपीआर/10/AM/774 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्रम सं. (1) ई-निविदा संख्याः सीपीएम-इंजी-जीएसयु-बीएसपी-15-25-26 दिनांक: 17.03.2026

कार्यः दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में पेंड्रा और उस्लापुर में रनिंग रूम का निर्माण/विस्तार और पेंड्रा और शहडोल में संबद्ध और विविध कार्यों के साथ संयुक्त क्रू और टीएम लॉबी का निर्माण।

निविदा मूल्य (रु) : 17,22,05,846.23/- अमानत राशि (रु) : 10,11,000.00/- कार्य पूर्णता की अवधिः 18 माह निविदा जमा करने की आरंभ तिथीः दिनांक 03-04-2026 से निविदा जमा करने की अंतिम तिथीः दिनांक 17-04-2026 के 15:30 बजे तक

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है, उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

उप मुख्य अभियंता गतिशक्ति
सीपीआर/10/AM/768 द.पू.म.रेलवे / बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

कांग्रेस ने अफीम खेती के मामले में सरकार से पूछे 6 सवाल

अफीम की खेती का खुलासा संयोग है या सरकार का नया प्रयोग? - बैज

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

दुर्ग, बलरामपुर के बाद रायगढ़ के तमनार की अफीम की खेती के खुलासे के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार से 6 सवाल किया है। पहला सवाल अफीम की खेती शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के गृह जिले दुर्ग में, कृषि मंत्री राम विचार नेताम के गृह जिले बलरामपुर तथा वित्त मंत्री ओपी चौधरी के गृह जिले रायगढ़ में होना क्या संयोग मात्र है या भाजपा सरकार का कृषि के क्षेत्र में नया प्रयोग? अफीम की खेती का खुलासा जनता ने किया है। जनता ने पुलिस से शिकायत की, पुलिस और राजस्व अमला क्या कर रहा था?

अफीम की लहलहाती खेती 15 दिन, 1 महीने में तो तैयार नहीं हुई है, धान की फसल के दौरान जब पटवारी और राजस्व अमला गिरदावरी रिपोर्ट तैयार कर रहे थे तो उन्हें कैसे पता नहीं चला कि खेतों में अफीम लगा हुआ है? अफीम की खेती के गिरदावरी में अन्य फसल तथा सब्जी कैसे लिखा गया? भाजपा ने विनायक ताम्रकार को पार्टी से क्यों नहीं निकाला? विनायक ताम्रकार को भाजपा क्यों बचाना चाहती है? उसको पुलिस ने मुख्य आरोपी क्यों नहीं बनाया? उसे एफआईआर में तीसरे क्रम पर क्यों रखा गया?

सरकार का संरक्षण

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अफीम की खुलेआम खेती प्रदेश के सभी क्षेत्रों में हो रही है। इसका सीधा मतलब है कि इस खेती के पीछे सरकार का संरक्षण है। जो मामले पकड़ा रहे, वह जनजागरूकता के कारण पकड़ा रहे, सरकार अफीम की खेती करने वालों को संरक्षण दे रही है।

रायपुर के युवक की हत्या कर लाश जमीन में दफनाई हाथ, पैर के बाहर निकलने पर मिली जानकारी

रायपुर/ अभनपुर। अभनपुर थाना क्षेत्र में युवक की हत्या कर लाश जमीन में गाड़ने का मामला सामने आया है। जमीन के बाहर युवक के हाथ तथा पैर बाहर निकलने पर लोगों को जमीन में लाश गड़ी होने की जानकारी मिली। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस, फोरेंसिक एक्सपर्ट के साथ डॉग स्क्वाड की टीम मौके पर जांच करने पहुंची। मृतक की शिनाख्त रायपुर, शदाणी दरबार निवासी नितेश बत्रा (25) के रूप में हुई है। मृतक थोक आनाज मंडी में आलू-प्याज की पार्किंग का काम देखता था।

पुलिस के अनुसार नितेश की लाश भरेंगा भाठा, पाटन रोड के पास एक खार में शनिवार को गाड़े जाने की जानकारी मिली। मृतक की पहचान उसके हाथ में बने टैटू के आधार पर की गई। पुलिस के अनुसार नितेश के परिजनों ने 18 मार्च को माना थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि नितेश 16 मार्च को घर में किसी को बताए बगैर गायब हो गया है। थाने में रिपोर्ट दर्ज होने के तीन बाद खार में लाश मिली। परिजनों ने किसी पर हत्या करने का अब तक संदेह व्यक्त नहीं किया है।

घटना स्थल पर पुलिस तथा फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम को किसी भी प्रकार के संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध निर्माण कार्यों हेतु निविदा सूचना

क्रम सं (1): ई-निविदा संख्याः सीपीएम-इंजी. बीएसपी-16-25-26, दिनांक 17.03.2026

कार्यः दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में बिलासपु, ब्रजराजनगर और अंबिकापुर में रनिंग रूम का निर्माण/विस्तार और ब्रजराजनगर और अंबिकापुर में संबद्ध और विविध कार्यों के संयुक्त क्रू और टीएम लॉबी का निर्माण।

निविदा मूल्यः ₹ 16,95,12,417.64/-। अमानत राशिः ₹ 9,97,600.00/-। कार्य पूर्णता की अवधिः 18 माह।

निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः दिनांक 03-04-2026 से। निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः दिनांक 17-04-2026 के 15.30 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।

उप मुख्य अभियंता/गतिशक्ति
सीपीआर/10/769 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

वेल्डिंग एवं वेल्डिंग पोर्षन का सप्लाई हेतु निविदा सूचना

कम सं (1): ई-निविदा संख्याः डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-11-26-27, दिनांक 17.03.2026

कार्यः बिलासपुर डिवीजन के सहायक मंडल अभियंता / मध्य / बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सुपरवीजन, टूल्स एंड प्लांट एवं कंजूमेबल इत्यादि सहित एल्युमिनो थर्मिट एसकेव्ही प्रोसेस (सिंगल शोट कुसिबल विथ आटोमेटिक टैपिंग थिम्बल टेक्नोलोजी) के द्वारा रेल ज्वाइन्ट्स की वेल्डिंग एवं वेल्डिंग पोर्षन का सप्लाई करने का कार्य।

निविदा मूल्यः ₹ 82,07,231.97/-। अमानत राशिः ₹ 1,64,200.00/-। कार्य पूर्णता की अवधिः 12 माह।

कम सं (2): ई-निविदा संख्याः डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-12-26-27, दिनांक 17.03.2026

कार्यः बिलासपुर डिवीजन के सहायक मंडल अभियंता/पेंड्रा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सुपरवीजन, टूल्स एंड प्लांट एवं कंजूमेबल इत्यादि सहित एल्युमिनो थर्मिट एसकेव्ही प्रासेस (सिंगल शोट कुसिबल विथ आटोमेटिक टैपिंग थिम्बल टेक्नोलोजी) के द्वारा रेल ज्वाइन्ट्स की वेल्डिंग एवं वेल्डिंग पोर्षन का सप्लाई करने का कार्य।

निविदा मूल्यः ₹ 80,81,827.77/-। अमानत राशिः ₹ 1,61,600.00/-। कार्य पूर्णता की अवधिः 12 माह।

निविदा जमा की आरंभ तिथिः दिनांक 31-03-2026 के 11.00 बजे से। निविदा जमा की अंतिम तिथिः दिनांक 14-04-2026 के 11.00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/763 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

आयकर विभाग को वित्तीय लेन-देन से संबंधित जानकारी विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होती है, जैसे कि बैंक, एसआरओ (उप-पंजीयक कार्यालय), वित्तीय संस्थान, विदेशी न्यायक्षेत्र, धर्मार्थ संगठन, व्यावसायिक प्रतिष्ठान तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियां आदि। यह जानकारी करदाताओं के साथ एआईएस, ई-वेरिफिकेशन और सक्षम नज (NUDGE) अभियानों के माध्यम से साझा की जाती है।
करदाताओं को तदनुसार सलाह दी जाती है कि वे एआईएस, ई-कैम्पेन और सक्षम नज (SAKSHAM NUDGE) से संबंधित उन संदेशों को देखें जो अप्रकाशित आय या असमर्थित कटौतियों/छूटों से जुड़े हैं, और अपने आयकर रिटर्न (ITR) की समीक्षा करें। यदि कोई आय घोषित नहीं की गई है या कोई दावा बिना उचित प्रमाण के किया गया है, तो उसे सुधारें और निर्धारित दर पर धारा 139(8A) के तहत अपना अपडेटेड ITR दाखिल करें। अपडेटेड रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा संबंधित निर्धारण वर्ष (Assessment Year) की समाप्ति से चार वर्ष तक है।

अपडेटेड रिटर्न की मुख्य विशेषताएँ:
- **उद्देश्य (Purpose):** स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देना और मुकदमेबाजी को कम करना।
- **फॉर्म (Form):** अपडेटेड रिटर्न संबंधित निर्धारण वर्ष के लिए लागू आयकर रिटर्न फॉर्म (ITR-1 से ITR-7) के साथ **फॉर्म ITR-U** का उपयोग करके दाखिल किया जाना आवश्यक है।
- **अतिरिक्त कर:** ITR-U दाखिल करने पर अतिरिक्त कर का भुगतान करना पड़ता है, जिसकी दर रिटर्न दाखिल करने के समय के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।
- **प्रतिबंध:** अपडेटेड रिटर्न हानि (Loss) का रिटर्न नहीं हो सकता, कुल कर देयता को कम नहीं कर सकता और न ही आयकर रिफंड की राशि में वृद्धि कर सकता है।

अतिरिक्त कर की दरें:
अतिरिक्त कर की राशि (जो देय कर और ब्याज की कुल राशि पर गणना की जाती है) इस बात पर निर्भर करती है कि रिटर्न कब दाखिल किया गया है।

निर्धारण वर्ष के लिए - ITR U	देय अतिरिक्त कर (यदि 31.03.2026 से पहले दाखिल किया जाए)
AY 2024-25	25% अतिरिक्त कर
AY 2023-24	50% अतिरिक्त कर
AY 2022-23	60% अतिरिक्त कर
AY 2021-22	70% अतिरिक्त कर

अधिक जानकारी के लिए तथा आयकर का भुगतान करने हेतु
www.incometax.gov.in

ITR-U ट्यूटोरियल के लिए QR कोड स्कैन करें
आयकर विभाग
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
अधिक जानकारी के लिए: www.incometax.gov.in
ITR-U से जुड़े FAQs के लिए QR कोड स्कैन करें
CBC 15401/13/0015/2526
@IncomeTaxIndia @IncomeTaxIndiaOffcial @IncomeTaxIndiaOffcial @Income Tax India @ Income Tax India Offcial

आसान नहीं निजी अस्पतालों में आयुष्मान से इलाज, दो साल में 31 को इनकार, जांच में 13 आरोप निराधार

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना के जरिए लोगों को निशुल्क इलाज देने की व्यवस्था सुगम नहीं हो पा रही है। पिछले दो साल में 31 लोगों ने निजी अस्पताल पर योजना के माध्यम से इलाज नहीं करने का आरोप लगाया है। दिलचस्प बात यह है कि विभागीय जांच में 13 मामलों को निराधार मान लिया गया है। इस अवधि में राजधानी के एक बड़े अस्पताल पर जुर्माना लगाया गया और नौ को नोटिस थमाया गया। इतना ही नहीं पिछले साल और बीते महीने में हुई 6 की जांच अब तक पूरी नहीं की जा सकी है।

आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से प्रदेश की जनता को निजी अस्पतालों में आसानी से इलाज की सुविधा देने की पटरी फिट नहीं बैठ पा रही है। सरकारी अस्पताल में सुविधा नहीं होने पर मरीज निजी अस्पताल की ओर जा रहे हैं, मगर वहां मिलने वाले कटु अनुभव से वे निराश हो रहे। विभागीय आंकड़ों के अनुसार पिछले दो साल में विभिन्न प्राइवेट अस्पतालों में इलाज कराने गए 31 लोगों ने स्वास्थ्य विभाग के अफसरों के पास शिकायत की। उनका एक ही आरोप था कि अस्पतालों द्वारा योजनातंर्गत इलाज से इनकार किया गया है। शिकायत के आधार पर जिला स्तर पर टीम बनाई गई, जांच के बाद 13 को निराधार पाया गया। वहीं राजधानी के एक सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल पर साढ़े पांच लाख से ज्यादा का जुर्माना लगाया गया था। नौ अस्पतालों में मामले की गंभीरता को देखते हुए नोटिस थमाकर उनसे जवाब मांगा गया। पिछले साल की 6 और इस वर्ष की एक शिकायतों पर जांच अब तक पूरी नहीं हो सकी है।

वर्तमान में आयुष्मान स्वास्थ्य योजना से किए जाने वाले इलाज पर केंद्रीय स्तर पर नजर रखी जा रही है। उनके द्वारा समय-समय पर संदेहास्पद क्लेम की जानकारी राज्य नोडल एजेंसी को भेजी जाती है। राज्य और जिलास्तरीय टीम मामले की जांच करने के बाद गलतियां साबित होने पर ऐसे अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई भी करती है। सूत्रों का कहना है कि हाल ही पड़ोसी राज्यों के मरीजों को यहां लाकर इलाज करने की जानकारियों के आधार पर राजधानी समेत प्रदेश के कुछ अन्य जिलों पर कार्रवाई की तैयारी है।

इधर पिछले दिनों आयुष्मान के नए पोर्टल में चिकित्सक सहित अन्य तरह की जानकारी भरने में कोताही बरतना भारी पड़ रहा है। पोर्टल में उपलब्ध जानकारी और किए जाने वाले क्लेम की भिन्नता के आधार पर इलाज के बाद किए जाने वाले क्लेम आटो रिजेक्ट हो रहे हैं। इस तरह की शिकायत भी अब विभागीय स्तर पर पहुंचने लगी है। कुछ समय पर योजना के पंजीकृत अस्पतालों से मौजूदा डाक्टरों सहित अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ऑनलाइन तरीके से मांगी गई थी। इसके लिए केंद्रीय पर कुछ नियम भी बनाया गया था।

मौसम बेईमान... राजधानी के साथ प्रदेश के कई हिस्सों में वर्षा, तापमान में बदलाव नहीं

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

गर्मी की शुरुआत के बाद बिगड़े मौसम के प्रभाव से पिछले चौबीस घंटे में राजधानी समेत प्रदेश के कई इलाकों में बारिश हुई। पानी गिरने की वजह से दिन का तापमान बहुत अधिक नहीं चढ़ पाया। शनिवार को राजनांदगांव का अधिकतम तापमान 36 डिग्री तथा रायपुर का पारा 31.8 तक पहुंचा। रविवार से मौसम में बदलाव के साथ थोड़ा सुधार होने की उम्मीद है।

सप्ताहभर पहले सामान्य से तीन से चार डिग्री अधिक हो चुका तापमान अभी चार डिग्री नीचे जा चुका है। इसकी वजह से गर्मी का प्रभाव समाप्त हो गया है। पश्चिमी विक्षोभ आने वाले नमी और अन्य मौसम तंत्रिका के असर से पिछले चौबीस घंटे में प्रदेश के कई इलाकों में बारिश हुई। शहर में सुबह-सुबह पानी गिरने से मौसम बदला और यहां दिन में तेज धूप प्रभावशील नहीं हो सकी। वहीं पिछले चौबीस घंटे में राज्य के अनेक इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई वहीं बस्तर में इसका प्रभाव काफी ज्यादा रहा। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक बस्तर के नानगुर में 5 सेमी. तक बारिश हुई। वहीं जशपुर के बगीचा में 3, मनोरा, सुकमा, तोकपाल में 2-2 सेमी. तथा अन्य इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई।

सर्वाधिक 36 डिग्री नांदगांव और रायपुर में 31.8 का पारा

राज्य के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि भी हुई जो विभागीय आंकड़ों में नहीं आ पाया। विशेषज्ञों के मुताबिक मौसम में रविवार को बड़ा बदलाव होने की उम्मीद तो नहीं है। सोमवार के बाद तापमान में वृद्धि का दौर शुरू होने की उम्मीद है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

29 दिग्गजों ने...

लेकिन वे सदन में आक्रामक रहे। वहीं सत्ता पक्ष के विधायक अजय चंद्राकर आक्रामक भी रहे और सवाल भी 56 लगाए। 23 फरवरी से 20 मार्च तक विधानसभा का बजट सत्र में कुल 15 बैठकें हुई। सत्ता पक्ष और विपक्ष के 29 सक्रिय विधायकों का हर दिन सवाल विधानसभा के प्रश्नकाल में आया। इनमें पुराने विधायक ज्यादा है वहीं नए विधायकों ने अपने क्षेत्र के मामलों को विधानसभा में उठाने में सफल रहे। देखा जाए तो सदन के वरिष्ठ विधायक सवाल लगाने में रूचि नहीं दिखा रहे हैं। विधायकों का कहना है कि जरूरी मामलों को विधानसभा में उठाने की रणनीति के चलते अधिक सवाल नहीं लगा पाए। वहीं कुछ विपक्ष के विधायक अपने क्षेत्र की समस्याओं को हर तरीके से सरकार के सामने लाने में सफल रहे।

यह हैं सबसे...

इंद्र साव, ,मोतीलाल साहू,अंबिका मरकाम,अजय चंद्राकर,ओंकार साहू,कुंवर सिंह निषाद,भावना बोहरा,यशोदा निलाबंर वर्मा,हर्षिता स्वामी बघेल,दलेश्वर साहू,भोलाराम साहू,इंद्रसाव मंडावी,सावित्री मनोज मंडावी,लखेश्वर बघेल

भूपेश आक्रामक अधिक...

धरमजीत सिंह ने 52 सवाल लगाए। राजधानी रायपुर के विधायकों में पुरंदर मिश्रा ने 39 तथा राजेश मूणत और सुनील सोनी ने 41-41 सवाल लगाए।

अधिकतम 56 ही...

के दौरान 56 सवाल लगा सकते थे। जारी आंकड़ों को देखा जाए तो 29 ऐसे विधायक हैं जिनके 4 सवाल हर दिन लगे। कई सवालों पर चर्चा के दौरान विभागीय मंत्रियों ने जवाब भी दिया। 56 सवाल लगाने वाले विधायकों में विपक्ष के 21 और सत्ता पक्ष के 8 विधायक शामिल हैं।

लोग मानते हैं...

प्रश्न- अपने कहा मैं उनसे सीखता हूं, लेकिन जो सफलता आपको मिली है, वो वह भी जानना चाहते हैं कैसे मिली।

उत्तर- देखिए पद से कोई बड़ा नहीं होता यह मेरा मानना है। मुझे यह एक अवसर अच्छा काम करने का दिया गया है। इन्हीं से मुझे यह अवसर मिला, जिसमें क्षेत्र और प्रदेश के विकास के लिए उसमें हम पीछे नहीं हटेंगे।

प्रश्न - दो साल पहले आप लोगों को अवसर क्यों मिला।

उत्तर - देखिए डॉ. रमन सिंहजी ने पिछले 15 सालों तक छत्तीसगढ़ का नेतृत्व किया, उनके नेतृत्व में प्रदेश में अमूल चूल परिवर्तन हुआ, जिससे प्रदेश की दिशा और दशा बदली। पिछले 5 सालों में हम स्वीकार करते हैं हममें कुछ कमियां रह गई। कही कुछ गलतियां रही होंगी, जिसके कारण जनता ने हमें ठुकरा कर कांग्रेस को अवसर दिया था। 5 साल में जनता ने देख लिया कांग्रेस ने क्या किया। फिर से जनता को लगा बीजेपी का कार्यकाल अच्छा था तो फिर से जनता ने हमें मौका दिया।

प्रश्न - कांग्रेस ने क्या किया जो जनता को गलत लग गया।

उत्तर - मैं कोई राजनीतिक व्यक्ति नहीं हूं, मैं सकारात्मक सोच रखता हूं। जितना सोचता हूं, उस हिसाब से ऐसे कुछ कार्य कांग्रेस ने किए, जिसकी वजह से जनता ने उनको सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। कांग्रेस ने पीएससी की परीक्षाओं में आमजन गरीबों का हक मारा, जिसकी वजह आज सब जेल में है। मां, बाप, अपना पेट कटकर अपने बच्चों को पीएससी की तैयारी करवाते हैं, लेकिन इनके अधिकारी और नेता अपने बेटे बहु, दामाद का चयन करवाया गया। जो पात्र थे उनका चयन नहीं हो पाए और आज सब जेल में है। स्वामी आत्मानंद स्कूल की बात कर रहे थे कि हमारी सरकार ने बंद करवा दिया, हमारी सरकार ने आत्मानंद स्कूल को पीएम श्री आत्मानंद स्कूल में बदल दिया। दो-दो करोड़ रुपए उन स्कूल को दिया गया। शराब घोटाले में छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहले मंत्री है, जो इतने दिनों जेल में रहे। इन्होंने बोरे बांसी जैसी योजना में सात करोड़ खर्च कर दिया। डीएमएफ के घोटाले में इनका डिप्टी सेक्रटरी अभी भी जेल में है और कई तरह के इन्होंने भ्रष्टाचार किये। गांव में विकास कार्य बंद है कि बात हो रही थी कि जबकि विष्णुदेव साय की सरकार में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। सारी योजनाओं का पैसा आ रहा है। गांव में कहीं भी विकास कार्य बंद नहीं हुए है, प्रदेशभर में विकास हो रहा है। इन्होंने कमीशन के आधार नल जल योजना का काम बांटा, कहीं पानी टंकी बनी, तो कहीं पाइप लाइन नहीं थी। हमारी सरकार आने के बाद अरूण सावजी को विभाग मिला और काफी तेजी से कार्य हुआ। आदिवासी की जमीन हड़पने की बात आयी थी, जबकि अमरजीत भगत ने पहाड़ी जाति के लोगों की जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराकर हड़प लिया। हमारी सरकार आने के बाद हमने कहीं भी आदिवासीयों की जमीन को बेचने की अनुमति नहीं दी है।

प्रश्न- दो साल पहले बलौदाबाजार जिले में ऐसा क्या हुआ की प्रदेश में बीजेपी आयी, लेकिन जिले में आपको छोड़कर बाकी सीटों में कांग्रेस आयी।

उत्तर- राजनीति में बहुत सारे समीकरण होते हैं, जीत और हार के बीच भी कहीं न कहीं कुछ समीकरण बनता है। जनता भाजपा के नीति और रीति को देखा तभी प्रदेश में हमारी सरकार बनी। शिवरतन शर्मा हमारे कद्दावर नेता है, आज विधायक नहीं है, फिर भी जनता की चिंता करते हैं।

प्रश्न- शैलेश नितिन त्रिवेदी के विषय में क्या मानना है आपका ?

उत्तर- शैलेश नितिन त्रिवेदी बहुत अच्छे आदमी हैं, जब मैं जिला पंचायत उपाध्यक्ष था, तो वह पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष थे। हम दोनों तिल्दा में एक साथ कार्यक्रम में शामिल होते थे। विधानसभा में टिकट मिलने के बाद अलग-अलग हो गए, उनका कार्यक्रम अलग होने लगा, मेरा कार्यक्रम अलग होता है। वे काफी अनुभवी और कद्दावर नेता है। मैं तो कार्यकर्ता हूं।

प्रश्न - अभी जो जिम्मेदारी मिली है, कैसे निभा रहे हैं?

उत्तर- बहुत बढ़िया काम चल रहा है, चाहे हम विभाग की बता करें या क्षेत्र में विकास की बात करें। माननीय विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हम कार्य कर रहे हैं। राजस्व विभाग की बात करें, तो राजस्व विभाग के प्रति लोगों का थोड़ा नकारात्मक भाव रहता है। लोंगो की मानसिकता है, कि यह राजस्व विभाग है, यहां बहुत भ्रष्टाचार होता है, पटवारी को पैसे दिए बिना काम नहीं होता, उसमें हम कुछ नया बदलाव कर रहे हैं। कई संशोधन भी लाये हैं। इसके माध्यम से हमारा प्रयास है कि हम किसानों को भू मालिकों को सहुलियत दें, ताकि उन्हें तहसील व एसडीएम कार्यालय के चक्कर लगाना न पड़े, उसके परिणाम भी दिख रहा है।

प्रश्न - किसानों को रजिस्ट्री में बहुत पैसा लग रहा है?

उत्तर- भुईंया एप पहले से शुरू था, इसमें हमने जियो रिफ्रेनसिंग कराया है। आटो डायवर्सन, आटो नामांतरण और बडे-बड़े सुधार किए हैं। भूमाफियों को इसका फायदा नहीं मिल रहा है। दो दिन पहले विधानसभा में एक संशोधन पारित हुआ है, जब तहसीलदार से कोई केस खारिज हो जाता है, तो प्रथम अपील एसडीएम के पास करते थे और द्वितीय अपील के लिए कमिश्नर के पास जाना पड़ता था। कमिश्नर के पास जाना हर आदमी के लिए संभव नहीं हो पाता था, धन और समय दोनों लगता था। इसे संशोधन किया, जिससे अब दूसरी अपील कलेक्टर आफिस में कर सकते हैं। इस तरह से कोशिश कर रहे हैं कि राजस्व विभाग में क्या नया कर सकते हैं, प्रक्रिया में सरलीकरण किया जा रहा है, जिससे किसानों और भू-मालिकों को सुविधा मिल सकें।

मछली पकड़ने पहुंचे,...

के किसी प्लांट में नौकरी करने की बात भी कहते हैं। कुल मिलाकर मार्शल सांगा के बारे में भी बहुत ज्यादा गांव वालों को जानकारी नहीं है। वह आमाघाट साल- छह महीने में आता था। इस बीच जब उसकी पत्नी को पैसे की जरुरत पड़ती थी तो वह भेज दिया करता था। शादी को करीब 15 साल हो गया है, उसकी पत्नी अभी महीने भर पहले ही मां बनी है। पत्नी की डिलीवरी के लिए ही वह यहां आया था। उसके दो रिश्तेदार वहां रहते थे। शुक्रवार को गांव में अफीम खेती की सुगबुगाहट हुई तो दोनों चुपके से घर से निकल गए। किसी को इसका पता ही नहीं चला। बाद में पुलिस ने तलाशी ली तो तकिए के नीचे आधार कार्ड और साढ़े चार हजार रुपए मिला। साथ ही प्रोसेस किए गए अफीम वजन 3.02 किलो मिला। इतने अफीम की कीमत करीब 15 लाख बताई जा रही है।

सोशल मीडिया ने खोला राज-
जहां अफीम की फसल लगाई थे वहीं पर कचकोबा के कुछ लोग गोढ़ी नाले में मछली पकड़ने गए थे। वहां कलर फूल देखे तो बरबस ही उनकी नजरें वहां तक चली गई। इसके बाद उसकी फोटो खींचे और सोशल मीडिया में डाल दिया । दूसरी ओर अभी प्रदेश में अफीम की खेती की चर्चा गांव-गांव में होने लगी है। उत्सुकता वश ही लड़कों ने इसे इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया में पोस्ट कर दिया। इसमें गांव का नाम भी था, ऐसे में यह पुलिस तक पहुंची और गांव वालों ने भी सूचना दी। इसके बाद तो हड़कंप मच गया।

15 साल तक राजस्व विभाग ने नहीं किया अपडेट-
राजस्व विभाग किस कदर लापरवाही से काम करता है इसकी बानगी आमाघाट अफीम कांड के बाद देखने को मिली है। यहां जिन लोगों की खेत में अफीम की खेती की गई है वह केलो परियोजना (लाखा डूबान) में आता है। इस जमीन का मुआवता 15 साल पहले ही मिल चुका है। इसके कारण लोग न तो वहां जाते थे और न ही खेती करते थे। याने वह बंजर जमीन के समान ही खाली पड़ी थी। बरसात में वहां पानी भरा रहता है। राजस्व विभाग ने पांच खसरों को 15 साल से अपडेट नहीं किया है। वहां किसानों के नाम पर खेत है और उड़द, धान की खेती दिखा रहा है।

सूरजमुखी लगाने के नाम पर लिया जमीन-
मार्शल के ससुर मालिकराम ने बताया कि दोनों यहां काम करने के लिए आए थे। दिवाली के बाद आए थे और काम की तलाश कर रहे थे। इसी बीच उन्होंने उसे बताया कि सूरजमुखी की खेती करेंगे। तब गांव के इंद्रपाल गुप्ता, मेहत्तर राठिया समेत अन्य किसानों का जमीन लेकर वहां कुछ- कुछ लगाए थे। उनको तो आज पता चला कि वहां अफीम की खेती कर रहे थे। झारखंड से ही अफीम की बीज लेकर आए थे। उसे खेत को नाला पार करके जाना पड़ता था। इसके कारण भी लोग नहीं जाते थे।

अब बड़ा सवाल-
लोकल नेटवर्क के बिना इतनी हिम्मत कोई नहीं करता। जमीन लेना और बाहर से बीज लाकर बोआई करना, इतना आसान नहीं है। सवाल यह है कि इसमें लोकल स्तर पर उनका साथ कौन दे रहा था और उनको फायनेंस कौन कर रहा था। कारण उनकी वास्तविक पोजीशन बहुत अच्छी नहीं थी। ऐसे में लोकल नेटवर्क और लोकल फायनेंस के दम पर ही इतनी हिम्मत से जोखिम भरी अफीम की खेती की जा रही थी।

अब ड्रोन से प्रशासन ढूंढ रहा अफीम-
आमाघाट में अफीम की फसल मिलने के बाद कलेक्टर ने पूरे जिले में ड्रोन से सर्वे करने का निर्देश दिया है। इसमें एसडीएम, तहसीलदार, आरआई, पटवारी और कृषि विभाग के अधिकारियों को लगा दिया गया है। अब सभी अधिकारी खेत-खार में ड्रोन लेकर घूम रहे हैं। हर ब्लॉक में ड्रोन से सर्वे किया जा रहा है। अभी राजस्व और कृषि दोनों विभाग को इसका सर्वे करने के लिए तैनाती कर दी गई है। हालांकि बीते 12 मार्च से ही इसका सर्वे कराया जा रहा था। इसी बीच यह मामला सामने आ गया। 19 मार्च तक इसकी रिपोर्ट देना था।

रात में ही चला खेत पर जेसीबी और रोटावेटर-
शुक्रवार को अफीम की खेती का मामला आने के बाद वहां पुलिस ने पहरेदारी बैठा दिया था। इसके बाद रात को खेत में रोटावेटर चलाकर समतल कर दिया गया था। ट्रैक्टर चला कर उसकी जड़ तक उखाड़ दिया गया है। अब वहां केवल मैदान ही नजर आएगा, एक भी पेड़-पौधा नहीं दिखेगा।

0 दो करोड़ की अफीम, 0 गिरफ्तार आरोपी मार्शल सांगा, 0 फरार आरोपी - इमानवेल भेंगरा, सीप्रियन भेंगरा, 0 अफीम के पौधे नग में – 60326 , 0 वजन -2877 किलो (करीब तीन टन),
0 कीमत- 1 करोड़ 90, तैयार अफीम वजन – 3.02 केजी, 0 कीमत – 15 लाख 10 हजार ,
0 कुल कीमत - 2 करोड़ 5 लाख 10 हजार,

रायपुर ही नहीं,...

में छह मशीनें हैं जिनमें से तीन खराब हैं। यही हाल बिलासपुर, भिलाई और जगदलपुर का है। हालांकि अधिकतर निगम, पालिकाओं में मैन्युअल सफाई बंद करा दी गई है। रामकृष्ण अस्पताल की दुर्घटना के बाद हर जगह पाबंदी लगा दी गई है। सभी जगह मशीनों से ही सेप्टिक टैंक की सफाई की जा रही है। **दुर्ग-भिलाई निगम में सीवर सक्शन मशीनें लेकिन फायर बिग्रेड वाहन नहीं-** दुर्ग/भिलाई। दुर्ग, भिलाई, रिसाली और भिलाई तीन चरोदा निगम में सेप्टिंग टैंकों की सफाई के लिए सीवर सक्शन मशीनें हैं। भिलाई निगम में 7 सीवर सक्शन मशीनें हैं। दुर्ग निगम के पास तीन सीवर सक्शन मशीनें हैं। रिसाली निगम और भिलाई तीन चरोदा निगम के पास 2-2 सीवर सक्शन मशीनें हैं। निगम की सार्वजनिक शौचालयों के सेप्टिंक टैंक की सफाई निगम अपने उपलब्ध सीवर सक्शन मशीनों से करवाती है। **बीएसपी पर निर्भर** -भिलाई, दुर्ग ,रिसाली और भिलाई तीन चरोदा निगम के पास अग्निशमन वाहन नहीं है। बीएसपी और रिसाली निगम क्षेत्र में जब भी आगजनी की घटनाएं होती है वे बीएसपी से अग्निशमन वाहन बुलवाते हैं। दुर्ग निगम और भिलाई तीन चरोदा निगम क्षेत्र में आगजनी की स्थिति में नगर सेना के अग्निशमन वाहन पर निर्भरता है। भिलाई दुर्ग सहित आसपास के ग्राम्यांचल में भी बड़े अग्नि हादसे होने पर बीएसपी की दमकल गाड़ियों का सहयोग जिला व निकाय प्रशासन लेता रहता है। संयंत्र के अत्याधुनिक दमकल बेड़े में 40 से अधिक अग्नि शमन वाहन और अन्य केमिकल से आग बुझाने वाली आधुनिक मशीनें हैं।

जगदलपुर में दो मशीनें, आबादी के लिहाज से कम - जगदलपुर नगर निगम की आबादी करीब दो लाख है। वहां केवल दो मशीनें हैं। बताया जाता है कि रोजाना करीब दस से पंद्रह सीवर की सफाई होती है। कई बार मशीनें कम पड़ती है। हालांकि अब व्यक्तियों द्वारा सफाई बंद कर दी गई है। सफाई मशीनों के माध्यम से ही होती है।

राजनांदगांव में 3...

हालंकि वर्तमान समय में नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग तीन सीवर सकर मशीन को शहर के लिए पर्याप्त बता रहा है। फायर टैंकर की आवश्यकता- राजनांदगांव शहर में अग्निशमन का कार्य नगर सेना संभाल रही है। नगर सेना को नगर निगम से वर्ष 2009 मॉडल का एक फायर ब्रिगेड मिला था जो अब लगभग कंडम हो गया है। वहीं वर्तमान में नगर सेना के पास तीन फायर ब्रिगेड और एक मिनी फायर ब्रिगेड उपलब्ध है, जो भीषण आगजनी की स्थिति में पर्याप्त नहीं है।

600 करोड़ का...

भी उतार दिया जाता है। राहत की बात यह रही है कि अभी तक कोई बड़ी दुर्घटना सामने नहीं आई है। निगम का दावा है कि सैप्टिक टैंक की सफाई भी मशीन से होती है। **सेप्टिक टैंक सफाई के लिए तीन मशीन- रायगढ़ में तीन मशीनें, एक दस साल पुरानी -** रायगढ़। नगर निगम रायगढ़ में सेप्टिक टैंक सफाई के लिए तीन मशीन है। इसमें से दो मशीनें पांच साल और एक मशीन 10 साल पुरानी है। दोनों मशीनें 2020 में 15वें वित्त की राशि से खरीदी गई थी। इसमें से दो वाहन ठीक है, एक बार बार खराब होती है। अधिकारियों का दावा है कि नगर निगम क्षेत्र में कहीं भी मेन पावर से सेप्टिक टैंक की सफाई नहीं कराई जाती है।

महाजंग की आग...

था। यह ईरान का सबसे बड़ा न्यूक्लियर सेंटर है, यहां यूरेनियम इनरिचमेंट किया जाता है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, इस ताजा हमले की तीव्रता इतनी अधिक थी कि इसकी गूंज दूर-दराज के इलाकों तक सुनी गई। सरकार ने इस सैन्य कार्रवाई को अमेरिका-इजरायल के उस निरंतर अभियान का हिस्सा बताया है, जिसका मकसद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकना है। **बार-बार निशाने पर नतांज, पर हर बार बचा पर्यावरण-** दरअसल, नतांज परमाणु केंद्र दुश्मनों के लिए हमेशा से टारगेट रहा है। साल 2025 से अब तक इस साइट को कई बार निशाना बनाया जा चुका है। हर बार यहां के ढांचे और मशीनों को नुकसान पहुंचता है, लेकिन गनीमत यह रही है कि अब तक पर्यावरण को कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा है। आपको बता दें कि पिछले साल जून में इजरायल और ईरान के बीच जो 12 दिनों का भीषण युद्ध चला था, उसमें भी नतांज ही मुख्य टारगेट था।

अफसर ने मंत्री...

दी। मरने से पहले उन्होंने 12 सेकेंड का वीडियो जारी करके अपनी मानसिक परेशानी और मौत के लिए कुछ लोगों को जिम्मेदार ठहराया था, जिसमें सीधे तौर पर मंत्री भुल्लर का नाम शामिल था। इस वीडियो के सामने आते ही राज्य में सियासी बवाल मच गया है। मामले के तूल पकड़ने पर सीएम भगवंत मान ने मंत्री भुल्लर से इस्तीफा ले लिया है। मामले की जांच चीफ सेक्रेटरी केएपी सिन्हा को सौंप दी गई है। वहीं, मंत्री भुल्लर ने कहा कि आरोप झूठे हैं। जांच प्रभावित न हो, इसलिए मैंने पद छोड़ा है।

सीएम साय ने...

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में नक्सलवाद उन्मूलन के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र अब तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। कार्यक्रम में राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता गीता फोगाट ने भी खिलाड़ियों को संबोधित किया। पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने बताया कि सरगुजा ओलंपिक में 6 जिलों से कुल 3.49 लाख प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है। इस अवसर पर कृषि मंत्री राम विचार नेताम, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक प्रबोध मिंज, विधायक रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, महापौर मंजूषा भगत प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

नवरात्रि में ही...

के नौ दिनों में ही दर्शन के लिए बाहर निकाले जाते हैं। यह अनोखी परंपरा करीब दो शताब्दियों से भी ज्यादा समय से सतत चली आ रही है, जो इसे जिले के अन्य मंदिरों से अलग पहचान दिलाती है। मंदिर में विराजित मंदर माई, मढ़िया देव और लंगूर देव के विग्रह की चैत्र नवरात्र की शुभ तिथि पर ज्योत प्रज्वलित कर विधिवत पूजा-अर्चना प्रारंभ होती है, जो लगातार नौ दिनों तक चलती है। इसी दौरान झांपी में विराजमान देव विग्रहों को बाहर निकालकर श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु स्थापित किया जाता है। अष्टमी के हवन के पश्चात पुनः विधिपूर्वक विग्रहों को झांपी में स्थापित कर दिया जाता है। **विसर्जन शोभायात्रा बनती है आकर्षण का केंद्र-** प्रत्येक वर्ष भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाती है, जिसमें पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज के बीच श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल होते हैं। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर 'बाना' लेकर भक्त अपनी आस्था प्रकट करते हैं। यह प्रक्रिया क्वांर नवरात्र में ज्यादा भव्य होती है। वहीं चैत्र नवरात्र में सीमित श्रद्धालुओं की उपस्थिति में शीतला तालाब में विसर्जन संपन्न कराया जाता है।

परंपरा में समाहित...

अवसर मिलता है। मंदिर के पुजारी राजकुमार ध्रुव के अनुसार यह परंपरा लगभग 200 वर्षों से चली आ रही है और वर्तमान में चौथी पीढ़ी द्वारा विधिवत सेवा की जा रही है। यहां पूजा-पाठ, जप-तप, आरती, भोग, भंडारा और विसर्जन आदि सभी अनुष्ठान आदिवासी परंपराओं के अनुरूप संपन्न होते हैं।

बड़ा एक्शन, बीजद...

वाली पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति ने विधायकों को जारी कारण बताओ नोटिसों के जवाबों की जांच के बाद यह सख्त फैसला लिया। अनुशासन समिति की सिफारिश पर अमल करते हुए बीजेडी ने स्पष्ट संदेश दिया कि सामूहिक निर्णयों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं होगा।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिलेगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं।

वृष — आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। आय में भी वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

मिथुन — आत्मसंयत रहें। आय में वृद्धि होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन होगा। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा।

सिंह — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — परिवार का साथ मिलेगा। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। भाइयों का सहयोग रहगा।

तुला — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों में अड़चनें आ सकती हैं।

वृश्चिक — धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु — वाणी में मधुरता रहेगी। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार में भी वृद्धि होगी। धनलाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश जाना हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन परेशान हो सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें।

मीन — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत रहें।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 10995/ न.पा.नि. / 2026 — रायगढ़ दिनाँक 20/3/26.

ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि. क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
1	187547	CANAL LINK ROAD FROM KEWDABADI CHOWK TO MARINE DRIVE ROAD. (3rd Call)	2255.81	02.04.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता,
न.पा.नि., रायगढ़

कार्यालय नगर पालिक निगम, बीरगांव जिला - रायपुर (छ.ग.)
Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com

क्रं./ 5482/न.पा.नि./ लो. नि. शाखा / 2025 — बीरगांव, दिनांक 20/03/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
e-Procurement Tender Notice (2nd Call)
(System Tender 187491, Bid Start Date 21.03.2026, Bid Due date. 07.04.2026, Physical Submission Last Date 10.04.2026, Open Date 13.04.2026)

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजनान्तर्गत वार्ड क्रं. 38 कुदरगढ़ी रोड सरोरा शिवम वायर से लेकर शीतला तालाब तक सड़क एवं नाली निर्माण कार्य (कुल 01 कार्य) के लिए System Tender No 187491 अनुसार लोक निर्माण विभाग में [Following work as per schedule of rates for Road works issued by Engineer-In-Chief PWD Raipur in force from 01.01.2025, Building S.O.R. in force from 01.01.2015, ELECTRICAL S.O.R 01.06.2020, and amendments applicable upto date of issue of NIT.] से प्रचलित एस. ओ. आर. में प्रतिशत दर पर (System Tender 187491 Bid Start Date 21.03.2026, Bid Due date. 07.04.2026, Physical Submission Last Date 10.04.2026, Open Date 13.04.2026) तक ई - निविदा आमंत्रित की जाती है । इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्ते, धरोहर राशि, Key Date एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड / प्राप्त कर ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है ।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला - रायपुर (छ.ग.)

शब्द पहेली - 6172

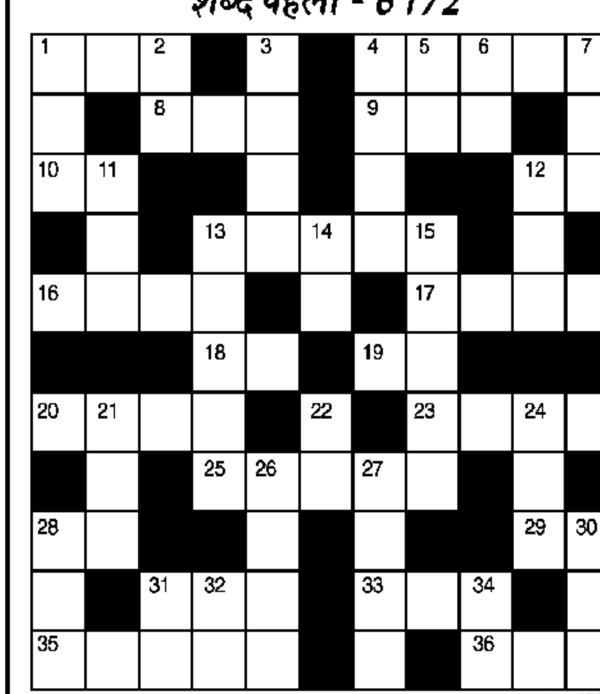

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली- 6171 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झों			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		श	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	ब		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न

सूडोकु नवताल - 6182

★★★★☆ मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6181 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

तरकश

संजय के दीक्षित

बजट 9500...खर्च 3000 करोड़

छत्तीसगढ़ का सिस्टम कितना फास्ट वर्क कर रहा है, इसका जीता-जागता नमूना है पीडब्लूडी। ढाई साल गुजर जाने के बाद भी यह विभाग जहां से चला था, वहीं पर खड़ा है। जाहिर है, किसी भी सूबे में पीडब्लूडी सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण विभाग इसलिए माना जाता है कि गरीब हो या अमीर, सड़कों से सबको वास्ता पड़ता है। अगर किसी विभाग का काम धरातल पर बिना चश्मा लगाए दिखता है तो वह पीडब्लूडी ही है। इसीलिए, इस विभाग का बजट सबसे अधिक रखा जाता है। छत्तीसगढ़ में इस विभाग को 2025-26 में सबसे अधिक 9500 करोड़ का बजट मिला था। लेकिन, इसमें से खर्च कितना हुआ? जवाब सुन आप अपना माथा पकड़ लेंगे। मात्र 3000 करोड़। जबकि, मार्च क्लोजिंग में अब सिर्फ सात रोज बच गए हैं। ये भी 3000 करोड़ खर्च तब हुआ, जब वित्त विभाग सभी विभागों को पत्र लिख बजट खर्च करने तगादा किया और मुख्य सचिव विकास शील लगातार डंडा चला रहे थे। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े बजट वाले इस विभाग की हालत ये है कि मुख्यमंत्री को पीडब्लूडी के रिव्यू में बड़ी तल्खी के साथ कहना पड़ा...पीडब्लूडी का काम कहीं दिखता नहीं तो वहां बैठे सारे लोग सकपका गए थे।

सड़क और दिग्विजय सिंह की हार

2003 के विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में दिग्विजय सिंह सरकार की करारी हार हुई, उसमें खराब सड़कों की बड़ी भूमिका रही। अजीत जोगी के दौर में छत्तीसगढ़ में इतनी अच्छी सड़कें बन गई थी कि बार्डर पर के रोडों को देख समझ में आ जाता था कि कहां से मध्यप्रदेश की सीमा चालू हो रही है। छत्तीसगढ़ में भी कमोवेश अभी वही हाल है। पीडब्लूडी के अफसरों को कायदे से उल्टा लटका देना चाहिए। इसलिए कि अपने विभागीय मंत्री और सूबे के मुखिया के इलाके की भी उन्हें परवाह नहीं। पीडब्लूडी मिनिस्टर के गृह जिले मुंगेली आपको जाना है तो नांदघाट से जाने पर भगवान राम याद आ जाएंगे। लोगों को 40 किलोमीटर का एक्स्ट्रा चक्कर लगा सरगांव के आगे से पथरिया होकर मुंगेली जाना पड़ रहा है। यही हाल अंबिकापुर से जशपुर जाते समय बतौली से चरईडांड के बीच है। कई जगह पर सड़कों के नाम पर गड्डे पाएंगे आप। कायदे से अब समय भी नहीं बच गया है। अभी टेंडर का प्रॉसेज प्रारंभ भी हुआ तो फायनल होते-होते बरसात आ जाएगा। फिर अक्टूबर के बाद चुनाव में सिर्फ डेढ़ साल बच जाएगा। तब तक सिस्टम के खिलाफ इतना नैरेटिव बन जाएगा कि मोदीजी, अमित शाह और नितिन नबीन के लिए भी मामला पेचिदा हो जाएगा।

अमित शाह का भी खौफ नहीं

बस्तर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पूरा फोकस है तो राज्य सरकार भी कोई कसर नहीं रख रही। खुद मुख्यमंत्री अभी तक बस्तर के 100 दौरे कर चुके हैं। इसके बाद भी सरकारी एजेंसी की रिपोर्ट है कि बस्तर के तीन जिलों के कलेक्टर, एसपी और डीएफओ कार्टेल बनाकर सड़कों में डंके की चोटपर कमीशन खा रहे हैं। दिल्ली का ठेकेदार परेशान है, क्योंकि, इन तीनों के अलावा एक मंत्रीजी को भी पैसा चाहिए। समझ में नहीं आता कि आईबी और इंटेलिजेंस का इतना बड़ा अमला यहां क्या कर रहा है। बहरहाल, एक कलेक्टर तो जाते ही शुरू...उनका परिवार फूड डिपार्टमेंट के खेल में फंसते-फंसते बचा है...या यों कहें कि बचाया गया है वरना कलेक्टर बिरादरी की बदनामी हो जाती। बहरहाल, सवाल यह भी कि सड़क ठेकेदार इतना पैसा बांट देगा तो फिर क्वालिटी कैसे मेंटेन करेगा? छत्तीसगढ़ का दुर्भाग्य ही कहें कि इतने सारे अफसरों के जेल जाने के बाद भी उन्हें सद्बुद्धि नहीं आ रही। वो भी तब हो रहा, जब सूबे के चीफ सिकरेट्री से लेकर पीएस टू सीएम, डीजीपी, खुफिया चीफ चारों की छबि पर कोई सवाल नहीं उठा सकता।

आईएएस अफसरों का दिल्ली कूच

छत्तीसगढ़ के साथ विडंबना है कि पिछली सरकार में भी अच्छे अफसर दिल्ली भागने लगे थे और इस सरकार में भी आईएएस अधिकारियों को दिल्ली जाने का सिलसिला रुका नहीं है। अभी तक अंबलगन पी, अलरमेल मंगई, प्रियंका शुक्ला, सौरव कुमार, फकीर भाई अय्याज तंबोली, दीपक सोनी, सर्वेश भूरे, नम्रता गांधी, ऋचा प्रकाश चौधरी, हरीश जैसे कई अफसर दिल्ली जा चुके हैं। अमित अग्रवाल, गौरव द्विवेदी, मनिंदर कौर द्विवेदी, अलेक्स पाल मेनन, संगीता पी, नीरज बंसोड़ पहले से प्रतिनियुक्ति पर हैं। 2005 बैच के मुकेश बंसल ने भी सरकार को पत्र लिख एनओसी मांगा है। मुकेश रिजल्ट देने वाले अफसर हैं, उनका फिर दिल्ली जाना सरकार के लिए झटका माना जाएगा। उधर पिछले कई साल से राज्य से बाहर रह रहीं श्रुति सिंह इस समय दिल्ली में रेजिडेंस कमिश्नर हैं, वे भी फिर से डेपुटेशन के लिए एनओसी मांग रही हैं। कांकेर कलेक्टर नीलेश क्षीरसागर ने भी आवेदन लगाया हैं।

सरकार की सख्ती

छत्तीसगढ़ में आईएएस अधिकारियों की संख्या जरूर बढ़ गई है, मगर काम वाले मुट्ठी भर ही हैं। अभी सीपीआर समेत कई विभागों में सिकेट्री बदलना है, मगर ढंग के आदमी दिख नहीं रहे। सरकार को बाहर गए अफसरों के मामले में सख्ती दिखानी चाहिए। क्योंकि, कई अफसर दिल्ली जाने के बाद लौटना नहीं चाह रहे। रमन सिंह के दौर में बीवीआर सुब्रमणियम को पीएमओ से वापिस बुलाने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह तक ने पत्र लिखा था। जबकि, उस समय विरोधी पार्टी की सरकार थी। बार-बार तगादे के बाद मनमोहन सिंह को फिर कहना पड़ा था कि क्या प्रधानमंत्री को इतना भी अधिकार नहीं कि अपने पसंद के किसी अफसर को अपने सचिवालय में रख सकें। तब जाकर सरकार शांत हुई थी। मगर 2014 में जैसे ही केंद्र में बीजेपी की सरकार आई, सुब्रमणियम को बुला लिया गया। जाहिर है, सारे अफसर दिल्ली चले जाएंगे तो फिर छत्तीसगढ़ में काम कौन करेगा। श्रुति सिंह कई साल यूपी में रहीं। फिर वहीं से सीधे छत्तीसगढ़ भवन में पोस्टिंग कराई और अब फिर से डेपुटेशन पर जाना चाह रहीं। ऐसे में, सवाल यह कि अंकित आनंद ने क्या गुनाह किया कि उन्हें रोक लिया गया।

प्रवासी सिकेट्री

छत्तीसगढ़ के कई आईएएस प्रवासी हो गए हैं। उनमें एक नाम वर्तमान सिकेट्री का भी जुड़ गया है। सरकार ने उनके साथ उदारता बरतते हुए दिल्ली में एडिशनल पोस्टिंग दे दी, ताकि उसकी आड़ में उन्हें दिल्ली में मकान मिल जाए। मगर सरकार की यह उदारता उल्टी पड़ गई। सिकेट्री साब को जब से दिल्ली में आवास मिला है, रायपुर में टिक ही नहीं पा रहे। हर तीसरे दिन पता चलता है साब दिल्ली में हैं। यहां विभाग को वॉट लगा हुआ है। छह महीना और यही हाल रहा तो लोगों में त्राहि माम मच जाएगा। क्योंकि, सवाल सेहत से जुड़ा हुआ है।

2005 बैच बदनाम!

दिसंबर 2023 में सरकार बदलने के बाद पोस्टिंग के मामले में आईएएस का 2005 बैच काफी चर्चाओं में रहा। मगर मुकेश बंसल को अगर सरकार ने प्रतिनियुक्ति के लिए हरी झंडी दे दी तो फिर सिचुएशन 180 डिग्री की दिशा में घूम जाएगा। सरकार को नया वित्त और जीएसटी सचिव की तलाश करनी होगी। वैसे भी जीएसटी में सचिव से अधिक कमिश्नर का रोल रहता है और वित्त में पूछपरख के अलावा चवन्नी नहीं मिलता। ऐसा कह सकते हैं...मुकेश जवानी के दिनों में पैसा कमाने की जगह अपने मित्र के लिए वित्त विभाग में हमाली कर रहे हैं। हालांकि, सुबोध सिंह के दिल्ली से आने के बाद अब यह नहीं कहा जा सकता कि पोस्टिंग में असंतुलन हैं। उन्होंने सबको कुछ-न-कुछ दिया है। शहला निगार जूनियर होने के बाद भी एपीसी जैसे पद संभाल रही, जो दीगर राज्यों में एसीएस या पीएस लेवल के अफसर के नीचे किसी को मिलता नहीं। बड़े विभागों की बात करें तो पीडब्लूडी कमलप्रीत सिंह देख रहे तो उर्जा रोहित यादव के पास है। हालांकि, रोहित इस समय ओवरलोडेड हैं। बिजली कंपनियों के चेयरमैन के साथ उनके पास उर्जा, जनसंपर्क और टूरिज्म भी है। रीना बाबा कंगाले फूड जैसे अहम विभाग संभाल रही हैं। अंकित आनंद पौल्यूशन बोर्ड के चेयरमैन के साथ सिकेट्री आवास पर्यावरण और एमडी स्टेट कैपिटल रीजन हैं। कहने का मतलब यह कि मुकेश अगर दिल्ली गए तो 2005 बैच में रजत के पास उद्योग, शंगीता आर के पास आबकारी और एस प्रकाश के पास ट्रांसपोर्ट बच जाएगा। इनमें उद्योग ही एक काम का विभाग है। बाकी ट्रांसपोर्ट और आबकारी में कोई डेवलपमेंट वर्क नहीं होता। सिवाय पेटी और खोखा का हिसाब कर इधर-उधर पहुंचवाने के।

मंत्रालय में बड़ी उठापटक

विधानसभा का बजट सत्र समाप्त हो गया है। इस बार सुशासन तिहार नहीं होगा। ऐसे में अगले हफ्ते प्रशासनिक हलको में बड़ी उठापटक होने के संकेत मिल रहे हैं। मंत्रालय में कई विभागों के सिकेट्री बदलेंगे। स्पेशल सिकेट्री टू सीएम डॉ0 रवि मित्तल के दिल्ली जाने के बाद एक या दो आईएएस अफसर को सीएम सचिवालय में पोस्ट किया जाएगा। जिन सचिवों के दो साल से अधिक हो गए हैं, उनके विभाग बदले जाएंगे। एसीएस मनोज पिंगुआ को गृह विभाग में साढ़े तीन साल हो गया है। सुनने में आ रहा कि वे अब डेपुटेशन पर दिल्ली न जाने पर सोच रहे हैं। अगर वे नहीं गए तो गृह विभाग में भी बदलाव होगा। सरकार चेंज होने के बाद पहली लिस्ट में जिन्हें पोस्टिंग मिली थी, उनमें निहारिका बारिक, कमलप्रीत सिंह, सिद्धार्थ परदेशी, अब्दुल कैसर हक और शम्मी आबिदी शामिल हैं। कमलप्रीत के पास पीडब्लूडी, परदेशी के पास स्कूल शिक्षा, कैसर हक के पीएचई और शम्मी आबिदी महिला और बाल विकास है। हो यह भी सकता है, प्रमुख सचिव बन गए सोनमणि बोरा को फेरबदल में कोई और अहम विभाग दिया जाए। या फिर किसी विभाग का अतिरिक्त प्रभार। पीडब्लूडी में वीरेंद्र सहवाग टाईप किसी फास्ट बैट्समैन को उतारा जा सकता है।

कलेक्टर, एसपी, डीएफओ भी

सरकार का ढाई साल यानी इंटरवल है। अभी जो अफसर पोस्ट होंगे, वे अगले विधानसभा चुनाव तक कार्य करेंगे। इसलिए सरकार इस बार ठोक बजाकर रिजल्ट देने वाले अफसरों को मैदान में उतारेगी। सबसे पहले जनसंपर्क आयुक्त बनाने की चुनौती है। चुनौती इसलिए क्योंकि सोशल मीडिया के दौर में सरकार की छबि बनाना कठिन टास्क है और फिर अभी जो सीपीआर बनेगा, जाहिर तौर पर वही अगले विधानसभा चुनाव तक रहेगा। इसके लिए आरआर में अवनीश शरण, रजत बंसल, गौरव सिंह, प्रभात मलिक का नाम चर्चा में हैं। प्रमोटी में जीतेंद्र शुक्ला और संजय अग्रवाल के नाम पर भी विचार किया जा सकता है। इसके साथ कई जिलों के कलेक्टर, एसपी, डीएफओ और जिला पंचायत सीईओ भी चेंज होंगे।

भर्ती बोर्ड में सीनियर आईएएस

कर्मचारी चयन मंडल बनने के बाद व्यापम का अस्तित्व अब समाप्त हो जाएगा। भर्ती बोर्ड के एक्ट के अनुसार व्यापम मंडल में मर्ज हो जाएगा और जो भर्तिया व्यापम में प्रक्रियागत थी, उसे अब कर्मचारी चयन मंडल करेगा। इसमें भी शीघ्र ही नियुक्तियां होंगी। मंडल का चेयरमैन प्रमुख सचिव या उसके उपर का होगा। वो वर्तमान भी हो सकता है या रिटायर्ड भी। इसके अलावे तीन मेंबर होंगे। इसमें ज्वाइंट सिकरेट्री स्केल वाले लोग नियुक्त होंगे। इसमें रिटायर अफसर से लेकर प्रोफेसर या अन्य सर्विसों से रिटायर लोग भी मेंबर बन सकते हैं।

चार बड़े बिल

विधानसभा का बजट सत्र नए कानून बनाने के मामले में बड़ा महत्वपूर्ण रहा। वैसे तो इस बार कई विधेयक पेश्ज्ञ किए गए मगर चार विधेयक छत्तीसगढ़ के लिए मिल का पत्थर साबित होंगे। पहला मुख्यमंत्री के विभाग जीएडी का कर्मचारी चयन बोर्ड और नकल प्रकरण विधेयक। व्यापम को भंग कर कर्मचारी चयन मंडल बनाना सरकार का बड़ा फैसला है। अभी लोग इसे समझ नहीं पा रहे मगर नौकरी में फास्ट भर्तियों के लिए इसे याद किया जाएगा। इसका ड्राफ्ट खुद पीएस टू सीएम सुबोध सिंह ने तैयार किया है। फार्म भरने से लेकर परीक्षा और रिजल्ट के लिए अब युवाओं को भागीरथी प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। सब कुछ बेहद फास्ट होगा। वहीं व्यापम से लेकर पीएससी तक घालमेल को लेकर शुरू से बदनाम रहा है। इसी व्यापम में पीएमटी का पर्चा लीक होने की वजह से दो बार परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी। नकल विधेयक कानून के बाद अब परीक्षाओं में गड़बड़ियों पर अंकुश लगेगा। तीसरा विधेयक रहा मंत्री ओपी चौधरी के हाउसिंग बोर्ड को पीडब्लूडी और आरईएस के समकक्ष बनाने का। सरकार ने अब पीडब्लूडी की लेटलतीफी को देखते हाउसिंग बोर्ड को विकल्प के तौर पर पेश कर दिया है। इस विधयेक को लेकर ओपी इतना गंभीर थे कि विधानसभा में पारित होने के 24 घंटे के भीतर नोटिफिकेशन जारी हो गया। और चौथा गृह मंत्री विजय शर्मा का धर्मान्तरण विधेयक। धर्मांतरण को लेकर अब कड़े कानून बनाए गए हैं। निश्चित तौर पर इस बिल के पास होने से धर्मांतरण पर कंट्रोल होगा।

बीजेपी का अनुशासन

भारतीय जनता पार्टी अनुशासन के नाम से जानी जाती है मगर छत्तीसगढ़ में उल्टा हो रहा है। विधानसभा में मंत्रियों को बार-बार आगाह किए जाने के बाद सदन में जाकर हथियार डालने का सिलसिला थमा नहीं। रमन सिंह के दौर में 15 बरस मंत्री रहे मंत्री अगर जवाब देने के लिए पन्ना पलटते रह जाएं तो फिर बीजेपी को सोचने पर मजबूर करेगा। उपर से पार्टी का विधायकों पर भी कंट्रोल नहीं रह गया है। सदन में परफर्मेंस को लेकर विधायकों की बैठक बुलाई गई, उसमें पता चला है, छह-सात विधायक गायब रहे। हो सकता है, दो-एक को कोई अपरिहार्य काम आ गया हो मगर छह-छह, सात-सात एमएलए नदारत हो जाए तो ये पार्टी के अनुशासन पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है।

डेपुटेशन में ओवरकांफिडेंस?

पीएमओ में डिप्टी सिकेट्री के लिए दो आईएएस अधिकारी रवि मित्तल और प्रभात मलिक का नाम कैसे और किसने भेजा यह तो रहस्य की बात है। इस पर से जब पर्दा उठेगा तब देखा जाएगा। मगर वहां दोनों अफसरों का प्रेजेंटेशन हुआ, उसके बाद सतर्क हो जाना था, मगर ऐसा नहीं हुआ। प्रभात मलिक को उनके लोगों ने दिल्ली में फील्डिंग कर बचा लिया मगर बेचारे रवि मित्तल का आदेश निकल गया। रवि मित्तल सीएम के जिले में कलेक्टर रह चुके हैं और उनके विश्वस्त भी थे। जनसंपर्क और सीएम सचिवापलय की पिच पर ठीकठाक जम भी गए थे। मगर आश्चर्यजनक तौर पर उन्हें यहां से पीएमओ बुला लिया गया तो सभी सन्न रह गए

एसपी हो तो ऐसा

छत्तीसगढ़ के सारे पुलिस अधीक्षक भ्रष्ट और रीढ़विहीन नहीं हैं। एक जिले के कप्तान की पोलिसिंग इतनी तगड़ी है कि खुद पुलिस वाले परेशान हैं। नेताओं को उनसे उल्टे सीधे काम की सिफारिश करने में घबराहट होती हैं। उनका एक वाकया आजकल बड़ी चर्चा में है। रुलिंग पार्टी के एक विधायक जी एसपी से उनके ऑफिस में मिलने गए। उन्होंने जिला बदर वाले क्रिमिनल की वकालत करते हुए कहा, चुनाव में वह 600 से 700 वोट दिलवाता है...उसके यहां पारिवारिक फंक्शन है...वो आएगा तो जरा देख लीजिएगा। एसपी ने उन्हें दो टूक कह दिया...वो यहां आया तो एनकाउंटर हो जाएगा। विधायक जी अब अपनी पीड़ा लोगों को बता रहे हैं। हालांकि, वो यह नहीं समझते कि शातिर क्रिमिनल को पनाह देकर 600 वोट की जगह अपना हजारों वोट खराब कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के वोटर ऐसे जनप्रतिनिधियों को कभी पसंद नहीं करते जो अपराधियों को संरक्षण देते हैं।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. वित्त मंत्री ओपी चौधरी के साथ काम करने के लिए अफसर तत्पर क्यों रहते हैं?
2. कर्मचारी भर्ती बोर्ड का प्रथम चेयरमैन किस आईएएस को बनाया जाएगा?

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय

कोलार रोड, भोपाल-462016, दूरभाष : 0755-2492095, 2492096

यूजीसी से मान्यता प्राप्त नैक A ग्रेड विश्वविद्यालय

(मध्यप्रदेश विधानसभा एक्ट 1991 द्वारा स्थापित एवं यू.जी.सी. व आर.सी.आई. से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम)

प्रवेश सूचना

बी.एड. (विशेष शिक्षा-दूरस्थ शिक्षा) ID/HI/VI/LD कार्यक्रम सत्र 2026-29

Duration - 2.5 वर्षीय (UGC एवं RCI से मान्यता प्राप्त)

अर्हता : स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि या समकक्ष परीक्षा किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। तकनीकी अथवा समतुल्य अर्हता वाले पाठ्यक्रम के लिये 55% अंकों की अनिवार्यता है। निम्नानुसार योग्यता होने पर छात्र को 10 अंक का अतिरिक्त अधिमान्य प्रदान किये जायेंगे। 1. निःशक्त संतान होने पर माता-पिता को। 2. किसी मान्यता प्राप्त संस्था से निःशक्तजन का प्रमाण पत्र होने की स्थिति में। 3. आर.सी.आई द्वारा मान्यता प्राप्त डिप्लोमा या डिग्री होने की स्थिति में।

कार्यक्रम शुल्क - सम्पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क रु. 36000/-, पंजीयन शुल्क रु. 800/- + पोर्टल शुल्क रु. 50/-

प्रवेश परीक्षा - आवंटित परीक्षा केन्द्रों पर दिनांक 06.06.2026 दिन शनिवार को CBT(Computer Based Test) आयोजित होगी।

एम.एड. (विशेष शिक्षा-दूरस्थ शिक्षा) ID/HI/VI/LD कार्यक्रम सत्र 2026-29

Duration - 2.5 वर्षीय (UGC एवं RCI से मान्यता प्राप्त)

अर्हता- (a) वह अभ्यर्थी जिसने किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित दिव्यांगता क्षेत्र (दृष्टि बाधित (VI) श्रवण बाधित (HI), बौद्धिक दिव्यांगता (ID), अधिगम अक्षमता (LD), में न्यूनतम 50% अंकों के साथ बी.एड. (विशेष शिक्षा) सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो या किसी भी संबंद्ध विश्वविद्यालय और/या UGC द्वारा मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय के तहत शिक्षण विभाग से RCI पंजीकरण के साथ B.Ed. (विशेष शिक्षा) के समकक्ष मानी जाने वाली कोई अन्य डिग्री उत्तीर्ण की हो। (अथवा)

(b) वह अभ्यर्थी जिसने बी.एड. सामान्य शिक्षा पाठ्यक्रम के साथ भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त संबंधित दिव्यांगता क्षेत्र में विशेष शिक्षा में डिप्लोमा (D.Ed.Spl.Edu.-ID/HI/VI/LD) सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो और प्रत्येक पाठ्यक्रम में न्यूनतम 50% अंकों के सफलतापूर्वक पूरा किया हो।(अथवा)

(c) विशेष शिक्षा में पी.जी.पी.डी- (ID/HI/VI/LD) डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थी (शैक्षणिक सत्र 2014-15 तक) (अथवा)

(d) बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम, बी.एड. (विशेष शिक्षा) (4 वर्ष एकीकृत पाठ्यक्रम) उत्तीर्ण छात्र।

(e) अभ्यर्थी के पास वैध व सक्रिय आर.सी.आई. पंजीकरण होना चाहिए।

कार्यक्रम शुल्क : सम्पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क रु. 55000/- एवं पंजीयन शुल्क रु. 2000/-

प्रवेश परीक्षा : आवंटित परीक्षा केन्द्रों पर दिनांक 06.06.2026 दिन शनिवार को CBT (Computer Based Test) आयोजित होगी।

दोनों कार्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन : प्रवेश परीक्षा CBT (Computer Based Test) में सम्मिलित होने के लिए आवेदन पत्र mponline portal के माध्यम से दिनांक 20 मार्च 2026 से 05 मई 2026 तक एवं विलम्ब शुल्क रु. 300/- के साथ 15 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

नोट : आरक्षण म.प्र. शासन के नियमानुसार होगा। ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र परीक्षा पूर्व एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क/पोर्टल से डाउनलोड किए जा सकेंगे। प्रवेश संबंधी विस्तृत विज्ञापन एवं जानकारी विश्वविद्यालय की बेवसाइट **http://mpbou.edu.in/** पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/124992/2026 — कुलसचिव

आवश्यकता है

हरिभूमि छत्तीसगढ़ का नंबर 1 अखबार

रायपुर शहर

सीनियर प्रसार प्रतिनिधि

05 पद

शैक्षणिक योग्यता **स्नातक**

समाचार पत्र में प्रसार विभाग में

कार्य अनुभव **2 साल**

वेतन **15000 + 5000/-**

दिनांक - 20 मार्च से 23 मार्च 2026

समय - सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक

नोट : प्रसार वृद्धि के लिये टीम तैयार करने वाले को प्राथमिकता

ऑनलाईन आवेदन भी कर सकते हैं।

cir.haribhoomi@gmail.com

हरिभूमि कार्यालय, धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर

राज्यपाल से रक्षा महाविद्यालय के अध्ययन दल ने की भेंट

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से शुक्रवार को रक्षा महाविद्यालय नई दिल्ली के अध्ययन दल ने सौजन्य भेंट की। रक्षा महाविद्यालय द्वारा नेशनल सिक्योरिटी एवं स्ट्रैटेजिक स्टडीज विषय पर अंडस्टैण्डिंग इंडिया स्टडी टूर के अंतर्गत 16 सदस्यों का दल 15 से 20 मार्च तक छत्तीसगढ़ भ्रमण पर रहा। अपनी यात्रा के अंतिम दिन इस दल ने राज्यपाल श्री डेका से मुलाकात की। अध्ययन दल में भारतीय सशस्त्र सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारी, मित्र देशों के सेनाधिकारी तथा कुछ सिविल सेवाओं के अधिकारी शामिल थे। इस दल ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न पर्यटक स्थलों, जैसे बार नवापारा अभयारण्य, ट्राइबल म्यूजियम, पुरखौती मुक्तांगन, बस्तर के विभिन्न जलप्रताप, कोंडागांव के शिल्पग्राम इत्यादि का भ्रमण किया। राज्यपाल श्री डेका ने अध्ययन दल के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ एक सुंदर प्रदेश है। आप सभी दोस्तों और परिवार के सदस्यों को अपने भ्रमण और छत्तीसगढ़ की खूबसूरती के बारे में बताएं, ताकि वे भी पर्यटक के रूप में यहां आ सकें। उन्होंने छत्तीसगढ़ की विशेषताओं के बारे में अध्ययन दल से चर्चा की। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और यहां पर धान की प्रजातियों को संरक्षित करके रखा गया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की शिल्पकला जैसे ढोकरा आर्ट, वुडन आर्ट, बैम्बू आर्ट के बारे में भी चर्चा की। इस प्रदेश में प्रतिभाशाली लोगों की भी कमी नही है, अमेरिका के ह्यूस्टन में छत्तीसगढ़ के हजारों सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके अलावा अमेरिका में बसे छत्तीसगढ़ के प्रवासी लोगों की संस्था नार्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन अमेरिका में स्वदेशी मेले का आयोजन करते हैं।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
छाती, एलर्जी एवं सांस से जुड़ी सभी बीमारियों का आधुनिक एवं विशेषज्ञ उपचार एक ही स्थान पर
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

कांग्रेस के आरोप पर मुख्यमंत्री का पलटवार, भ्रष्टाचार करने वालों को नसीहत देने का अधिकार नहीं

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

बस्तर के बाद अब सरगुजा में हो रहे खेल आयोजन (सरगुजा ओलंपिक) को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष एक बार फिर आमने-सामने हैं। छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, सरकार गारंटी दे कि बस्तर जैसा घोटाला सरगुजा ओलंपिक में नहीं होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस पर पलटवार करते हुए कहा, जिन्होंने पांच साल तक छत्तीसगढ़ को लूटा, वो हमें हमें नसीहत दें, यह शोभा नहीं देता।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने संवाददाताओं से चर्चा में सरगुजा ओलंपिक को लेकर कहा, मार्च-अप्रैल की गर्मी में आयोजन कर सरकार युवाओं को सजा दे रही है। ऐसे खेल का आयोजन ठंड में किया जाता है। अभी प्रदेश में परीक्षाएं चल रही हैं, युवा कैसे शामिल होंगे? सरकार गारंटी दे कि बस्तर जैसे सरगुजा ओलंपिक में घोटाले नहीं होंगे। जनता की गाढ़ी कमाई में घोटाले के लिए आयोजन हो रहा है।

उन्हें हमारा कोई काम अच्छा नहीं लगता- साय

वहीं सरगुजा ओलंपिक के शुभारंभ के लिए रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संवाददाताओं से चर्चा में बैज के बयान पर कहा, आयोजन में ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभागियों को मौका दिया है। आज सरगुजा ओलंपिक का शुभारंभ है। तीन दिनों का संभाग स्तरीय आयोजन है, इसके अलावा अंबिकापुर में कृषक सम्मेलन का आयोजन है। क्षेत्र भर के किसान कार्यक्रम में शामिल होंगे। कुदरगढ़ महोत्सव का भी आयोजन है। जिन्होंने जनता से मिले जनादेश के बाद भी अपने वादों को निभाया नहीं, प्रदेशवासियों को तो दूर, अपनों को भी न्याय नहीं दिला पाए, उन्हें हमारा कोई भी काम अच्छा नहीं लगता।

आनंदम रिसॉर्ट में खाद्य विभाग का छापा, थोक में सिलेंडर जब्त

जांजगीर-चांपा। खाड़ी देशों में छिड़ी जंग के बीच गैस सिलेंडरों के अवैध उपयोग पर प्रतिबंध लगाने खाद्य विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में जिले के अमरताल स्थित आनंदम रिसॉर्ट में अफसरों की टीम ने छापा मारा। इस दौरान दो दर्जन से अधिक सिलेंडर जब्त किए गए।

इसके साथ ही ढाबा व डेयरी में दबिश देकर सिलेंडर और चूल्हे की जब्ती बनाई गई। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार खाद्य विभाग की टीम द्वारा कुकिंग गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण तथा व्यावसायिक उपयोग को रोकने हेतु अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य अधिकारी ने बताया कि खाद्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अमरताल के श्री आनंदम रिज़ॉर्ट स्थित मिस्टर वेज रेस्टोरेंट की जांच की गई।

स्क्रैप यार्ड में छापा, भारी मात्रा में चोरी का सरिया और पिग आयरन जब्त

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

ग्रामीण पुलिस ने पुलिस कमिश्नरेट के क्षेत्र में एक स्क्रैप यार्ड में रेड कार्रवाई करते हुए सात लाख रुपए के करीब का सरिया तथा पिग आयरन जब्त किया है। बताया जा रहा है मंदिर हसौद थाने की पुलिस ने इतनी गोपनीय तरीके से छापे की कार्रवाई की, जिसकी भनक खमतराई पुलिस को नहीं मिल पाई। छापे की कार्रवाई शनिवार दोपहर की गई। पुलिस ने इस मामले में ट्रेलर चालक तथा माल खपाने वाले कबाड़ी को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ कर रही है।

■ छापे की कार्रवाई की मंदिर हसौद पुलिस को भनक नहीं

चंदन कुमार सिंह ने ट्रेलर सीजी 04 जेसी 6215 के चालक के खिलाफ सरिया चोरी करने की थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। चंदन की शिकायत पर पुलिस ने ट्रेलर की पतासाजी करते हुए खमतराई थाना क्षेत्र में रूपेश कबाड़ी के यार्ड में रेड कार्रवाई की और सरिया के साथ चोरी का पिग आयरन जब्त किया। सूत्रों के मुताबिक मंदिर हसौद टीम ने जब खमतराई इलाके में रेड मारी, तो थाना प्रभारी समेत कमिश्नरेट के अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं थी। मामला मीडिया में सामने आया, तो अफसर जांच में शामिल ना होने और जानकारी ना होने की बात बोलते नजर आए। रायपुर ग्रामीण के अधिकारियों ने मंदिर हसौद इलाके में कार्रवाई करने की पुष्टि की है।

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- रेलवे ऑफिस की गाड़ी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है इच्छुक व्यक्ति ही सम्पर्क करें- S.K. Tour & Travels रामकृष्ण नगर मोपका बिलासपुर 78790 06223, 7000103649 **(40310)**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य करने के लिए (महिला/ युवती) कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है। वेतन 15000 से 20000 तक सम्पर्क करें- 8817395214 **(40318)**

आवश्यकता है- सर्वमंगला एजेन्सी में ड्राइवर एवं लेबर की आवश्यकता है। तत्काल सम्पर्क करें- महाराणा प्रताप चौक के पास बिलासपुर 9752394144, 98279 76705 **(40320)**

आवश्यकता है- डिलीवरी बॉय एक, आफिस एवं एकाउंट कार्य हेतु एक एवं एक सेल्समैन की। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी गुम्बर पेट्रोल पम्प के सामने व्यापार विहार रोड, बिलासपुर **(40316)**

आवश्यकता है- दुकान में काम करने हेतु अनुभवी व्यवहार कुशल, ईमानदार लड़कों एवं कम्प्यूटर जानकार युवक चाहिए। वेतन योग्यतानुसार। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- मनोज गुप्ता, खोवा मण्डी गोल बाजार बिलासपुर 9340235239, 7747012196 **(40311)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम में अनुभवी सेल्समैन युवक/ युवती एवं एवं अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर युवती चाहिए वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- श्रीशारदा इन्टरप्राइजेस सिटी कोतवाली चौक के पास तेलीपारा मेन रोड बिलासपुर 7869919759 **(40315)**

आवश्यकता है- दो लड़के रूम की साफ सफाई हेतु (रहने, खाने की सुविधा) एक बाई झाड़ू पोछा हेतु चाहिए पता- नारायण गेस्ट हाउस लिफ्ट नं.- 2, थर्ड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर 9302855022 **(40312)**

आवश्यकता है- केयर टेकर (देख रेख करने वाली) बच्चों एवं घर के काम हेतु स्त्रियों/लड़कियो की आवश्यकता है रहना खाना फ्री एवं आकर्षक वेतन, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड जांजगीर 8600012354 **(40290)**

आवश्यकता है- DJ शोरूम में कार्य हेतु फ्रेशर, अनुभवी दो लड़को की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन 10000 से 12000+ अच्छे कार्य पर इंसेंटिव। सम्पर्क करें- कपूर चन्द & सन्स, सदर बाजार, बिलासपुर 9685005500 **(40304)**

आवश्यकता है- (1) हॉस्टल कार्य हेतु लड़के, लड़की स्मार्ट लड़के लड़कियां (3) पार्सल, खाना डिलीवरी हेतु लड़के (4) इंडियन, चाइनीज खाना बनाने हेतु कुक चाहिए सम्पर्क करें- 7869586011 **(40298)**

आवश्यकता है- सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़की/ लड़को की। लड़कों के पास स्वयं की बाइक अनिवार्य, सामान छोड़ने, लाने हेतु, (10वी, 12वी) सम्पर्क करें- श्रीविनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 98933 67787 **(40319)**

आवश्यकता है- आफिस में कागजी कामकाज हेतु लड़का, लड़की की आवश्यकता है दैनिक भुगतान 1000/- ग्रेजुएशन अनिवार्य बायोडाटा, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- एसबीआई बैंक के पास न्यू सरकंडा बिलासपुर 78060 59546, 8982621468 **(40313)**

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में दो ग्राफिक डिजाइनर की आवश्यकता है जिन्हें कोरलड्रॉ, फोटोशॉप, सोशल मीडिया ऑपरेट करना आता हो। वेतन 5अंकों में+ अच्छा काम करने पर इंसेंटिव सम्पर्क करें- 9131155033, 98271 80896 **(40308)**

आवश्यकता है- डेंटल क्लीनिक में कार्य करने हेतु अटेंडर की आवश्यकता है जीवी डेंटल क्लीनिक SBI के सामने राजकिशोर नगर 1 पद एवं जी.वी. डेंटल क्लीनिक, FS-26 प्रथम तल CLC प्लाजा मंगला चौक - 1 पद **(40301)**

आवश्यकता है- शीघ्र भर्ती, केयर टेकर (महिला खाना+ साफ सफाई) 20, ड्राइवर 25, गार्ड (ड्राइविंग आना चाहिए) 40, हाउस कीपिंग (बॉय/ गर्ल) 100, बिलासपुर हेतु सम्पर्क- बालाजी प्लाजा हेमू नगर बिलासपुर 8889823100 **(40291)**

आवश्यकता है- हायर शोरूम में काम करने हेतु लड़के की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- HAIER Showroom, राजीव गांधी चौक बिलासपुर 9343951083 **(40265)**

आवश्यकता है- होटल के लिए हलवाई, मिस्त्री की तत्काल आवश्यकता है पेंमेंट 18000 से 30000 सम्पर्क करें- राजपाल स्वीट्स यदुनंदन नगर तिफरा बिलासपुर 93005 21234 (40270)

आवश्यकता है- लोकल+ बाहर प्लास्टिक पाईप डिलीवरी हेतु पिकप/ छोटा हाथी चलाने हेतु ड्राइवर चाहिए रहने, खाने की सुविधा वेतन- 12000+ भत्ता (अनुभव के आधार पर) सम्पर्क-सिलपहरी इंडस्ट्रीयल एरिया बिलासपुर 93007 34341 **(40314)**

आवश्यकता है- RTO कार्य हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर 1पद (अनुभव 3वर्ष), वर्कशॉप में सर्विस हेतु हेल्पर 2पद, ऑटो इलेक्ट्रीशियन कार्य हेतु 2पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- लोकेश ऑटो तिफरा बिलासपुर 9303555032 **(40292)**

आवश्यकता है- तखतपुर बिलासपुर रोड में खमरिया बायपास रोड में स्थित राइस मिल में देखरेख हेतु शिक्षित 3वर्ष अनुभवी मुनीम एवं मिल चलाने के 5वर्ष अनुभवी मिस्त्री चाहिए। बायोडाटा व्हाट्सएप करें- 9893111718 **(40293)**

आवश्यकता है- चश्मा दुकान मे कार्य करने हेतु सेल्समैन या सेल्स गर्ल्स की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता संपर्क करें अमर ज्योति आप्टीकल, राजीव प्लाजा बिलासपुर मो. 73542 55424, 7987400950 **(40295)**

आवश्यकता है- ग्राफिक डिजाइनर की आवश्यकता है जिसे कोरल ड्रॉ, फोटोशॉप आता हो सम्पर्क करें- वी ग्राफिक्स बिलासपुर 97706 19078 **(40276)**

आवश्यकता है- माइनिंग एवं क्रशिंग फर्म हेतु अनुभवी सुपरवाइजर की आवश्यकता है। साइट ऑफिस, कार्य समन्वय (Coordination) माहिर, मशीन संचालन हेतु अनुभवी लोडर एवं पोखलेन ऑपरेटर भी चाहिए सम्पर्क करें- 9203390737, 93400 83807 **(40280)**

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. रू. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800 **(067)**

आवश्यकता है- राजकिशोर नगर में ओला एवं ट्रेवल्स में कार चलाने हेतु 3 ड्राइवरों की आवश्यकता है सैलरी 12000 से 13000 हजार तक। सम्पर्क करें- 91099 19456, 8109400008 **(40256)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल कांट्रेक्टर फर्म को एक सुपरवाईजर एवं तीन ITI इलेक्ट्रीकल लड़कों की तत्काल आवश्यकता है। कोरबा निवासी एवं अनुभवी को प्राथमिकता। संपर्क करें 7987382110, 9754373800 **(40296)**

आवश्यकता है- सीए ऑफिस में अकाउंटिंग, ऑडिट कार्य हेतु स्टाफ की आवश्यकता है । केवल सीए ऑफिस में कार्य किये अनुभवी ही सम्पर्क करें- सीए आशीष गुप्ता 9827177457 **(40297)**

आवश्यकता है- बिलासपुर ऑफिस में रिसेप्शनिस्ट के लिए लड़की एवं तखतपुर ब्लॉक में सोलर पैनल के प्रचार प्रसार हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7879298498 **(40289)**

आवश्यकता है- ट्रैक्टर ड्राइवर- 1, पीकप ड्राइवर- 1, एकाउंटेन्ट- 1, ITI फीटर- 1 चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री जगदेव एनर्जी बिनौरी, कानन पेंडारी के आगे मुंगेली रोड बिलासपुर 7389585235, 9131728759 **(40294)**

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार इच्छुक व्यक्ति तुरन्त सम्पर्क करें- बादशाह सेफ्टी सर्विसेज, दुकान नम्बर 35, जवाली नाला मध्य नगरी चौक, बिलासपुर 74152 93153 **(40282)**

आवश्यकता है- श्याम इंटरप्राइजेज में पैकिंग कार्य व अन्य कार्य हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है, वेतन योग्यता अनुसार (समय 10am से 7pm) सम्पर्क करें- साइंस कॉलेज सरकंडा बिलासपुर 9074741377 **(40284)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं फर्नीचर शोरूम में काम करने हेतु लड़के/लड़कियों की। वेतन योग्यता अनुसार 8वी, 10वी सम्पर्क करें- सुधा सेल्स, सत्या शोरूम के बाजू में, नूतन चौक, सरकण्डा, बिलासपुर 89591 55539 **(40249)**

आवश्यकता है- रियल एस्टेट कम्पनी में कार्य करने का सुनहरा अवसर टेलीकॉलिंग हेतु लड़की 4पद, मार्केटिंग हेतु लड़के 5पद चाहिए। सम्पर्क करें- अम्बे कंस्ट्रक्शन राजकिशोर नगर मोपका चौक पास बिलासपुर 79872 36607, 08109119184 **(40279)**

टेक्सटाईल रिपनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स, लेबर ऑफिसर, कांट्रेक्टर, क्वालिटी डिपार्टमेंट (ग्रेजुएट) एवं प्रोडक्शन सुपरवाइज़र (ग्रेजुएट) चाहिए.
रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध।
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 9827163216 8462933820

आवश्यकता है- घरेलू सभी काम झाड़ पोछा बर्तन धोने, कपड़े धोने या खाना बनाने के लिए अनुभवी बाई की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जनता क्वार्टर नेहरु नगर बिलासपुर 9977416604 **(40267)**

आवश्यकता है- शहर के विभिन्न संस्थानों में दिन एवं रात ड्यूटी हेतु गार्ड एवं आफिस स्टाफ लड़का, लड़की चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। बायोडाटा एवं आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- 93006 72005, 9827192131 **(1489)**

आवश्यकता है- शॉप में कम्प्यूटर ऑपरेटर 5 लड़के (वेतन 15000) एवं शॉप में कार्य हेतु 10 लड़के (वेतन 12000) की आवश्यकता है पता- वी.एस. रेफ्रिजरेशन, ताहा कॉम्प्लेक्स व्यापार विहार रोड बिलासपुर 9300531912 **(40268)**

आवश्यकता है- X-ray टेक्नीशियन, कम्प्यूटर ऑपरेटर (m/f) चाहिए, अनुभवी, अंग्रेजी जानकार को प्राथमिकता संपर्क करें- शाम 5-7 बजे तक ओम डायग्नोस्टिक सेन्टर, रेड क्रॉस मेडिकल के सामने, सिम्स रोड, बिलासपुर 9229466628, 8602000508 **(40275)**

आवश्यकता है- Merchant Ny को 750 लड़के लड़कियों की योग्यता 10वीं पास से स्नातक तक सैलरी (35500-85500) रहना खाना बीमा फ्री इच्छुक व्यक्ति अपने Documents WhatsApp करें अधिक जानकारी हेतु कॉल करें- 7521088984 **(1350)**

आवश्यकता है- रिसेप्शनिस्ट फीमेल, कम्प्यूटर ऑपरेटर बिजी सॉफ्टवेयर जानकार और ऑफिस बॉय की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पीआरके अग्रसेन चौक बिलासपुर 6263077177 **(40277)**

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर- बिलासपुर में 2पद, राजनांदगांव में 2पद (पुरुष), इलेक्ट्रिकल (बाहरी) फील्ड सुपरवाइजर राजनांदगांव में 2पद (पुरुष) सिविल इंजीनियर बिलासपुर में 1पद (पुरुष), बायोडाटा 9303023570 पर भेजें **(40285)**

आवश्यकता है- रियल इस्टेट आफिस में टेलीकॉलिंग, मार्केटिंग हेतु युवक, युवतियां चाहिए वेतन योग्यता अनुसार 5000 से 20000 तक दिया जाएगा सम्पर्क करें- गणपति होम्स गीता पैलेस भवन के सामने उसलापुर 7828892113 **(40269)**

आवश्यकता है- दुकान में कार्य हेतु (लड़के, लड़कियों) की आवश्यकता है वेतन 8000 सम्पर्क करें- गुप्ता अम्ब्रेला (छाता दुकान) हनुमान मन्दिर खोवा मण्डी के पास जगदीश होटल के सामने गोल बाजार बिलासपुर **(40255)**

आवश्यकता है- दवाई दुकान में ड्राइवर की आवश्यकता है जो ऑटोमैटिक डिजायर एवं वैगनआर चला सके काम का समय सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक सम्पर्क करें- 9893285943, 92298 58916 **(40281)**

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड एवं ऑफिस हेतु कम्प्यूटर आपरेटर चाहिए हिन्दी इंगलिश टाइपिंग अनुभवी वर्ड एक्सेल 2वर्ष अनुभवी। वेतन योग्यता अनुसार पता श्रीसाईं सिक्युरिटी सर्विस, जेजे हॉस्पिटल के बाजू तोरवा बिलासपुर 99930 57964, 8253010291 **(40177)**

आवश्यकता है- नौकरी का अवसर प्रतिष्ठित कार्यालय हेतु ऑफिस गर्ल (प्यून), किचन हेल्पर चाहिए। उम्मीदवार को चाय नाश्ता बनाना, स्टाफ को चाय पानी सर्व करना, किचन व ऑफिस की साफ, सफाई बनाए रखना तथा आवश्यक दस्तावेज,सामान लाने लेजाने जैसे सामान्य कार्यालय कार्य करने होंगे। मेहनती, जिम्मेदार ईमानदार महिला उम्मीदवार को प्राथमिकता दी जाएगी। स्थान- शिव टॉकीज चौक, बिलासपुर, सम्पर्क करें- 7970010958 **(40299)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- Ammaji Traders Field Officer और Salesman की आवश्यकता है। प्रारंभिक वेतन 15000 रहेगा कार्य के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकता है। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 6266732985 **(40262)**

बेचना है

बेचना है- नर्मदा विहार यदुनंदन नगर तिफरा में TNC स्वीकृत मकान नं 21, दो मंजिला मकान प्लाट एरिया 1650 वर्गफिट निर्मित एरिया भूतल 1350 वर्गफिट, प्रथम तल 1000 वर्गफिट एवं शेड 200 वर्गफिट कुल निर्मित एरिया 2550 वर्गफिट बेचना है सम्पर्क करें 9424146997, 7898687010 **(40266)**

बेचना है- बिलासपुर शहर के प्राइम लोकेशन में मंगला शुभम विहार, अलका एवेन्यू, गोकुल धाम, सकरी बटालियन में मकान, प्लाट एवं कमर्शियल प्लाट बेचना है, सम्पर्क करें- 6262525232 **(40283)**

बेचना है- सकरी परसदा हाउसिंग बोर्ड के पीछे, सृष्टि संस्कृति कॉलोनी के पास 2BHK, 3BHK नवनिर्मित मकान एवं प्लॉट उपलब्ध है सम्पर्क करें- 7869493130 **(40300)**

बेचना है- आदिवासी प्लाट बेचना है बहतराई बिलासपुर में प्राइम लोकेशन पर 5 डिसमिल आदिवासी जमीन बेचना है। तुरन्त मकान बना सकते है। सम्पर्क करें- 9691615563, 7024069300 **(40271)**

बेचना है- शानदार लोकेशन बिलासपुर तखतपुर मुख्य मार्ग में गोल्ड फॉर्म 4780 वर्गफुट फार्म हाउस तत्काल बेचना है सम्पर्क करें- 9993568977 **(40317)**

बेचना है- पुराना प्रताप टॉकीज चौक, डॉक्टर कॉलोनी और कम्पनी गार्डन के पास डबरीपारा में 44×62 के कमर्शियल प्लॉट एक साथ/ 22×62 के दो टुकड़े में बेचना है @1.4Cr each सम्पर्क- 9300416538 **(40306)**

भोपाल में प्रोपर्टी खरीदना है
भोपाल शहर की विकसित कॉलोनीयों में होशंगाबाद रोड, कोलार रोड, में जमीन, प्लाट एवं बंगले खरीदना है
वास्तविक विक्रेता सम्पर्क करें 9826092344

बेचना है- रामा मैग्नेटो मॉल के पास हॉस्टल (1000 वर्गफिट) 14कमरे, अटैच्ड बाथरूम सहित ग्राउण्ड+ थर्ड फ्लोर, सर्वसुविधायुक्त सीसीटीवी कैमरा, वाटर कूलर, दीवान+ मैट्रेस, बोरवेल, वाटर फिल्टर, पार्किंग, 1एसी कमरा सम्पर्क- 7879999932 **(40305)**

बेचना है- नेहरू नगर चटर्जी गली में मेन रोड से 100मी अन्दर 25×58= 1450 वर्गफिट (4200/- प्रति वर्गफिट) 25फिट रोड बाउंड्रीवाल से घिरा 10फिट का गेट लगा प्लाट। सम्पर्क- सचिन पाण्डेय 7987968317 **(40307)**

बेचना है- बिलासपुर RTO ऑफिस से 1KM आगे लगरा में सीपत मेन रोड से 150मी. अंदर प्रस्तावित कांक्रीट रोड में 5,10,20 डिसमिल के डायवर्टेड प्लॉट 750/- प्रति वर्गफिट फाइनेन्स सुविधा के साथ बेचना है (घर, निवेश हेतु उपयुक्त) सम्पर्क- 7974075890 **(40309)**

बेचना है- सकरी में, टाउन एंड कंट्री अप्रूव्ड कॉलोनी मे मात्र 1290 वर्गफुट और नेशनल हाईवे बिल्हा में पूर्ण विकसित प्लांट मात्र 1190 वर्गफुट में, 80% बैंक फाइनेन्स सम्पर्क करें- 9302652734, 62622 29444 **(40286)**

बेचना है- Benelli TNT600GT मोटर साइकल 5000 किलोमीटर चली, मॉडल 2016 गाड़ी नम्बर MH 49 AZ 2132 बेचना है सम्पर्क करें-7000789150 **(40303)**

वाहन बेचना है

Auto Sale- (Auto EV) New. Mahindra Treo Plus Range 150 km, Running 188 km only, Passenger Vehicle for sale. Add- Om Nagar Jarhabhata Land mark- Gospal Church Contact No.-78285 37720 **(40287)**

किराया

किराया- एक आधुनिक सुसज्जित भूतल मकान दो कमरे, हॉल, किचन, डाइनिंग लिविंग CCTV युक्त पूर्ण सुरक्षित किराये पर देना है। बैंक, रेलवे सरकारी कर्मचारी को परिवार को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 8109756006 **(40263)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

फायनेंस

फायनेंस- प्रगति फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस पर्सनल कृषि महिला समूह मकान दुकान लघु उद्योग पर्सनल लोन, आधार कार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध 2% ब्याज, 30% छूट, सम्पर्क करें- 7489545029 **(1354)**

शैक्षणिक

Addmission Open- For Session 2026-27 from class Nursery to class 8, Wanted Trained and experienced graduate Teachers for all subjects (TGT & PGT), Mother teachers, Aaya and Drivers. Address:- Krishna Public school Near Mahaveer city Rajkirshore Nagar Bilaspur (C.G.) Submit your resume in school hours. Contact- 8109912431, 9340772866, 93407 67474 **(239)**

वैवाहिकी

वर/वधु चाहिए

वर/वधु चाहिए- 28 वर्षीय वधु के लिए वर तथा दो 32 वर्षीय वर के लिए वधू तथा 65 वर्षीय वर के लिए वधू चाहिए जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें- 7400556967, 74005 56967 **(10411)**

वर चाहिए

वर चाहिए- 33वर्ष, 5' 2'', B.E.Civil. Mtech, Structural Desing Engineer, पुणे में कार्यरत, 5 लाख वार्षिक पैकेज सुंदर सुशील कन्या हेतु नौकरी पेशा, समकक्ष साहू वर चाहिए, मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। संपर्क करे:- मो.-99261-98299 **(240)**

वधु चाहिए

वधू चाहिए
इकरार साह खान
उर्म: 50 वर्ष, जिला दुर्ग. केला बाड़ी मजार के पास. (दिल्ली) बिजनेश मैन हेतु वधू चाहिए. जाति बन्धन नही. तुरंत सम्पर्क करे. लड़की डायरेक्ट बात करे.
93033 96004
88512 89207

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विंबलडन में पहली बार 'वीडियो रिव्यू सिस्टम' की शुरुआत, छह कोर्ट में खिलाड़ियों के लिए होगा उपलब्ध

एजेंसी ▶▶| लंदन

विंबलडन चैंपियनशिप 2026 का आयोजन 29 जून से 12 जुलाई के बीच होगा। ऑल-इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब (एईएलटीसी) ने पुष्टि की है कि इस सीजन में पहली बार टूर्नामेंट में एक नया वीडियो रिव्यू सिस्टम (वीएआर) पेश किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में वीएआर के टेनिस वर्जन का इस्तेमाल किया जाएगा, जो ग्रैंड स्लैम में छह कोर्ट पर खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध होगा।

वीएआर टेक्नोलॉजी चैंपियनशिप के दौरान सेंटर कोर्ट और कोर्ट वन पर हर समय उपलब्ध रहेगी। वहीं, अन्य कोर्ट (कोर्ट नंबर 2, कोर्ट नंबर 3, कोर्ट 12 और कोर्ट 18 शामिल हैं) पर यह सुविधा तभी उपलब्ध होगी, जब उन पर पुरुषों और महिलाओं के सिंगल्स मैच खेले जा रहे होंगे।

जोड़ा गया ईएलसी में नया अपग्रेड

टूर्नामेंट में इस बार इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग (ईएलसी) में एक नया अपग्रेड जोड़ा गया है। 2026 से सभी कोर्ट्स पर लाइव ईएलसी के विजुअल संकेत स्कोरबोर्ड पर भी दिखाए जाएंगे, जिससे दर्शकों का अनुभव और अधिक रोमांचक और पारस्परिक बनेगा। वहीं, एईएलटीसी ने विंबलडन परिसर का आकार लगभग तीन गुना करने की योजना बनाई है। इस दिशा में उन्हें बड़ी सफलता मिली है, क्योंकि लंदन हाई कोर्ट ने फैसला दिया कि यह विकास योजना भूमि उपयोग नियमों से बाधित नहीं है। मौजूदा सिंगल्स चैंपियन जैनिक सिनर और इगा स्वियातेक अपने खिताब का बचाव 29 जून से शुरू करेंगे।

चैंपियनशिप का आयोजन 29 जून से 12 जुलाई के बीच

वीएआर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाला तीसरा ग्रैंड स्लैम

इस घोषणा के साथ, विंबलडन यूएस ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद वीएआर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाला तीसरा ग्रैंड स्लैम बन गया है। वीएआर से खिलाड़ियों को कई तरह से फायदा होगा। इसके साथ ही मैदानी अंपायर की ओर से लिए गए फैसलों की सटीकता भी बनी रहेगी। यह सिस्टम खिलाड़ियों को कई तरह के विवादित फैसलों को चुनौती देने की सुविधा देता है, जैसे कि डबल बाउंस, फाउल शॉट या बाधा से जुड़े फैसले।

यूएस ओपन 2023 में पहली बार हुआ था वीएआर का इस्तेमाल

यूएस ओपन 2023 में वीएआर का इस्तेमाल करने वाला पहला बड़ा टूर्नामेंट था। अब फरवरी 2025 से यह नौ एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सभी कोर्ट पर उपलब्ध है। विंबलडन का डिजिटल अपग्रेड बीते साल शुरू हुआ था, जब टूर्नामेंट ने इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग (ईएलसी) की शुरुआत की थी। इस कदम के साथ ही पिछले 147 वर्षों से लाइन जजों की ओर से निभाई जा रही भूमिका समाप्त हो गई थी।

कोहली ने साथी खिलाड़ियों को दिया गुरु मंत्र, कहा- 'एक भी मिनट बर्बाद न करें'

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अपने साथी खिलाड़ियों से 'स्विच आन' करने का आग्रह किया और कहा कि आईपीएल खिताब बरकरार रखने की तैयारी में अब उन्हें अभ्यास सत्र का एक मिनट भी बर्बाद नहीं करना है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले अभ्यास सत्र के दौरान कोहली ने कहा कि उसी जज्बे को बरकरार रखना है, जिसके दम पर उन्होंने पिछले साल खिताब जीता था। कोहली ने कहा,' हमने पिछले दो तीन सत्र में काफी मेहनत की है, जिसके दम पर पिछले साल यह उपलब्धि हासिल कर सके। अब रास्ता और कठिन होगा क्योंकि बाकी टीमें भी पूरी चुनौती देंगी।'

हमें आगे रहना है तो स्विच आन करो : कोहली

कोहली ने कहा, ' हमें समय बर्बाद नहीं करना है। हमें आगे रहना है तो स्विच आन कर लीजिए। किसी भी सत्र का एक मिनट भी व्यर्थ नहीं करना है। हमें अगले ढाई महीने में अपना 120 प्रतिशत देना होगा।' आरसीबी ने टीम में वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, जोर्डन कॉक्स, विकी ओस्तवाल और सात्विक देसवाल को शामिल किया है।

हमारी टीम बेहतर : कोच एंडी फ्लावर

मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा, 'नीलामी काफी रोचक थी और हमारी टीम बेहतर हुई है। हमने कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों को लिया है। विराट और रजत की अगुवाई में स्थापित खिलाड़ियों के साथ उन्हें आरसीबी का हिस्सा बनाना रोमांचक होगा।' उन्होंने यह भी कहा, 'इस साल बात अलग होगी क्योंकि अब हम खिताब जीत चुके हैं। आरसीबी के सभी प्रशंसकों के लिए यह गर्व की बात है। लेकिन अब पिछला सत्र बीत गया है और नई चुनौती सामने है। यह काफी रोमांचक है और हम आईपीएल जीतने आए हैं।' विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा , ' सभी एक दूसरे से मिलकर बहुत खुश हैं। सभी कोचों से फिर मिलकर और अभ्यास करके बहुत अच्छा लग रहा है।'

तुमकुरु में पहला आईटीएफ महिला डब्ल्यू35 टूर्नामेंट

बेंगलुरु। कर्नाटक के टेनिस में बढ़ते कद को बढ़ावा देने के लिए तुमकुरु में 4 से 10 मई तक पहला आईटीएफ महिला विश्व टेनिस टूर डब्ल्यू35 टूर्नामेंट खेला जाएगा। टूर्नामेंट तुमकुर यूनिवर्सिटी परिसर स्थित जिला टेनिस स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले दो दशक से पूर्व एक आईटीएफ महिला टूर्नामेंट का आयोजन हुआ था। इस टूर्नामेंट में उदीयमान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और भारत के शीर्ष पेशेवर 32 खिलाड़ियों के एकल मुख्य ड्रॉ और क्वालीफाइंग दौर में भाग लेंगे। तुमकुरु में आखिरी बार 2003 में एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट खेला गया था।

बीसीसीआई का बड़ा ऐलान, आयरलैंड में भिड़ेगी टीम इंडिया, तारीखें तय

आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को टी20 खेलेगा भारत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के आयरलैंड दौरे का शेड्यूल शनिवार को जारी कर दिया। भारतीय टीम 2 टी20 मैचों के लिए जून 2026 में आयरलैंड का दौरा करेगी।

बीसीसीआई की ओर से जारी शेड्यूल के मुताबिक, भारतीय टीम 26 जून और 28 जून को पहला और दूसरा टी20 मुकाबला खेलेगी। दोनों मुकाबले बेलफास्ट में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट टीम का हाल के कुछ वर्षों में आयरलैंड का यह

चौथा दौरा होगा। टीम इंडिया 2018, 2022 और 2023 में भी आयरलैंड के दौरे पर गई थी। वहीं, भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार बेलफास्ट में खेलेगी। आयरलैंड क्रिकेट टीम और आयरलैंड क्रिकेट फैंस को भारतीय टीम के दौरे का हमेशा से इंतजार रहता है। भारतीय टीम को लेकर वहां के फैंस के बीच उत्साह रहता है। बीसीसीआई आयरलैंड दौरे पर युवा खिलाड़ियों की टीम भेजती रही है। देखना होगा कि आगामी दौरे पर सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली वो टीम आयरलैंड जाती है, जिसने विश्व कप जीता था, या किसी दूसरे खिलाड़ी की कप्तानी में युवा टीम भेजती है।

ओलंपिक में स्क्वाश का पदार्पण ऐतिहासिक : घोषाल

नई दिल्ली। भारत के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सौरव घोषाल ने 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में स्क्वाश को शामिल किए जाने को ऐतिहासिक पल बताते हुए कहा कि खेल के विकास के लिए बेहतर कोचिंग और 'इकोसिस्टम' को मजबूत बनाने की जरूरत है। हाल ही में विश्व प्रीमियर स्क्वाश के खेल कमिश्नर नियुक्त किए गए घोषाल ने कहा,' मैं खुशकिस्मत रहा हूं कि मैंने भारत के लिए 20 साल से ज्यादा पेशेवर स्क्वाश खेला है। यह उस सारे अनुभव को साथ लाने का दौर है और मुझे खुशी है कि वैश्विक स्तर पर योगदान दे पा रहा हूं।' उन्होंने कहा,' मैंने दबाव के हालात को हमेशा मौके की तरह देखा है। यह खेल के लिए कुछ खास करने का मौका है।' स्क्वाश में भारत के बढते ग्राफ के बारे में घोषाल ने कहा,' ताकत आंकड़ों में दिखती है। ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी खेलेंगे तो चैम्पियन निकलेंगे। भविष्य भी उज्जवल दिख रहा है।'

Healing Hands

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर

NABH ACCREDITED · PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE

कैंसर की अत्याधुनिक जाँच अब बहुत ही किफायती दरों पर

PET CT SCAN

CONTACT FOR APPOINTMENT
78801 58729, 78801 58706

सीमित दिनों के लिए
35% की छुट
मात्र 13000/- में

◀ रेडिएशन सिंकाई मशीन रायपुर

रेडिएशन सिंकाई मशीन भिलाई ▶

Deepak Advertisers

- **Advance modular theatre for cancer surgery**
- **Advanced Radiotherapy (IMRT/IGRT/VMAT)**
- **Bone Marrow Transplant Unit**

Comprehensive Systemic Therapy Services
1. Chemotherapy, **2.** Targeted Therapy,
3. Immunotherapy, **4.** Hormonal Therapy,
5. Supportive Biologics

Multidisciplinary Tumor Board
to Individualized Treatment Strategies.

SECR RAILWAY — रेलवे कर्मचारियों के लिए विशेष कैशलेस ट्रीटमेंट की सुविधा
CGHS — CGHS से मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल (शासकीय कर्मचारियों के इलाज हेतु मान्यता प्राप्त)
ECHS — पूर्व सैनिकों, आश्रितों के निशुल्क स्वास्थ्य टेस्ट
CSPDCL — छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
एन.एम.डी.सी.
एसईसीएल
ईएसआइसी.
मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना
22 Carporate & 32 TPA — मान्यता प्राप्त अस्पताल

रायपुर: होली क्रॉस स्कूल के पास, अवंति बाई चौक, पंडरी. फोन: 91313 99570, 93430 79151, 0771 4014442 / 4094443
भिलाई: जुनवानी रोड, सुर्या टी.आई. मॉल के पास. फोन: 0788 2294443, 90392 38971, 77228 80844

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com